धनबाद
शुक्रवार 03.01.2025
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-310 पृष्ठ- 12
पौष शुक्ल पक्ष-4
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

गृह मंत्रालय के आदेश के बाद 3 पाक कैदियों को आजाद करेगा भारत

सात फरवरी 2025 को कड़ी सुरक्षा में अटारी बार्डर भेजेगा, तैयारी शुरु

गोरखपुर (ईएमएस): गुजरात और राजस्थान की जेलों से भी पाकिस्तानी कैदियों की रिहाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रिहाई के बाद इन कैदियों को कड़ी सुरक्षा में अटारी बार्डर ले जाया जाएगा। सात फरवरी, २०२५ की दोपहर १२ बजे इनको पाकिस्तान के अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। वहीं गोरखपुर जेल में बंद तीन पाकिस्तानी कैदियों को अटारी बार्डर से उनके वतन भेजा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्रालय से पत्र आने के बाद शासन ने इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी है। एसएसपी गोरखपुर को पत्र लिख गृह मंत्रालय की ओर से पाकिस्तानी कैदी का आपराधिक रिकार्ड भी मांगा गया है। तीनों कैदियों को सात फरवरी २०२५ को कड़ी सुरक्षा में अटारी बार्डर भेजा जाएगा। गृह मंत्रालय ने इस मामले में निर्देश जारी करते हुए गोरखपुर जेल में बंद मोहम्मद मसरूफ के बारे में रिपोर्ट मांगी है। एसएसपी से कहा गया है कि वह मसरूफ की पूरी जानकारी और जरूरी दस्तावेज जल्द उपलब्ध कराएं।

बता दें पाकिस्तान के कराची में रहने वाले मोहम्मद मसरूफ उर्फ गुड्डू को २००८ में बहराइच पुलिस ने जासूसी के आरोप में पकड़ा था। २०१३ में मसरूफ को आजीवन कारावास की सजा हुई।

इसके बाद २०१५ में उसे वाराणसी सेंट्रल जेल में भेजा गया। कैदियों को उकसाने और विद्रोह करने के आरोप में २०१९ में शासन के निर्देश पर मसरूफ को गोरखपुर जेल लाया गया था। यहां उसे हाई सिक्योरिटी बैरक में रखा।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि रिहा किए जा रहे कैदियों के खिलाफ अब कोई लंबित मामला नहीं है। संबंधित राज्य की सरकारों ने भी उनकी रिहाई पर अपनी सहमति जताई है। गृह मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि कैदियों को उनको दस्तावेज़, पहचान पत्र के साथ साफ-सुथरी स्थिति में सौंपा जाएगा। रिहा करने और अटारी बार्डर तक पहुंचाने के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित राज्य की है।

गृह मंत्रालय से आदेश के मुताबिक गोरखपुर जेल में बंद मोहम्मद मसरूफ के अलावा गुजरात की भुज जेल में बंद खादम हुसैन तैमूर और राजस्थान की अलवर जेल में बंद नंदलाल की रिहाई होनी है। यह तीनों को अटारी बार्डर से पाकिस्तान भेजा जाएगा।

झारखंड कैडर के पंकज कंबोज समेत 4 आईपीएस केंद्र में आईजी रैंक के पैनल में शामिल

रांची (एजेंसी): झारखंड कैडर के २००६ बैच के तीन आईपीएस अधिकारियों को केंद्र में आईजी रैंक के पैनल में शामिल किया गया है. इनमें इनमें २००५ बैच के आईजी प्रोविजन पद पर पदस्थापित पंकज कंबोज, बोकारो जोनल आईजी माइकल राज एस, आईजी ट्रेनिंग ए विजया लक्ष्मी और अनूप टी मैथ्यू शामिल हैं. अनूप टी मैथ्यू वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं. केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने पूरे देश के २००६ बैच के आईपीएस अधिकारियों के लिए आईजी व आईजी समानांतर पद पर इंपैनल करने का विचार किया था. इसके तहत देशभर के अलग-अलग राज्यों के कुल ७१ आईपीएस आईजी रैंक में इंपैनल हुए. इनमें झारखंड कैडर के २००६ बैच के चार आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं.

मंईयां सम्मान समारोह 6 को, 56 लाख महिलाओं के खाते में ट्रांसफर होंगे 2500

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान समारोह का आयोजन छह जनवरी को होगा.

इस दिन सीएम हेमंत सोरेन इस योजना की नई किस्त जारी करेंगे. इस योजना के जरिये राज्यभर की करीब ५६ लाख महिलाओं के खाते में २५०० रुपये ट्रांसफर किये जायेंगे.

नामकुम के खोजा टोली मैदान में आयोजित कार्यक्रम में लगभग तीन लाख महिलाओं के शामिल होने की उम्मीद है.

बताते चलें कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान समारोह पहले २८ दिसंबर को होने वाला था. लेकिन पूर्व पीएम मनमोहन सिंह निधन के बाद राज्य में सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की गयी थी. जिसके कारण इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था.

हालांकि २६-२७ दिसंबर को टेस्ट के तौर पर हर जिले की महिलाओं के खाते में पैसे ट्रांसफर हुए थे.

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में बैठक, एकीकृत सैन्य कमान शुरू करने पर रहेगा जोर

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा मंत्रालय की एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में सेना को लेकर एक बड़ा फैसला हुआ। रक्षा मंत्रालय ने २०२५ को सुधारों का वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है।

इसका मकसद सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए एकीकृत सैन्य कमान शुरू करना तथा सेना को तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री का कहना हैं कि सुधार का वर्ष सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह देश की रक्षा तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव रखेगा और इस प्रकार २१वीं सदी की चुनौतियों के बीच राष्ट्र की सुरक्षा एवं संप्रभुता सुनिश्चित करेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि २०२५ में साइबर और अंतरिक्ष जैसे ▶▶ 8

गढ़चिरौली में 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

पीएम मोदी ने सीएम फडणवीस की पीठ थपथपाई

गढ़चिरौली में 75 साल बाद लोगों को एसटी बस देखने को मिलेगी

नई दिल्ली (ईएमएस): महाराष्ट्र में नक्सलवाद और माओवादियों के खिलाफ देवेंद्र फडणवीस की सरकार एक्शन मोड में दिख रही है। गढ़चिरौली में ११ नक्सलियों ने नए साल के पहले दिन आत्मसमर्पण किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने नक्सलियों के समर्पण को महाराष्ट्र सरकार के प्रयासों का फल बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट में लिखा, मैं महाराष्ट्र सरकार के द्वारा माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना करता हूं। इन प्रयासों से निश्चित रूप से जीवन की सुगमता बढ़ेगी और और भी अधिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। गढ़चिरौली और आस-पास के क्षेत्रों के मेरे बहनों और भाइयों को विशेष बधाई।

इसके पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, गढ़चिरौली में माओवादियों का प्रभाव था। यहां माओवादियों के प्रभाव को खत्म किया गया है। छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला रास्ता और पुल तैयार है। यहां पर ७५ साल बाद लोगों को एसटी बस देखने को मिलेगी। नक्सलवाद खत्म करने की डेडलाइन पर उन्होंने कहा कि गढ़चिरौली में अब नए लोग माओवादियों के संगठन में शामिल नहीं हो रहे हैं। जल्द ही राज्य नक्सलवाद से मुक्त होगा। हम लोगों ने इस ओर कदम बढ़ा दिया है। गढ़चिरौली ऐसा पहला जिला बना दिया गया है, जहां माओवादियों का प्रभाव खत्म हो गया है।

उन्होंने कहा, पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गढ़चिरौली में बीत चार वर्षों में माओवादी एक भी शख्स को अपने संगठन में नहीं जोड़ सके हैं। जो इस संगठन में थे ▶▶ 8

प्रधानमंत्री ने अजमेर दरगाह में भेजी चादर

नई दिल्ली (ईएमएस): अखिल भारतीय सूफी सज्जादानशीन परिषद के अध्यक्ष सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने प्रधानमंत्री की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह में चादर चढ़ाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा पुरानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस परंपरा का १० सालों से निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह एक पुरानी परंपरा रही है। १९४७ में जब से देश आजाद हुआ है, तब से जो भी भारत का प्रधानमंत्री होता है वह सालाना उर्स के मौके पर चादर भेजता है। यह परंपरा हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी २०१४ में प्रधानमंत्री बनने के बाद बनाए रखी है। यह हिंदुस्तान की संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा है, जिसमें हर धर्म, हर संप्रदाय और हर सूफी संत का सम्मान किया जाता है।

उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले १० वर्षों से इस परंपरा को न केवल जारी रखा है, बल्कि इसे पूरी श्रद्धा और ▶▶ 8

ऋषि कश्यप के नाम से हो सकता है कश्मीर का नाम : गृहमंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक कार्यक्रम में कहा कि कश्मीर आज फिर से भारत का अभिन्न अंग बनकर विकास की राह में अग्रसर है। उन्होंने कहा, कि वहां लोकतंत्र पुनः स्थापित हुआ है, और हमें विश्वास है कि जो कुछ हमने गंवाया था, वह जल्द ही वापस प्राप्त कर लेंगे।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह भी कहा कि कश्मीर का नाम ऋषि कश्यप के नाम पर हो सकता है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि कश्मीरी, डोगरी, बालटी और झंस्कारी जैसी भाषाओं को शासन की स्वीकृति दी गई है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता को दर्शाती है। शाह ने कहा, कि यूनियन टेरिटरी बनने के बाद कश्मीर की स्थानीय भाषाओं को संरक्षित करना हमारी प्राथमिकता रही है। यह प्रधानमंत्री के कश्मीर के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को दिखाता है। कश्मीर भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

केंद्रीय मंत्री शाह ने इतिहासकारों से आग्रह किया कि वे प्रमाण के आधार पर इतिहास लिखें। उन्होंने कहा, कि इतिहास लुटियन दिल्ली ▶▶ 8

सिंगर दिलजीत ने की पीएम मोदी से मुलाकात, किसान नेता हुए नाराज

कहा- दोसांझ को पीएम से मिलने के बजाय डल्लेवाल से मिलना चाहिए था

नई दिल्ली (ईएमएस): सिंगर दिलजीत दोसांझ ने अपने दो महीने के दिल लुमिनाटी टूर के खत्म होने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी से उनकी ये मुलाकात सुर्खियां बन गई हैं लेकिन अब किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने दोसांझ की पीएम मोदी से मुलाकात पर प्रतिक्रिया दी है।

किसान नेता पंढेर ने कहा है कि पीएम मोदी से दिलजीत दोसांझ के मिलने से किसान खुश नहीं हैं। किसानों का कहना है कि दिलजीत को मोदी से मिलने के बजाए किसानों का समर्थन करना चाहिए था। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ३८ दिनों से आमरण अनशन पर है और दोसांझ को उनसे मिलना चाहिए था।

पंढेर ने कहा कि मोदी देश के पीएम हैं और कोई भी उनसे मुलाकात कर सकता है, लेकिन इस मुलाकात का कारण क्या था, हम नहीं जानते. लेकिन पंजाबियों को लगता है कि इस कद वाला सेलिब्रेटी पंजाब और उससे जुड़े मुद्दों की बात करेगा। उन्होंने कहा कि एक समय था जब दिलजीत को कुछ लोग खालिस्तानी समर्थक कहते थे लेकिन अब पीएम मोदी से उनकी मुलाकात के बाद उन्हें कोई ऐसा नहीं कहेगा। हमें उम्मीद है कि पीएम मोदी कुछ समय निकालकर प्रदर्शन कर रहे किसानों से भी मिलेंगे। बता दें कि पीएम मोदी से दोसांझ की मुलाकातों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि वह फूलों के गुलदस्ते के ▶▶ 8

हमें दोष न दें और घुसपैठ के लिए टीएमसी नहीं, बीएसएफ ही ये सब कर रही

सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और बीएसएफ पर लगाए संगीन आरोप

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। इतना ही नहीं ममता ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर भी गंभीर आरोप लगाया है। ममता ने कहा है कि बीएसएफ बांग्लादेश से आतंकियों को बंगाल में घुसने दे रही है। ममता ने ये सभी आरोप गुरुवार को प्रशासनिक बैठक के दौरान लगाए।

बैठक में सीएम ममता ने कहा कि बीएसएफ अलग-अलग इलाकों से बंगाल में घुसपैठ करा रही है। बीएसएफ महिलाओं पर अत्याचार कर रही है। मैं डीजीपी से कहूंगी कि वे जांच करें कि किन जगहों से लोगों को बीएसएफ ने बंगाल में घुसने दिया, क्योंकि सीमा हमारे हाथ में नहीं है। अगर कोई आरोप लगाता है कि टीएमसी घुसपैठ करवा रही है तो मैं कहूंगी कि सीमा बीएसएफ के अधीन है और बीएसएफ ही ये सब कर रही है, इसलिए हमें दोष न दें और घुसपैठ के लिए टीएमसी पर आरोप न लगाएं। ममता बनर्जी ने केंद्र पर बंगाल में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने बंगाल में इन गतिविधियों के लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार और बीएसएफ को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने दावा किया है कि केंद्र के पास भी इस काम का कोई ब्लूप्रिंट है।

ममता ने आगे कहा कि टीएमसी बीएसएफ की सुरक्षा नहीं कर रही है, लेकिन पुलिस और केंद्र के पास सारी जानकारी है। मुझे कुछ स्थानीय ▶▶ 8

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को लेकर ईरानी सरकार ने दिया भरोसा, यमन सरकार से बात होगी

नई दिल्ली (ईएमएस): यमन में फांसी की सजा पा चुकी भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को लेकर ईरानी सरकार की तरफ से राहत भरी खबर आई है।

ईरान सरकार से जुड़े हुए सूत्रों के हवाले से पता चला है कि ईरान इस मामले को यमन सरकार के समक्ष उठाएगा। सूत्रों का कहना है कि ईरान सरकार ने मामले पर हरसंभव मदद का भरोसा दिया है।

दरअसल यमन के राष्ट्रपति मोहम्मद अल-अलीमी ने दो दिन पहले ही यमन की जेल में बंद केरल की नर्स निमिषा प्रिया को फांसी की सजा की मंजूरी दी थी। यमन कोर्ट ने भारतीय महिला नर्स निमिषा को हत्या का दोषी मनाकर फांसी की सजा सुनाई थी, जिस पर वहां के राष्ट्रपति ने मुहर लगाई थी।

निमिषा २०१७ से यमन की जेल में बंद है। निमिषा को यमन के नागरिक तलाल एब्दो महदी की हत्या का दोषी माना गया था। निमिषा पर आरोप थे कि उन्होंने महदी के पास जमा अपना पासपोर्ट पाने के लिए उन्हें बेहोशी के इंजेक्शन दिए लेकिन इन इंजेक्शन की वजह से महदी की मौत हो गई। केरल के पलक्कड़ निवासी नर्स निमिषा अपने पति और बेटी के साथ पिछले करीब एक दशक से यमन में काम कर रही थीं।

यमन कोर्ट ने भारतीय महिला निमिषा को हत्या का दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इस मामले में दोषी नर्स की मां ने यमन जाने की गुहार लगाकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिका में दावा किया गया था कि महदी ने नर्स को शारीरिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया था। उसका पासपोर्ट अपने कब्जे में ले लिया था।

चुनाव की घोषणा से पहले ही गरमाया राष्ट्रीय राजधानी का राजनीतिक माहौल

भाजपा के हिंदुत्व पर केजरीवाल का कब्जा ● भाजपा राम के सहारे तो केजरीवाल पुजारियों के सहारे

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मी शुरू हो गई है। राजधानी में इस साल फरवरी में चुनाव होने हैं। अभी चुनाव की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक पार्टियों ने चौसर बिछानी शुरू कर दी है। दिल्ली चुनावों के लिए अभी तक सबसे बड़ा दांव आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने खेला है। मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना, बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य योजना संजीवनी के बाद अब हिंदुओं और सिखों को साधने के लिए पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा की है। इसके तहत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को उनकी सरकार १८ हजार रुपये प्रतिमाह सम्मान राशि देगी। केजरीवाल के इस कदम को लेकर कहा जा रहा है कि भाजपा के हिंदुत्व पर केजरीवाल ने कब्जा कर लिया है।

गौरतलब है कि अभी तक भाजपा भगवान राम के सहारे चुनाव लड़ती रही है। ऐसे में भाजपा को उसी की भाषा में जवाब देने के लिए केजरीवाल ने भगवान की सेवा करने वाले पुजारियों को अपना सहारा बनाने की ओर कदम बढ़ा दिया है। अब देखना यह है कि चुनावी मैदान में किसी रणनीति भारी पड़ती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव इसलिए बड़ा अहम होने जा रहा है, क्योंकि दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी आप के कई बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में रहे। खुद पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल कथित दिल्ली शराब घोटाले में करीब पांच महीने जेल में रहे। इस चुनाव में आप दिल्ली में जीत का चौका लगाने चाहेगी तो भाजपा भी दशकों बाद दिल्ली में वापसी के लिए प्रयास करेगी। पिछले दो बार से खाता न खोलने वाली कांग्रेस ने भी इस बार बड़े चेहरों को चुनाव मैदान में उतारकर कड़ी टक्कर देने की कोशिश करेगी।

हिंदुत्व की पिच पर फ्रंट फुट पर खेल रहे केजरी

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद हिंदुत्व की पिच पर फ्रंट फुट पर खेल रहे हैं। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी के बगल में जो खाली कुर्सी रखी गई है, उसे लेकर यह कहना कि जिस तरह भरत ने १४ साल तक श्री राम की खड़ाऊं रखकर अयोध्या का राजकाज संभाला, इसी तरह आतिशी भी दिल्ली में सरकार चलाएंगी, इसे भी आम आदमी पार्टी ने राम से जोड़ा है। केजरीवाल जब-जब जेल से बाहर आए हैं तब-तब उन्होंने पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ हनुमान मंदिर में हाजिरी लगाई है और वह लगातार अपनी सभाओं में कहते रहे हैं कि उनके ऊपर हनुमान और भगवान राम की कृपा है।

हिंदू नेता की छवि बनाने की कोशिश

पिछले कुछ सालों के घटनाक्रम को देखें तो यह समझ में आता है कि अरविंद केजरीवाल ने हिंदू नेता की छवि बनाने की कोशिश की है। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हमारे सामने हैं जब केजरीवाल और उनकी सरकार के मंत्रियों और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने राम, हिंदुत्व और राम राज्य की बात की है।

रणधीर वर्मा का शहादत दिवस आज, राज्यपाल देंगे श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : जांबाज पुलिस अधीक्षक शहीद रणधीर वर्मा को उनके ३४वें शहादत दिवस पर शुक्रवार को कोयलांचल के कोनेकोने से आई कृतज्ञ जनता भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। शहादत दिवस पर रणधीर वर्मा चौक पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार के साथ ही राज्यसभा के सदस्य दीपक प्रकाश भाग लेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो करेंगे। दीपक प्रकाश ३ जनवरी को प्रात: गंगा दामोदर एक्सप्रेस से धनबाद आएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत संगीमय श्रद्धांजलि से होगी।

रणधीर वर्मा मेमोरियल सोसाइटी के अध्यक्ष किशोर कुमार ने बताया कि शहादत दिवस कार्यक्रम के लिए तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। प्रतिमा स्थल का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के कार्य पूरे कराए जा चुके हैं। प्रतिमा स्थल पर इस बार फैंसी लाइटें भी लगवाई गई हैं, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही हैं। प्रतिमा स्थल पर ऐसी सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है, जिन पर पर्यावरण प्रदूषण का असर नहीं होना है।

धनबाद नगर निगम से आग्रह किया गया है कि वह स्मारक स्थल की मौजूदा स्थिति बहाल रखने के लिए उचित प्रबंध करे। जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कार्य राज्यसभा के सदस्य दीपक प्रकाश के सांसद निधि से कराया गया है। सन् १९९४ में निर्मित प्रतिमा स्थल का ढांचा जर्जर हो चुका था। सड़क लगातार ऊंचा होने जाने के कारण प्रतिमा स्थल सड़क के तल से नीचे जा चुका था। उसे कोई डेढ़ फीट ऊंचा किया गया है। शहीद की प्रतिमा का रंग बदलकर पुरानी स्थिति बहाल की गई है।

राज्यपाल के आगमन को ले जिला प्रशासन रेस

धनबाद (कासं) : झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ३ जनवरी को धनबाद दौरे पर रहेंगे। वे शहीद रणधीर प्रसाद वर्मा के ३४वें शहादत दिवस पर आयोजित संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसे लेकर धनबाद प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा और एसडीएम ने रणधीर वर्मा चौक स्थित श्रद्धांजलि सभा स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने रणधीर वर्मा मेमोरियल सोसाइटी के पदाधिकारियों से कार्यक्रम की तैयारियों का विवरण लिया। एडीएम ने बताया कि कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था और राज्यपाल की सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम सुबह १० बजे से शुरू होगा, जिसमें कलाकार अपनी प्रस्तुति के जरिए शहीद को श्रद्धांजलि देंगे। राज्यपाल संतोष गंगवार के कार्यक्रम स्थल पर ११ बजे पहुंचने की संभावना है।

कार्यक्रम के दौरान कोर्ट मोड़ पर वाहनों की आवाजाही को करीब दो घंटे के लिए रोका जाएगा। प्रशासन ने लोगों से सहयोग की अपील की है। एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर सभी तैयारियों की समीक्षा कर ली गई है। राज्यपाल के आगमन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा और व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया है। धनबाद प्रशासन राज्यपाल के इस दौरे को लेकर हर स्तर पर तैयारी कर रहा है ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजन कराने का निर्देश

धनबाद (कासं) : गुरुवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में सिद्धोकान्हो कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ के निदेशक पर्षद की बैठक समाहरणालय के सभाकक्ष में हुई। बैठक में सदस्यता प्रदान करने पर विचार, विभाग द्वारा स्वीकृत कार्य योजना के तहत जमीन की उपलब्धता, जिला सहकारी संघ कार्यालय के लिए स्थान आरक्षित करने, कार्यालय संचालन के लिए प्रोफेशनल मैन पावर (एमबी), कंप्यूटर ऑपरेटर एवं लेखा संधारण के लिए वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी को लेखा पदाधिकारी के रूप में नामित करने, जिला सहकारी संघ कार्यालय के संचालन के लिए एक सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित करने, जिला स्तरीय कार्यशाला के आयोजन के लिए कार्यक्रम निर्धारित करने, वित्तीय वर्ष २०२५२६ को जिलावार कार्य योजना का प्रस्ताव भेजने समेत विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

इस दौरान उपायुक्त ने सभी सक्षम पैक्सोंएमपीसीएस का सदस्य बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने को निर्देशित किया गया। साथ ही जिला मुख्यालय के आसपास पांच एकड़ जमीन की उपलब्धता को गोविंदपुर अंचलाधिकारी के साथ क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए जिला सहकारिता पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। वहीं जिला सहकारिता संघ कार्यालय के लिए कंबाइंड बिल्डिंग स्थित पूर्व उप विकास आयुक्त कार्यालय में कमरा आवंटन करने का आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

इसके अलावा कार्यालय संचालन को प्रोफेशनल मैन पावर (एमबीए) कंप्यूटर ऑपरेटर एवं लेखा संधारण के लिए वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी को लेखा पदाधिकारी के रूप में नामित करने का निर्देशित किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित करने का निर्देशत दिया। बैठक में डीएफओ विकास पालीवाल, जिला सहकारिता पदाधिकारी वेद प्रकाश, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश बाउरी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सह जिला कल्याण पदाधिकारी नियाज अहमद, विधायक प्रतिनिधि, पैक्स प्रतिनिधि समेत अन्य मौजूद रहें।

खंडहरनुमा घर में मिला अधेड़ महिला का शव

धनसार (ससे) : अनुग्रह नगर धनसार टांड़ी स्थित एक खंडहरनुमा मकान में गुरुवार को महावीर नगर धनसार निवासी ५० वर्षीय सरस्वती देवी का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक के कपड़े बिखरे और अस्त व्यस्त देख गए। स्वजनों ने इसके साथ दुष्कर्म करने के बाद हत्या करने की आशंका जतायी। इस दौरान धनसार के लोगों ने जमकर बवाल किया। सूचना पाकर धनसार पुलिस शव का पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया गया। इस घटना के बाद महावीर नगर के लोगों में आक्रोश है। स्वजनों व धनसार के लोगों ने महिला की हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग करने की मांग पर डटे रहे। मृतका के पुत्र शुकरा, मंगरा व मनोज भुईयां ने बताया की बुधवार की रात करीब आठ बजे वह घर से कम्बल लेने की बात कह घर से निकला था। लेकिन वह रात भर घर नहीं पहुंची। सुबह में सूचना मिली कि उसकी मां का शव खंडहरनुमा एक मकान में पड़ा हुआ है। जब वहां पहुंचा तो देखा कि उसकी मां का शव रहस्यमय परिस्थिति में जमीन पर पड़ा हुआ है। उसके कपड़े बिखरे हुए हैं। वहीं दीवार पर खून के छींटे भी पड़े हुए हैं। इधर, शव की सूचना पाकर वहां लोगों की भीड़ जुट गई। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां इस महिला का शव मिला है। उसके थोड़ी दूर पर ही अवैध महुआ शराब की बिक्री होती है। संभवत: यह महिला ने रात में यहां शराब पी थी। इसके बाद इसके साथ अनहोनी की घटना घट गई।

महिला का शव मिला है। इसके साथ जो भी घटना घटी है। इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा। फिलहाल उसके स्वजन लिखित शिकायत नहीं की है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई होगी।

बरवाअड्डा में दो पक्षों में मारपीट, 10 घायल

धनबाद (कासं) : बरवाअड्डा थाना क्षेत्र की मंडल बस्ती में गुरुवार की दोपहर जमीन पर पिलर उठाने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। तू्तू, मैंमैं से शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे हिंसक रूप लिया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर ईंट-पत्थर चले, जिसमें करीब १० लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज एसएनएमएमसीएच में चल रहा है। घटना के बाद बस्ती में अफरातफरी मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, मंडल बस्ती का एक परिवार घर निर्माण के लिए पिलर उठवाने का कार्य करवा रहा था। उसके पड़ोसी ने पिलर उठाने से मना किया, जिससे विवाद शुरू होया और पड़ोसी ने अपने परिवार के साथ ईंट, पत्थर से हमला कर दिया। मारपीट में १० से अधिक लोगों को चोटें आई हैं। ग्रामीणों की सूचना पर बरवाअड्डा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। एसएनएमएमसीएच में इलाजरत घायलों में कईयों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

कतरास में निकली निशान यात्रा

कतरास (ससे) : बाबा खाटू श्याम जी के सुमीरन में संघ का तृतीय महोत्सव पर निशान यात्रा सूर्य मंदिर से निकल कर गुजराती धर्मशाला कतरास पहुंची, जिसमें बड़ी संख्या में खाटू श्याम के भक्त शामिल हुए। शाम में ५६ भोग का महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। तृतीय महोत्सव के अवसर पर बाबा खाटू श्याम के सुमीरन में देश के नामी भजन राजस्थान से गायिका साक्षी अपने भजन से खाटू श्याम के भक्तों का मनमोहक भजन रात्रि में प्रस्तुत करेंगी।

मौके पर लोगों ने बताया कि बाबा खाटू श्याम भगवान कृष्ण के ही अवतार माने गए हैं। उनकी सुमीरन से हारे हुए का कल्याण करते हैं। खाटू श्याम जी के सुमिरन हर घर में हो और हर घर का कल्याण हो। धर्म का प्रचार हो इसके लिए महोत्सव का आयोजन में बड़ी संख्या में बाबा खाटू श्याम के भक्त शामिल हुए हैं। मौके पर पंडित शास्त्री अजय शर्मा, किशोरी गुप्ता, धीरज शर्मा, उदय वर्मा, रॉबिन पाल आदि लोग मौजूद थे।

माउंट आबू से ब्रह्मकुमारी पहुंची पहला कदम

धनबाद (कासं) : गुरुवार को नारायणी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की विशेष स्कूल पहला कदम में माउंट आबू से सूर्यप्रकाश व उनकी टीम ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उदेश्य दिव्यांगों को आंतरिक रूप से सशक्त एवं संरक्षित करना है। दिव्यांगों सम्मानित किया। ब्रम्हा कुमारी की टीम ने भी अपने स्मृति चिन्ह देकर सचिव को सम्मानित किया। सभी प्रतियोगिता में विजयी दिव्यांग बच्चों को

ब्रम्हा कुमारी, बीके सूर्यप्रकाश तथा उनकी टीम का आगमन हुआ। टीम ने दिव्यांग समानता, संरक्षण एवं सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत एक कार्यक्रम करवाया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि सत्कार एवं दीप प्रज्वलन से की गई। कार्यक्रम में परमपिता परमेश्वर् के प्रति लोगों को जागरूक कर आत्मा और परमात्मा के बीच आपसी सम्बन्ध की वास्तविक समझ को समझाया गया। बीके सहानुभूति की नहीं, बल्कि अवसर की आवश्यकता है। आज दिव्यांग बच्चों के बीच चित्र चरित्र, प्रतियोगिता, गुणों पर आधारित सांप सीढ़ी खेल और कोटेशन प्रतियोगिता भी कराई गई। सचिव अनिता अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम से बच्चों में प्रेरणा, सकारात्मक सोच का प्रभाव के साथ साथ ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। सचिव अनिता अग्रवाल ने शॉल ओढ़ाकर और तुलसी पौधा देकर उन्हें पुरस्कार दे कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिल कर नृत्य किया। सभी बच्चों को प्रसाद व फल की सौगात दी गई।

मोक्ष वाहन व एंबुलेंस सेवा की शुरुआत

धनबाद (कासं) : गुरुवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी धनबाद में दो मोक्ष वाहन और एक एंबुलेंस सेवा बहाल की गई। जिसका विधिवत पूजा करते हुए चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह एवं सचिव रविन्द्र नाथ ठाकुर ने नारियल फोड़कर अधीक्षक डॉ. संजय चौरसिया एसएनएमएमसीएच से वार्ता करते हुए कुछ सुझाव आदान-प्रदान किया। वार्ता के दौरान संयुक्त सचिव दिलीप कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष श्वेतांबरा पाठक, नोडल पदाधिकारी वाहन देवेन्द्र कुमार, अनिल

शुभारंभ किया। इस मौके पर चेयरमैन सलाहकार कुमार मधुरेन्द्र सिंह, कार्यपालक दंडाधिकारी एल.बी.किशोर नाथ शाहदेव व संयुक्त सचिव दिलीप कुमार सिंह मौजूद थे। इसके उपरांत अधीक्षक एसएनएमएमसीएच, चेयरमैन भारतीय रेडक्रास समिति कौशलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। भगत व लीला मांजी उपस्थित थे। अधीक्षक एसएनएमएमसीएच धनबाद से तीनों चालकों निर्मल कुमार गोराई, विजय कुमार व भगत कृष्ण कुमार वर्मा का परिचय कराया गया डाक्टर सुरेन्द्र प्रसाद व हरेंद्र कुमार एसएनएमएमसीएच ने तीनों चालकों का नंबर लेकर उनके संबंध में विस्तृत जानकार लेने के बाद बैठक संपन्न हुई।

कार्यालय सहायक के निधन पर शोक सभा

धनबाद (कासं) : गुरुनानक कॉलेज धनबाद के भूदा कैम्पस के रुसा सेमिनार हॉल में सेवा निवृत्त कार्यालय सहायक प्रमुख, चंद्रिका सिंह के आकस्मिक निधन पर गुरुवार की दोपहर २:३० बजे एक शोक सभा का आयोजन किया गया। कॉलेज प्रशासन, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने गहरे दुख और संवेदना के साथ मौन धारण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

चन्द्रिका सिंह का निधन १ जनवरी २०२५ की रात गया। उनके पैतृक आवास में हुआ। उन्होंने वर्ष १९७६ में कॉलेज में सेवा योगदान दिया एवं अपने कार्यकाल का सफलतापूर्वक निर्वहन कर वर्ष २०१० में सेवा निवृत्त हुए। वे सामाजिक गतिविधियों में भी उत्साहपूर्वक सक्रिय भूमिका निभाते रहे। उक्त सभा में प्रोफेसर इंचार्ज अमरजीत सिंह (भूदा कैम्पस), प्रोफेसर इन चार्ज प्रो. डॉ. रंजना दास (बैंक मोड़ कैम्पस), डॉ मीना माल्खंडी, प्रो दीपक कुमार, प्रो. संजय सिन्हा, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. सोनू प्रसाद यादव, प्रो. दलजीत सिंह, प्रो. साधना सिंह, प्रो. पीयूष अग्रवाल, प्रो. पुष्पा तिवारी, किरण सिंह, नुसरत् परवीन, कैप्टन संजय सिंह, साधन मिश्रा एवं अन्य शिक्षकेत्तर कर्मी मौजूद थे।

सर्वधर्म सामूहिक विवाह की तैयारियों में जुटे सदस्य

धनबाद (कासं) : गुरुवार को सर्वधर्म सामूहिक विवाह समिति सिंह ने बताया कि गोल्फ ग्राउंड धनबाद में १५ जनवरी को होने रजिस्ट्रेशन फॉर्म निकल चुके हैं। फॉर्म जमा करने की अंतिम

की बैठक हीरापुर स्थित वेडिंग विल्स मैरेज गार्डन में हुई। जिसमे समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार वाले सामूहिक विवाह की तैयारियां जोरों से की जा रही है। अभी तक कुल ९० तिथि ८ जनवरी है। श्री सिंह ने बताया कि इस वर्ष सामूहिक विवाह का ११वां वर्ष है। यदि कोई इच्छुक नागरिकगण को कन्या दान करने की चाहत है, तो वे समिति के अध्यक्ष प्रदीप सिंह से सम्पर्क कर कन्यादान का सौभाग्य प्राप्त कर सकते हैं। इस संदर्भ में संपर्क कर जानकारी लें सकते हैं। समिति के उपाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद तिवारी ने बताया कि ११ जनवरी को भूमि पूजन के साथ साथ सभी जोड़ों को शादी का जोड़ा दिया जाएगा। सामूहिक विवाह में (बारातियों व शरातियों) १० हजार लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है।

इस विवाह समारोह में धनबाद के सभी सामजिक संस्थाएं, समाज तथा राजनीति लोगों को न्योता दिया जा रहा है। बैठक में समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्य और महिला विंग की सभी सदस्याएं मौजूद थीं।

झारखंड में पहली बार किन्नरों का महाअधिवेशन शुरू

धनबाद (कासं) : धनबाद में किन्नरों के अधिवेशन की शुरुआत गुरुवार से हो गया। जो १० जनवरी तक चलेगा। अधिवेशन में किन्नरों के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष छम छम देवी पहुंची तो उपस्थित हजारों किन्नरों ने उनका भव्य स्वागत किया और नाच गान करते हुए उन्हें मंडप तक लाया। इस मौके पर सिलीगुड़ी से आई अलाव्या नायक ने कहा कि झारखंड में पहली बार किन्नरों का ये महाकुंभ धनबाद में होने जा रहा है। जिसकी शुरुआत झारखंड प्रदेश की अध्यक्ष छम छम देवी अध्यक्ष को मंडप में पहुंचते ही शुरू हो गया। अभी किन्नरों का आना जारी है। संभवत: कल तक सभी किन्नर यहां पहुंच जाएंगे और कार्यक्रम की आगाज हो जाएगा। प्रथम दिवस के कार्यक्रम में अलाव्या नायक सिलीगुड़ी, बबीता नायक बोकारो, अरुणा नायक रामगढ़, सीमा नायक इंदौर, जकी नायक, प्रेमा नायक, छोटकी नायक, ललन नायक पटना, मुन्नी नायक बेरमो, ज्योति नायक, सांवरिया, गीता नायक, निर्मला किन्नर, श्वेता किन्नर, रेखा किन्नर आदि शामिल थे।

स्वास्थ्य केंद्र में लगा बंध्याकरण शिविर

गोविंदपुर (ससे) : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोविंदपुर में गुरुवार को बंध्याकरण शिविर लगाया गया। इसमें डॉ अपूर्वा दत्ता एवं डॉ विशेश्वर कुमार ने १५ महिलाओं का बंध्याकरण किया। एक का सिजेरियन भी हुआ। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विशेश्वर कुमार ने बताया कि केंद्र में हर गुरुवार को बंध्याकरण शिविर लगाया जा रहा है।

बंध्याकरण करने वाली महिला को २ हजार की प्रोत्साहन राशि उनके बैंक खाते में दी जा रही है तथा सहिया को प्रति बंध्याकरण ३०० दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पुरुष नसबंदी में प्रोत्साहन राशि ४ हजार रुपए दी जा रही है। उन्होंने कहा कि दिसंबर में ४६ बंध्याकरण किया गया। इसमें ५ सिजेरियन था। एक पुरुष नसबंदी की गई। उन्होंने ग्रामीणों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हर गुरुवार को लगाए जाने वाले शिविर में भाग लेकर सरकार की योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

केके इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रदर्शनी का उद्घाटन

गोविंदपुर (ससे) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड के तीन दिवसीय रजत जयंती प्रदेश अधिवेशन की पूर्व संध्या गुरुवार को केके इंजीनियरिंग कॉलेज, नेरो परिसर में प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह पूर्वक हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर के निदेशक डॉ अरविंद कुमार चौबे ने कहा कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण में विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका है छात्र शक्ति राष्ट्र की बहुत बड़ी शक्ति है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का उद्घोष ज्ञान शील और एकता है।

भारत की ३५ प्रतिशत आबादी युवा वर्ग की है और यहीं पर निर्माण और परिवर्तन कर सकता है। उन्होंने कहा कि १९४८ में स्थापित विद्यार्थी परिषद आज विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। इसका लगातार विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस अधिवेशन से इसका और विस्तार होगा तथा विद्यार्थियों को नई दिशा मिलेगी। डॉ चौबे ने कहां की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में २०२७ तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्टार्टअप योजना से जुड़ने की अपील की। कहा कि इस योजना से अब तक देश के १५ लाख लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने छात्रों से प्रधानमंत्री की योजना से जुड़ने की अपील की। इस अवसर पर बिरसा प्रौद्योगिकी संस्थान सिंदरी के निदेशक डॉ पंकज कुमार सिंह ने कहां कि विद्यार्थी परिषद का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण है और राष्ट्र निर्माण कब होगा जब विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण होगा। आयोजन के स्वागत समिति अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रुपेश सिन्हा ने सभी का स्वागत किया और कहा कि आज विद्यार्थी परिषद की बदौलत ही वह इस स्थान तक पहुंचे हैं। परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ विनोद एक्का ने अपने संबोधन में झारखंड में विद्यार्थी परिषद कि अब तक की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि सभी २४ जिलों में संगठन का लगातार विस्तार हो रहा है। अतिथियों ने प्रदर्शनी का उद्घाटन दीप जलाकर किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर प्रदर्शनी मंडप में अतिथियों ने विभिन्न चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसमें विद्यार्थी परिषद की विभिन्न गतिविधियां प्रदर्शित की गई है।

महर्षि दयानंद सरस्वती, नीलांबर पीतांबर, दिवा सोरेन, पांडे गणपत राय, राम नारायण सिंह, पोटो सरदार, जनजातीय गौरव भगवान बिरसा मुंडा, रघुनाथ महतो, सिद्धो मुर्मू कान्हू मुर्मू, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, वीर बुधु भगत, बाबा तिलका मांझी, तेलंगा खड़िया, गंगा नारायण सिंह, शेख भिखारी आदि की प्रदर्शनी लगाई गई है। मौके पर के के ग्रुप के निदेशक रिची रवि, परिषद की राष्ट्रीय सदस्य दिशा दिव्या, गोविंद नायक, दिनेश सोलंकी, क्षमा शर्मा अंशु तिवारी, विनोद कुमार, महिला मोर्चा की प्रदेश कार्य समिति सदस्य वरीय अधिवक्ता जया कुमार, भाजपा नेता मुकेश पांडेय, अरुण राय, सुनील कुमार पांडेय, अजय सिंह, मदन तिवारी, अमित ओझा, अंकित सिंह, साक्षी कुमारी, विक्की ठाकुर, कोमल कुमारी, अखिलेश सिंह, सुरजीत साहा आदि मौजूद थे।

सैकड़ों नम आंखों ने दी गुरविंदर को अंतिम विदाई

रांची (ससे) : अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष, रेलवे यात्री सुविधा समिति के सदस्य और सिख समाज के विभिन्न धार्मिकआध्यात्मिक संगठनों से जुड़े समाजसेवी सरदार गुरविंदर सिंह सेठी का आज रांची हरमू मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार किया गया। उनकी अंतिम यात्रा पटेल चौक आवास से मेन रोड गुरूद्वारा होते हुए भाजपा कार्यालय पहुंची जहां भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र राय समेत विभिन्न पदाधिकारियों ने पार्टी का झंडा और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

गुरविंदर सिंह सेठी के बेटे अस्मित सेठी ने मुखाग्नि दी। लगभग १२.३० बजे अंतिम यात्रा हरमू मुक्ति धाम पहुंची जहां पूरे विधिविधान से अंतिम संस्कार किया गया। जहां एआईएसएमजेडब्ल्यूए के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया, अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति मथारू, भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व विधायक समरी लाल, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी, प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले, कुलवंत सिंह बंटी, कुणाल आजमानी, सतबीर सिंह सोमू, बीर खालसा दल के प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र सिंह रिंकू, चंचल भाटिया, परमजीत काले, राजू मारवाह, इंद्रजीत सिंह कपूर, सतिंदर पाल सिंह बंटी, युवराज सिंह, गौरव कुमार, नानक सिंह सहित विभिन्न जिलों से आए लोग शामिल थे।

शराब के नशे में बिजली के तारों को खाट समझकर लेट गया शख्स

अमरावती (ईएमएस) : आंध्र प्रदेश के मन्यम जिले के एम. सिंगीपुरम गांव में एक हैरान करने वाली घटना घटी। शराब के नशे में व्यक्ति बिजली के खंभे पर चढ़ गया और ऊपर पहुंचकर बिजली के तारों को खाट समझकर लेट गया। इस खतरनाक स्थिति ने न केवल शराबी व्यक्ति के जीवन को संकट में डाला बल्कि गांववासियों को भी डरा दिया। घटना के वक्त व्यक्ति पूरी तरह से नशे में था, इसकारण लोगों के मना करने के बाद भी वहां खंभे पर चढ़ गया। जैसे ही वह तारों के पास पहुंचा, ग्रामीणों ने बिजली की आपूर्ति तुरंत बंद करवा दी ताकि शराबी शख्स को करंट लगने से बचाया जा सके। इसके बाद, ग्रामीणों ने सूझबूझ से काम लेकर तारों से सुरक्षित उतारने की योजना बनाई।

व्यक्ति की हालत नाजुक थी, क्योंकि वह तारों पर लेटा हुआ था और थोड़ी सी भी गलती उसकी जान ले सकती थी। गांव के साहसी लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद शराबी को सुरक्षित उतार लिया। घटना के दौरान किसी ने इसका वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में स्थानीय लोगों की त्वरित और साहसी कार्रवाई को देखकर लोगों ने उनकी तारीफ की। पुलिस ने घटना को शराब के नशे का परिणाम बताकर कहा कि इसतरह के मामलों को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी की जान को नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन यह शराब की लत के खतरों पर सोचने का मौका देता है।

ब्लडमैन सलूजा ने अपने जन्मदिन पर किया रक्तदान

धनबाद (कासं) : गुरुवार को ब्लड मैन हरबंश सिंह सलूजा ने अपने जन्मदिन के खास मौके पर एक थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे के लिए रक्तदान किया। श्री सलूजा ने अपने जीवन का ५२वां रक्तदान किया। ह्यूमैनिटी सेवियर्स के संस्थापक अध्यक्ष हरबंश सिंह सलूजा विगत १६ वर्षों से रक्तदान के क्षेत्र में सेवा दे रहे हैं। इनके द्वारा अभी तक १५,५७६ यूनिट रक्तदान कराया जा चुका है।

विश्व रिकार्ड धारक हरबंश सिंह सलूजा को उनके द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो के लिए कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं।

श्री सलूजा ने कहा कि समाज के सभी लोगों को अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ या किसी भी तरह की खुशी के मौके पर किसी न किसी रूप में दूसरों को भी खुशियां बांटने का कार्य करना चाहिए। इसी क्रम में आज उसने रक्तदान कर एक मासूम बच्चे को जीवन दान देने की कोशिश की। मेरा मानना है कि अपनी खुशियों में दूसरों को खुशियां बांटना ही सर्वश्रेष्ठ जीवनशैली है।

मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन बीडी मिश्रा, जयप्रकाश द्विवेदी, बोकारो मॉल के राजा जैन, ह्यूमैनिटी सेवियर्स के जयदेव राय एवं अवधेश शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बीजेपी ने पांचाल आत्महत्या केस को लेकर कर्नाटक सरकार को घेरा

बेंगलुरु (ईएमएस) : कर्नाटक में ठेकेदार सचिन पांचाल की खुदकुशी को लेकर बीजेपी और कांग्रेस आमनेसामने आ गई हैं। बीजेपी नेता और विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष चलवाडी नारायणस्वामी ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार सचिन पांचाल के सुसाइड नोट में प्रियांक खड़गे का नाम तीन बार लिया है। बता दें कि प्रियांक खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे हैं और कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं।

नारायणस्वामी ने कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया पर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि सुसाइड नोट में प्रियांक खड़गे का नाम तीन जगह है लेकिन सीएम सबूतों के अभाव का हवाला देकर मंत्री प्रियांक का बचा रहे हैं। नारायणस्वामी ने कहा कि सीएम कह रहे हैं कि सुसाइड नोट में प्रियांक खड़गे का नाम नहीं है, जो कि गलत है। उन्होंने कहा कि सात पन्नों के सुसाइड नोट में मंत्री प्रियांक खड़गे का नाम तीन जगह है। आप दस्तावेज मांग रहे हैं। यह हैं दस्तावेज। हम और क्या पेश करें? वहीं सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि आरोप साबित करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है, इसलिए प्रियांक को मंत्री पद हटाने का सवाल ही नहीं उठता।

नारायणस्वामी ने कहा कि हम जानते हैं कि सीएम सिद्धारमैया के पास प्रियांक खड़गे हटाने की हिम्मत नहीं है क्योंकि मंत्री के पिता मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष हैं। अगर आप प्रियांक को छूते हैं तो वह आपको पद से हटा देंगे। आपको सत्ता खोने का डर है। आप अपने मुख्यमंत्री पद से चिपके हुए हैं। नारायणस्वामी ने दावा किया है अब एफएसएल रिपोर्ट से इस बात की पुष्टि हो गई है कि यह सुसाइड नोट फर्जी नहीं, बल्कि असली है। सिद्धारमैया सरकार को पांचाल की आत्महत्या पर जवाब देना होगा।

निजी बस खड़े ट्रक से टकराई, 45 यात्री घायल

दौसा (ईएमएस) : राजस्थान के दौसा जिले में सुबह दिल्लीमुंबई एक्सप्रेसवे वे पर एक निजी बस ने पहले से आपस में टकराए दो ट्रकों को टक्कर मार दी, जिसमें बस में सवार करीब ४५ यात्री घायल हुए। पुलिस ने बताया कि घने कोहरे के चलते उज्जैन से दिल्ली जा रही श्रृद्धालुआ की बस पहले से दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों से जा टकराई। इससे बस में सवार करीब ४५ यात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि २० से अधिक घायलों को दौसा जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। वहीं चार गंभीर घायलों को जयपुर रेफर किया है। कुछ घायलों को उपचार के लिए नोएडा और दिल्ली भेजा गया है। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना दौसा जिले में दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे पर लाहड़ी का बास के पास हुई। पुलिस ने बताया कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सुबह के समय ज्यादातर यात्री हादसे के समय सो रहे थे।

चोर ने दुकान से नकदी व शराब की बोतलें चुराई

हैदराबाद (ईएमएस) : शराब को लेकर कुछ लोगों की नीयत ऐसी बिगड़ती है कि, इंसान रक्षस बन जाता है। ऐसा ही कुछ तेलंगाना के मेडक जिले में हुआ। जहां एक चोर शराब की दुकान में घुसा था, चोरी करने लेकिन शराब का ढेर देखकर चोर के मुंह में पानी आ गया।

दरअसल, चोर कनकदुर्गा नाम की शराब की दुकान में चोरी करने घुसा और वहां जमकर शराब और बीयर पी। इसके बाद नशे में चुर होकर चोर भूल गया कि वहां यहां चोरी करने आया था। चोर नशे में होश खो बैठा और दुकान में ही सो गया। चोर दुकान की छत की टाइल्स को तोड़कर अंदर घुसा था और फिर चोर से सभी सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ डाले। इसके बाद चोर ने दुकान से कुछ नकदी और शराब की बोतलें चुराई और भागने लगा। तभी उसका मन शराब पीने का हुआ। चोरी का सामान साइड में रखकर चोर ने शराब और बीयर की कुछ बोतलें लीं और उन्हें गटागट पी गया। शराब पीने के बाद चोर होश खो बैठा और बेसुध होकर दुकान में ही सो गया। जब अगली सुबह दुकान का स्टाफ और मालिक पहुंचा, तब उसकी नजर सोते हुए चोर पर पड़ी और उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी।

आगरा कोर्ट में कंगना रनोट पर फैसला 9 को

आगरा (ईएमएस) : बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश की मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनोट गुरूवार को भी आगरा की एमपीएमएलए कोर्ट में पेश नहीं हुई। कंगना के वकील भी पक्ष रखने के लिए नहीं पहुंचे। कोर्ट में बहस पूरी हुई। एडवोकेट और वादी रमाशंकर शर्मा ने कोर्ट में कहा-तीन बार नोटिस मिलने के बाद भी कंगना रनोट कोर्ट में पेश नहीं हुई हैं। उनकी तरफ से उनके वकील भी नहीं पहुंचे। इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि ९ जनवरी को कंगना को कोर्ट में तलब किया जाए। ९ जनवरी को कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी। किसानों और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति अभद्र टिप्पणी के मामले में उन पर राष्ट्रद्रोह का केस लगाने की मांग की गई है।

2 करोड़ रुपए देने की बात कह मुकर गए पाहवा अपनी बात से

नई दिल्ली (ईएमएस) : दिल्ली के पुनीत खुराना सुसाइड का मामला गहराता जा रहा है। इस केस में पुनीत के परिवार ने उनके ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का दावा है कि ससुराल पक्ष वादे से मुकर गया और धमकी दे रहा था, इसके चलते पुनीत मानसिक दबाव में आ गया जिसकी वजह से उसने आत्महत्या कर ली। पुनीत के परिजनों ने १२ अक्टूबर २०२३ की एक वीडियो क्लिप दी है, जिसमें पुनीत और उनके ससुर जगदीश पाहवा बातचीत कर रहे है। वीडियो में जगदीश पाहवा पुनीत से उनकी पत्नी मनिका के नाम पर रजिस्टर्ड घर के बदले २ करोड़ रुपए देने की बात कह रहे हैं, लेकिन बाद में जगदीश पाहवा अपनी बात से मुकर गए। पुनीत के परिवार का दावा है कि उनके पास एक ऑडियो रिकॉर्डिंग भी है, जिसमें ससुर जगदीश पाहवा अपने पहले किए वादे से पलटते हुए सुनाई दे रहे है। परिवार का कहना है कि यह सबूत दर्शाता है कि पुनीत को ससुराल वाले लगातार धमकियां दे रहे थे।

पुनीत के परिजनों ने पुलिस को वीडियो और ऑडियो सौंप दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष की इन हरकतों के चलते पुनीत मानसिक रूप से टूट गया। परिजनों ने मांग की है कि इस मामले की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुनीत के परिवार का कहना है कि पुनीत को उसके ससुराल वाले बारबार धमकियां देते थे। इस मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुनीत के परिजनों द्वारा दिए गए सबूतों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस केस में सभी पहलुओं की गहराई से पड़ताल की जाएगी।

बता दें कि दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके के कल्याण विहार में पुनीत खुराना ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुनीत की शादी २०१६ में मॉडल टाउन में रहने वाली मनिका पाहवा से हुई थी। शुरुआत में सब ठीक था, लेकिन उसके बाद दोनों में विवाद होने लगा। दो साल तक पुनीत मातापिता से अलग पत्नी के साथ रहा था, लेकिन इसके बाद जब दोनों के बीच नहीं बनी तो पुनीत वापस घर आ गया और मनिका अपने मातापिता के घर चली गई। दोनों ने कोर्ट में तलाक का केस दाखिल किया था। पुनीत के परिजनों का आरोप है कि मनिका और उसके घर वालों ने पुनीत को इतना परेशान किया कि उसने अपनी जान दे दी। घटना के बाद पुलिस ने कहा था कि इस मामले में व्यापार में घाटे के एंगल से भी जांच की जा रही है। परिजनों ने घटना को लेकर आरोप लगाया था कि पुनीत ने आखिरी बार पत्नी से फोन पर बात की थी। वहीं पुलिस ने कहा था कि फोन पर बिजनेस को लेकर बात हुई थी।

फर्जी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली (ईएमएस) : दिल्ली पुलिस ने फर्जी तरीके से दस्तावेज बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मामले में २ बांग्लादेशी नागरिकों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। फर्जी दस्तावेज की मदद से बांग्लादेश के नागरिकों के लिए आधार कार्ड और दूसरे दस्तावेज बनवाए जा रहे थे। वसंत कुंज थाना इलाके में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिक बबलू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जो ढाका के दीमरा गांव का रहने वाला है। पुलिस एफआरआरओ की मदद से डिपोर्ट कर रही है। पिछले तीन दिनों में ३० बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा जा चुका है। बांग्लादेश के लोगों को पश्चिम बंगाल और असम बॉर्डर से दिल्ली लाने वाला आरोपी भी पुलिस के हत्थे चढ़ा है। दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर से बांग्लादेश सेल एक्टिव किया है। दो दशक पहले यह सेल बनाया गया था। इसमें उन पुलिसकर्मियों को रखा था, जिन्हें बांग्लादेशी भाषा आती थी। इसकी मदद से अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों को पकड़ने में पुलिस को मदद मिल रही है। सुत्रो के मुताबिक ये सेल दिल्ली पुलिस के हर जिले में मौजूद हैं, जिसे सक्रिय किया गया है, ज्यादातर संदिग्ध पश्चिम बंगाल के अपने पते पुलिस को बताते हैं, जिन्हें वेरिफाई किया जाता है।

मां आशाताई ने भगवान विट्ठल से मांगी मन्नत

मुंबई (ईएमएस) : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मां आशाताई पवार ने पंढरपुर में भगवान विट्ठल के दर्शन किए और मन्नत मांगी की पूरा पवार परिवार दोबारा एक हो जाए। अजीत पवार की मां ने कहा कि भगवान विट्ठल मेरी प्रार्थना सुनेंगे शरद पवार और अजीत पवार फिर साथ आएंगे।

जानकारी के मुताबिक एनसीपी के दोनों गुट अजीत और शरद पवार के कुछ विधायक और नेता भी दोनों एनसीपी पार्टियों के एक होने की मांग कर रहे हैं। एनसीपी नेता और मंत्री नरहरि झिरवल ने कहा कि अजीत पवार की माता ने भगवान से प्रार्थना की कि शरद पवार, अजीत पवार एक साथ आ जाएं। हम भी यही दुआं करते हैं। मैं तो दो तीन दिन में शरद पवार से मिलूंगा और बोलूगा कि आप और अजीत दादा एक हो जाएं पार्टी का मर्जर हो जाए।

वहीं सीनियर एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि मेरे लिए तो शरद पवार आज भी भगवान हैं। हनुमान की तरह सीना चीर के दिखाउ तो शरद पवार मेरे सीने में दिखेंगे। शरद पवार हमारी बात मानेंगे दोनों साथ आएंगे। पटेल ने कहा कि शरद पवार हमारे लिए हमेशा देवता रहे हैं। भले हमारे राजनीतिक रास्ते अलग हों पर उनके प्रति सम्मान है और आगे भी रहेगा। दोनों साथ आते हैं या पवार परिवार साथ आए तो हमें ख़ुशी होगी। अच्छी बात है। मैं भी पवार परिवार का एक हिस्सा ही हूं। इसलिए यह सब एक होंगे तो मुझे भी ख़ुशी होगी।

वहीं, एनसीपी (शरद पवार) पार्टी के प्रवक्ता महेश तपासे ने कहा कि अभी मर्जर की बातें जल्दबाज़ी होगी। शरद पवार ने अगले हफ़्ते मुंबई में एक बैठक बुलाई है। बैठक में इन तमाम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि अजीत पवार, शरद पवार की राह अलगअलग है। हमारी पार्टी में किसी ने मर्जर की कोई बात नहीं की है।

पार्टी की बैठक ८९ जनवरी को मुंबई में है उसमें चर्चा होगी। बता दें कि अजित पवार की मां आशा पवार शुरू से ही शरद पवार और अजित पवार के अलग अलग दल बनाने के खिलाफ थीं। जब सुप्रिया सुले लोकसभा का चुनाव जीती थी तब भी वे अपनी चाची यानी अजित पवार के माताजी से आशीर्वाद लेने उनके घर गई थीं।

सावधानी पूर्वक किया जायेगा यूनियन कार्बाइड के कचरे का विनिष्टीकरण : डॉ. यादव

भोपाल/इन्दौर (ईएमएस) : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यूनियन कार्बाइड के कचरे के विनिष्टीकरण के लिये सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार कार्रवाई की जा रही है। कचरे का निष्पादन जनता की शंकाओं को दूर कर सावधानी पूर्वक किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि जनता के सरोकार प्राथमिकता में सबसे ऊपर है, कचरे के विनिष्टीकरण की कार्रवाई सतत् निगरानी में की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हादसे के ४० वर्ष बीतने के बाद भोपाल में रखा लगभग ३३७ मीट्रिक टन कचरे का हानिकारक प्रभाव खत्म हो गया है। उन्होंने बताया कि बचे हुए शेष कचरे में ६० प्रतिशत से अधिक केवल स्थानीय मिट्टी, ४० प्रतिशत में ७नेपथॉल, रिएक्टर रेसिड्यूज और सेमी प्रोसेस्ड पेस्टीसाइड्स का अपशिष्ट है। इसमें मौजूद ७नेपथॉल रेसीड्यूस मूलतः मिथाइल आइसो साइनेट एवं कीटनाशकों के बनने की प्रक्रिया का सह-उत्पाद होता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका विषैला प्रभाव २५ साल में लगभग समाप्त हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास में मीडिया से चर्चा में ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कचरे के निपटान की प्रक्रिया का केन्द्र सरकार की विभिन्न संस्थाओं जैसे- नीरी (नेशनल इन्वॉयरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट), नागपुर, छत्रळख (नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीटयूट) हैदराबाद, खखउढ (इंडीयन इंस्टीट्यूट ऑफ केमीकल टेक्नोलॉजी) तथा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा समयसमय पर गहन परीक्षण किया गया है। उनके अध्ययन तथा सर्वोच्च न्यायालय को प्रस्तुत प्रतिवेदनों के आधार पर भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय को मार्च, २०१३ में दिये गये निर्देशानुसार केरल कोच्चि स्थित हिंदुस्तान इनसेक्टीसाइड लिमिटेड के १० टन यूनियन कार्बाइड के समान कचरे का परिवहन कर पीथमपुर स्थित ढडऊक्र में ट्रायल रन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी में किया गया। सफल ट्रायल रन का प्रतिवेदन सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ट्रायल रन के निष्कर्षों के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने अप्रैल, २०१४ में यूसीआईएल के १० मीट्रिक टन कचरे का एक और ट्रायल रन भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की निगरानी में टीएसडीएफ पीथमपुर मे किये जाने के निर्देश दिये।

सर्वोच्च न्यायालन ने इस ट्रायल रन की वीडियोग्राफी भी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये थे। निर्देशानुसार अगस्त, २०१५ में ट्रायल रन के बाद केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रायोगिक निपटान की समस्त रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट्स में यह स्पष्ट हुआ कि इस प्रकार के कचरे के निपटान से वातावरण को कोई नुकसान नही हुआ है। उच्चतम न्यायालय ने सभी रिपोर्ट के गहन परीक्षण के पश्चात ही यूसीआईएल के कचरे के निपटान की कार्यवाही को आगे बढ़ाने एवं उन्हें नष्ट करने का निर्देश जारी किया।

कचरे के विनिष्टीकरण की कार्रवाई के संबंध में समयसमय पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये जा रहे निर्देशों के अतिरिक्त मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव ने विस्तृत रूप से तीन बिंदुओं को आधार बनाकर पृथक से जांच कराई। जांच के बिंदु :- आसपास के गांवों में स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण, फसल की उत्पादकता पर प्रभाव और क्षेत्रीय जल स्त्रोतों की गुणवत्ता का परीक्षण थे। तीनों बिंदुओं के परीक्षण में यह पाया गया कि यूसीआईएल कचरे के निष्पादन से किसी भी प्रकार के नकारात्मक परिणाम परिलक्षित नहीं हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कचरे के निपटान की प्रक्रिया को लेकर शासन पूरी तरह से संवेदनशील हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मध्यप्रदेश प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ ही सभी संबंधित टीमों की सतत् निगरानी में विनिष्टीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

पेपर लीक से युवाओं का करियर अंधकारमय

पिछले कुछ समय से प्रतियोगी परीक्षाओं में पर्चाफोड़, धांधली और अपारदर्शिता के आरोप लगातार लगते रहे हैं। इसे लेकर छात्र आंदोलन पर उतरते, अदालतों के दरवाजे खटखटाते देखे जाते हैं। बीता वर्ष शिक्षा के मामले में सबसे अधिक इसीलिए सुर्खियों में रहा कि उस दौरान लगातार परीक्षाओं पर विवाद उठते रहे। चाक-चौबंद माने जाने वाले राज्य सेवा आयोगों की परीक्षाओं में भी पर्चाफोड़ की घटनाएं हुईं। इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में दाखिले के लिए कराई जाने वाली प्रवेश परीक्षाओं पर गंभीर आरोप लगे।

कर्मचारी चयन आयोग, पुलिस भर्ती परीक्षा, यूजीसी की पात्रता परीक्षा आदि में पर्चाफोड़ के मामले सामने आए। कई परीक्षाएं दोबारा करानी पड़ीं। कइयों में पर्चाफोड़ करने वाले गिरोह पकड़े गए। फिर भी स्थिति में सुधार की कोई सूरत नजर नहीं आती। अभी उत्तर प्रदेश राज्य सेवा आयोग की परीक्षा में सामान्यीकरण यानी 'नार्मलाइजेशन' के प्रावधान पर उठा विवाद ठंडा भी नहीं हुआ था कि बिहार राज्य लोक सेवा आयोग ने भी ऐसा ही फैसला सुना दिया, जिसे लेकर छात्र आंदोलन पर उतर आए।

फिर बिहार राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में पर्चाफोड़ के तथ्य उजागर हो गए। इसे लेकर कुछ केंद्रों पर फिर से परीक्षा कराने का फैसला किया गया। मगर छात्रों ने मांग उठा दी कि पूरी परीक्षा दुबारा कराई जाए, ताकि परीक्षा में पारदर्शिता बनी रहे। इस मांग को रोकने के लिए बिहार सरकार ने छात्रों के खिलाफ दमन का रास्ता अख्तियार किया। इस तरह की घटनाओं से प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित कराने वाले संस्थानों और उनकी पूरी परीक्षा प्रक्रिया पर से युवाओं का

भरोसा कमजोर हो चुका है। शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश परीक्षाएं आयोजित कराने के मकसद से राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए का गठन किया गया। दावा किया गया कि प्रवेश परीक्षाओं में होने वाली धांधली को रोका जा सकेगा। मगर अपने गठन के शुरूआती चरण से ही यह एजंसी लगातार विवादों के घेरे में बनी हुई है।

हर वर्ष कहीं न कहीं गलत पर्चा बंट जाने, देर से पर्चा बंटने या पर्चाफोड़ की वजह से विवाद छिड़ जाता है। इसके चलते कई बार शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया में विलंब होता है। बीते वर्ष 'नीट' को लेकर पैदा हुआ विवाद अब तक का सबसे लंबा चला विवाद था। उसकी वजह से विद्यार्थियों का करीब एक पूरा सत्र बर्बाद चला गया। उत्तर प्रदेश राज्य सेवा आयोग में पर्चाफोड़ के कारण परीक्षार्थियों का पूरा एक वर्ष बर्बाद चला गया।

सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने में विलंब के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। ऐसे में, जो भर्ती प्रक्रिया शुरू भी होती है, उसमें पारदर्शिता न होने के कारण लाखों युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना रहता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए युवा बरसों-बरस मेहनत करके तैयारी करते हैं, मगर कुछ चालबाज और शातिर सेंधमारी कर उनमें अयोग्य अभ्यर्थियों को प्रवेश कराने का प्रयास करते हैं, तो योग्य युवाओं की सारी मेहनत बर्बाद चली जाती है।

इसमें धन और समय की बर्बादी के साथ-साथ बहुत सारे युवाओं का पूरा जीवन ही अंधकारमय हो जाता है। परीक्षाओं के टलते रहने या देर से भर्तियां निकलने के कारण जिन युवाओं की अधिकतम आयु सीमा पार हो जाती है, उनके दर्द को कौन महसूस करेगा। यह समझ से परे है कि प्रतियोगी परीक्षाओं पर इतने विवाद के बावजूद सरकारें इनमें पारदर्शिता लाने का कोई भरोसेमंद उपाय क्यों नहीं जुटा पा रही हैं।

साइबर ठगी के नए-नए हथकंडे अपना रहे अपराधी

हाल के वर्षों में सरकार ने डिजिटल लेनदेन को कई स्तरों पर प्रोत्साहित और विस्तृत किया है। तकनीक का लाभ यही है कि वह लोगों के जीवन को सुगम बनाए, लेकिन अगर वह सुरक्षित नहीं है, तो उसके उपयोग को लेकर सवाल उठेंगे। आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं कि ठगी करने वालों ने किस तरह साइबर तंत्र में घुसपैठ कर ली है। रोजाना बहुत सारे लोग इसका शिकार हो रहे हैं। हालत यह है कि न केवल डिजिटल लेनदेन के मामले में तकनीकी फर्जीवाड़े से लोगों को अपने पैसे गंवाने पड़ रहे हैं, बल्कि अब साइबर संजाल भयादोहन के जरिए 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे अपराध के रूप में अपने पांव पसार रहा है। हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए, जिनमें किसी को फोन पर बातों में उलझा कर उसके खाते से पैसे गायब कर दिए गए। दूसरी ओर, फोन पर ही आडियो या वीडियो काल करके जाल में फंसा कर व्यक्ति को 'डिजिटल अरेस्ट' की हालत में ला दिया गया। उसे कई घंटे या दिन तक एक कमरे में कैद रखा गया और उससे पैसे वसूले गए। अकेले इंदौर में बीते एक वर्ष में साइबर ठगी करके वहां के लोगों के साठ करोड़ से ज्यादा रुपए गायब कर दिए गए। वहीं, बिहार में पिछले एक वर्ष में राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर पर 'डिजिटल अरेस्ट' के तीन सौ एक मामले दर्ज किए गए। ऐसी घटनाएं तब भी हो रही हैं, जब आर्थिक लेनदेन में डिजिटल माध्यमों के जोखिम को लेकर एक व्यापक चिंता उभर रही है और 'डिजिटल अरेस्ट' और साइबर ठगी के मसले पर खुद प्रधानमंत्री भी फिक्र जाहिर कर चुके हैं। सवाल है कि जब डिजिटल माध्यमों का विस्तार हो रहा है, बहुत सारे काम इंटरनेट पर निर्भर हो रहे हैं, तब आधुनिक तकनीकी के विकास के चरम दौर में भी साइबर सुरक्षा के आसान रास्ते क्यों नहीं निकाले जा रह सही है कि इसके लिए सरकार की ओर से आम लोगों के बीच जागरूकता फैलाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन जरूरी यह भी है कि आधुनिक तकनीक के ही जरिए इस तरह के अपराधों को अंजाम देने वालों के बचने का कोई रास्ता न छोड़ा जाए।

आज का कार्टून

यह वर्ष देगा भारत को विकास की असीम संभावनायें!

> भारत के लिए नूतन वर्ष 2025 कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियों का बड़ा तोहफ़ा लेन वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतृत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते है। इसी तरह भारत विश्व भर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण का केंद्र भी बन सकता है जहाँ पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के खान-पान, स्थानीय कुटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पढ़े लिखे बढ़िया अंग्रेजी जानने बोलने वाले विद्यमान है, जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने का अनुपम अवसर बन रहे है। अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता, और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन भी तेजी से विकसित किये जा रहे हैं।

डॉ. आरके सिन्हा

2025 तक, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी। भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक, भारत में डिजिटल लेनदेन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक, इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ, साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक, भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है, जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही, भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक, कई संगठन क्लाउड-आधारित समाधानों को अपनाएंगे, जो लचीलापन और कम लागत पर असीमित दक्षता प्रदान करेंगे। नए साल में, डेटा एनालिटिक्स में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी, जो व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेंगे।

आप मानकर चल सकते हैं कि नूतन साल में आईटी पेशेवरों की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तक, यह क्षेत्र और अधिक कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित कर सकता है। सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक, यह प्रयास युवाओं को नए आईटी कौशल सीखने और रोजगार के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

अब मेक इन इंडिया के बारे में तो विश्व भर में सब जानते ही हैं। यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही है। 2025 तक, भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक, भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

नितिन गड़करी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है। 2025 तक, स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता, और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी।

आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक, भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं की पहुंच शामिल है।

भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सेंसर, और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों से किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिल रही है। 2025 तक, कृषि क्षेत्र में अधिक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में तेजी से विकास हो रहा है। यह क्षेत्र किसानों के लिए आय बढ़ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने में मदद कर सकता है। 2025 तक, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में और अधिक निवेश की उम्मीद है। उम्मीद है कि इस साल सेंसर, ड्रोन और जीपीएस जैसी तकनीकों का उपयोग करके किसान अब मिट्टी, पानी और उर्वरक का अधिक कुशलता से उपयोग करले लगेगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार, मौसम की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से तो जोड़ ही रहे हैं। सरकार कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश कर रही है, जिससे नई फसलें, बेहतर कृषि तकनीकें और कीट नियंत्रण के नए तरीके विकसित हो रहे हैं।

स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और कम लागत वाली पारंपरिक अन्नों पर जोर देकर मोदी सरकार ने छोटे किसानों के लिए दूरगामी योजना तैयार की है। यह अबतक का दुर्भाग्य ही रहा है कि हमारी सभी पूर्ववर्ती सरकारों का ध्यान सिंचित भूमि की कृषि पर ही रहा है, जो पिछले 75 वर्षों में और लाखों करोड़ रुपये का व्यय करने और बाँधो और परियोजनाओं के निर्माण में लाखों एकड़ भूमि बर्बाद करने के बाद भी हम मुश्किल से। 30-35 प्रतिशत भूमि ही सिंचित कर पाए है। प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए बरसात पर निर्भर पारंपरिक अन्नों, दलहन और तिलहन की खेती करने वाले छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की चिंता हमने की ही कहाँ? अब आशा करनी चाहिए कि सतत अनुसंधानों और पारंपरिक फसलों के उत्पादन पर सरकार का ध्यान जाने से किसानों को लाभ होगा। साथ ही मिलेट्स का निर्यात बढ़ेगा और उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने के संभावित परिणामों की बात करें तो कृषि उत्पादन में वृद्धि से देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भारत कृषि उत्पादों का निर्यात करके भारी विदेशी मुद्रा अर्जित कर सकता है।

हालांकि, कुछ चुनौतियां भी हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता होगी जैसे, छोटे किसानों को नई तकनीकों और बाजारों तक पहुंच प्रदान करना महत्वपूर्ण है। भूमि और जल संसाधनों का संरक्षण करना आवश्यक है, ताकि कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाया जा सके। इन चुनौतियों का समाधान करके भारत 2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगा सकता है और एक मजबूत और टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित कर सकता है।शिक्षा के लिए भी 2025 बेहद अहम हो सकता है। सरकार ने हाल ही में एक नई शिक्षा नीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है। यह नीति कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, और अनुसंधान पर केंद्रित है। 2025 तक, नई शिक्षा नीति से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। ऑनलाइन शिक्षा का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक, ऑनलाइन शिक्षा और अधिक सुलभ और किफायती होने की उम्मीद है।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत 2025 तक एक आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रगति से देश के विकास को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, सरकार को अभी भी गरीबी, असमानता और पर्यावरणीय चुनौतियों जैसी कई समस्याओं का समाधान करना बाकी है।

लाहौर में भगत सिंह की विरासत को मिली जगह

> भगत सिंह की विरासत को सम्मान देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पाकिस्तान सरकार ने लाहौर के ऐतिहासिक पुंछ हाउस में महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी को समर्पित एक गैलरी का उद्घाटन किया है। यह घटनाक्रम लाहौर के शादमान चौक का नाम सिंह के सम्मान में बदलने की योजना को रद्द किए जाने के ठीक एक महीने बाद हुआ है, क्योंकि कानूनी विरोध के बाद उन्हें आतंकवादी करार दिया गया था। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्य सचिव जाहिद अख्तर जमान ने सोमवार को पुंछ हाउस में भगत सिंह गैलरी का उद्घाटन किया।

अरुणिम भुयान

द नेशन न्यूज वेबसाइट ने बताया कि (पंजाब प्रांत की) मुख्यमंत्री मरियम नवाज के निर्देश पर स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की विरासत को सम्मान देने के लिए पुंछ हाउस में गैलरी की स्थापना की गई है। गैलरी में ऐतिहासिक तस्वीरों, पत्रों और अखबारों की कतरनों के संग्रह के माध्यम से भगत सिंह के स्वतंत्रता संग्राम को दिखाया गया है। यह घटनाक्रम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के शहीद के सम्मान में लाहौर में शादमान चौक का नाम बदलने पर विवाद के एक महीने बाद हुआ है। नवंबर में लाहौर की जिला सरकार द्वारा शादमान चौक का नाम बदलकर भगत सिंह के नाम पर रखने की योजना को एक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी की आपत्तियों के बाद टाल दिया गया था। भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी द्वारा दायर अवमानना याचिका के जवाब में, लाहौर महानगर निगम ने कहा कि नाम बदलने वाली समिति के सदस्य कमोडोर (सेवानिवृत्त) तारिक मजीद ने प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है।

मजीद ने चौक का नाम बदलने पर एक रिपोर्ट में कहा कि आज के संदर्भ में, वह एक आतंकवादी था। उसने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की, और इस अपराध के लिए, उसे दो साथियों के साथ फांसी पर लटका दिया गया। पुंछ हाउस, जहां भगत सिंह गैलरी खोली गई है, पुंछ रियासत से जुड़ा हुआ है, जो ब्रिटिश शासन के दौरान बड़े जम्मू और कश्मीर क्षेत्र का हिस्सा था। इसका निर्माण पुंछ जागीर के शासक राजा मोती सिंह ने 1897 में एक विश्राम गृह के रूप में करवाया था।यह भवन पुंछ के महाराजा के लाहौर दौरे के समय उनके निवास के रूप में कार्य करता था। इसका निर्माण राजघराने, गणमान्य व्यक्तियों और राज्य से जुड़े अधिकारियों के लिए एक शानदार और कार्यात्मक स्थान प्रदान करने के लिए किया गया था। तो, पुंछ हाउस में भगत सिंह गैलरी खोले जाने का क्या महत्व है?

दिसंबर 1928 में, भगत सिंह और उनके एक सहयोगी शिवराम राजगुरु, जो एक छोटे क्रांतिकारी समूह, हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य थे, ने लाहौर में 21 वर्षीय ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की गोली मारकर हत्या कर दी, यह सोचकर कि सॉन्डर्स, जो अभी भी परिवीक्षा पर थे, ब्रिटिश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जेम्स स्कॉट थे, जिनकी वे हत्या करना चाहते थे। उन्होंने स्कॉट को लोकप्रिय भारतीय राष्ट्रवादी नेता लाला लाजपत राय

की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया, क्योंकि उन्होंने लाठीचार्ज का आदेश दिया था जिसमें राय घायल हो गए थे और उसके दो सप्ताह बाद दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई थी। जब सांडर्स मोटरसाइकिल पर पुलिस स्टेशन से बाहर निकले, तो सड़क के दूसरी ओर से निशानेबाज राजगुरु द्वारा चलाई गई एक गोली से वे गिर गए। जब वे घायल अवस्था में थे, तो सिंह ने उन्हें कई बार नजदीक से गोली मारी। सिंह के एक अन्य सहयोगी, चंद्रशेखर आजाद ने एक भारतीय पुलिस हेड कांस्टेबल, चन्नन सिंह को गोली मार दी, जिसने सिंह और राजगुरु के भागने के दौरान उनका पीछा करने का प्रयास किया। सिंह इसके बाद कई महीनों तक भागते रहे, और उस समय कोई भी सजा नहीं हुई। अप्रैल 1929 में फिर से सामने आए, उन्होंने और उनके एक अन्य सहयोगी, बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली में केंद्रीय विधान सभा की कुछ खाली बेंचों पर दो कम तीव्रता वाले घरेलू बम विस्फोट किए। उन्होंने गैलरी से नीचे विधायकों पर पर्चे बरसाए, नारे लगाए और अधिकारियों को उन्हें गिरफ्तार करने दिया।

भगत सिंह और उनके साथियों के खिलाफ लाहौर षडयंत्र केस के रूप में प्रसिद्ध मामला 5 मई, 1930 को पुंछ हाउस में शुरू हुआ। राजगुरु ने न्यायाधिकरण के गठन को ही चुनौती दी और कहा कि यह अवैधानिक रूप से अधिकार क्षेत्र से बाहर है। उनके अनुसार, तत्कालीन ब्रिटिश वायसराय के पास सामान्य कानूनी प्रक्रिया को छोटा करने का अधिकार नहीं था। 1915 के भारत सरकार अधिनियम ने वायसराय को न्यायाधिकरण स्थापित करने के लिए अध्यादेश जारी करने का अधिकार दिया, लेकिन केवल तभी जब परिस्थिति की मांग हो।

7 अक्टूबर, 1930 को, अपने कार्यकाल की समाप्ति से लगभग तीन सप्ताह पहले, न्यायाधिकरण ने अपना फैसला सुनाया, जिसमें भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी की सजा सुनाई गई।

अन्य को आजीवन कारावास और कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। सिंह, राजगुरु और सुखदेव को 24 मार्च, 1931 को फांसी देने का आदेश दिया गया था, लेकिन संभावित विरोध प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए उन्हें तय समय से 11 घंटे पहले 23 मार्च, 1931 को शाम 7-30 बजे लाहौर जेल में फांसी दे दी गई। इसी संदर्भ में लाहौर के पुंछ हाउस में भगत सिंह गैलरी का उद्घाटन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। द नेशन के अनुसार, उद्योग एवं वाणिज्य सचिव एहसान भट्टा के नेतृत्व में ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण पुंछ हाउस को उसकी मूल भव्यता वापस मिली है। संग्रहालय के उद्घाटन में संचार एवं निर्माण, पर्यटन सचिव, पुरातत्व महानिदेशक और अन्य अधिकारी मौजूद थे। उद्योग एवं पर्यटन विभागों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, पर्यटकों को पुंछ हाउस में प्रवेश दिया जाएगा।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों के साथ की बैठक

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त विजया जाधव ने आकांक्षी जिला अंतर्गत नीति आयोग द्वारा निर्धारित विभिन्न आयामों स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि - जल संसाधन, वित्तीय समावेशन - कौशल विकास एवं बुनियादी ढांचा के तहत जिले में किए गए कार्यों/जिले की उपलब्धि को लेकर संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो आदि उपस्थित थे। इस क्रम में उपायुक्त ने विभिन्न कार्यों से संबंधित सक्सेज स्टोरी/गूड वर्क का प्रेजेंटेशन संबंधित विभागों को तैयार करने का निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित

जिला योजना पदाधिकारी राज शर्मा को डीएमएफटी के माध्यम से किए गए बेहतर कार्यों/राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में जिले के बेहतर प्रदर्शन को रेखांकित करते हुए पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) तैयार करने का निर्देश दिया।

समीक्षा क्रम में स्वाथ्य विभाग के तहत संचालित सदर अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) आदि में पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी (सभी तरह के कर्मी) नियमित *बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज करेंगे। जहां बायोमैट्रिक अर्टेंडेंस मशीन नहीं है, उसे अविलंब अधिष्ठापित करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बैठक में उपस्थित सिविल सर्जन डा. ए बी प्रसाद को इसे सुनिश्चित करने को कहा। आमजनों को ससमय बेहतर सेवा सुनिश्चित कराने को लेकर जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है।

वहीं, सभी प्रखंडों में चिन्हित निजी अल्ट्रासाउंड क्लिनिकों के साथ एमओयू के कार्य को सिविल सर्जन को अविलंब पूरा करते हुए उसका प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया। जहां गर्भवती महिलाएं निःशुल्क अल्ट्रासाउंड करा सकेगी। निजी क्लिनिकों का भुगतान विभाग द्वारा सीधे किया जाएगा।

समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी को जिले के किसानों के लिए कृषि बुलेटीन नियमित रूप से जारी करने का निर्देश दिया। उन्हें किसानों के लिए मौसम का पूर्वानुमान, कौन सी फसल लगाएं, कब क्या करें आदि से संबंधित जानकारी साझा करने का निर्देश दिया। वहीं, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता को प्रति सप्ताह आयोजित होने वाले विलेज हेल्थ सैनिटेशन न्यूट्रेशन डे (वीएचएसएनडी) का कैलेंडर तैयार कर उसका प्रचार - प्रसार करने। शिविर का लाभ ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को मिले इसे सुनिश्चित करने को कहा।

इसके अलावा शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, डेयरी - पशुपालन विभाग के तहत विभिन्न योजनाओं की उपलब्धि से संबंधित सक्सेज स्टोरी तैयार करने को कहा। बैठक में कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर जरूरी दिशा - निर्देश दिया। मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, अस्पताल उपाधीक्षक डा. अरविंद कुमार, जिला पशु पालन पदाधिकारी डा. मनोज मणि, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला डाटा प्रबंधक कंचन कुमारी, जिला गव्य पशुपालन पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पीत पत्रकारिता में लग रहा है पंक : इन्द्रजीत

डुमरी (ससे): क्षेत्र के शिक्षाविद, अधिवक्ता एवं वरीष्ठ पत्रकार इन्द्रजीत जायसवाल ने गुरूवार को एक प्रेस बयान जारी कर सभी के लिए नव वर्ष मंगलमय होने की कामना की है। कहा कि हम सब का कर्तव्य बनता है कि भारत को विश्व के सामने सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करें यह कार्य तभी संभव है जब विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका व प्रेस संविधान की अंतर्निहित भावनाओं का सम्मान करते हुए पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें्। ईश्वर ने सभी को इन कुर्सियों पर इसीलिए बैठाया है।

लोकतंत्र में लोकहित सर्वोपरि है क्योंकि देश का वास्तविक मालिक लोक यानि जनता ही है। लेकिन लोक सेवक कहलाने वाले लोगों का लोक यानि जनता ही सेवक बनकर

उनसे याचना करने के लिए बाध्य हैं्। हर व्यक्ति जहां जिस स्थान पर है वहीं से भ्रष्टाचार मिटाने के लिए आत्म चिंतन करें और भारत को सोने की चिड़िया बनाने में अपना-अपना उल्लेखनीय योगदान करें्। तुष्टिकरण की राजनीति से ऊपर उठकर संपूर्ण नागरिक हितों की सुरक्षा पूरी शक्ति के साथ करें भले ही उसमें अपने परिजनों का नुकसान क्यों ना हो। नव वर्ष की सार्थकता तभी होगी जब सभी चेहरों में मुस्कान दिखेगा। विधायिका ईमानदार हो जाए तो कार्यपालिका को हिम्मत नहीं होगा कि वह भ्रष्ट आचरण अपना सके,आज न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है।पत्रकारिता में भी पीत पत्रकारिता में पंक जमाना शुरू कर दिया है।

ऐसे में जनता के पास आंदोलन के सिवाय कोई रास्ता नहीं बचता है। जनता को आंदोलन के लिए बाध्य क्यों होना पड़ता है। इन बिंदुओं पर विचार करने की आवश्यकता है।वोट की राजनीति के लिए रेवड़ियां बांटने वाली विभिन्न पार्टियां सावधान हो जाएं वरना जिनके पैसों से ऐसा किया जा रहा है,वह समुदाय नाराज हो जाएगा और अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो सकता है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सांसद हो विधायक। सभी वेतन व अन्य सुविधाओं के मामले में सदन में एक हो जाते हैं जो दुख का विषय है।

2024 में बोकारो स्टील प्लांट की शानदार सफलता

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने ग्वालियर में क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित ३८वें नेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश भर के विभिन्न उद्योगों की टीमों ने भाग लिया, जिसमें बीएसएल ने अपनी गुणवत्ता और उत्कृष्टता का परचम लहराया।

इस स्पर्धा में बीएसएल की ११ टीमों ने पार एक्सीलेंस अवार्ड (सर्वोच्च सम्मान) प्राप्त किया, जबकि ७ टीमों को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, तीन टीमों को सर्वश्रेष्ठ मॉडल पुरस्कार से भी नवाजा गया, जो उनकी रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल का प्रमाण है।

इस बार, बीएसएल की दो लीन सेफ्टी सर्कल टीमों ने भी पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर भाग लिया और अपने प्रदर्शन से न केवल कंपनी की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, बल्कि गुणवत्ता सुधार की दिशा में बीएसएल के सतत प्रयासों को भी उजागर किया। २०२४ में शामिल सभी टीमों का चयन एक कठिन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया, जिसमें डायरेक्टर-इन-चार्ज क्यूसी ट्रॉफी, चैप्टर सम्मेलन के अंतर्गत केस स्टडी, प्रस्तुतियाँ और गुणवत्ता सर्कल उपकरणों व तकनीकों पर आधारित ज्ञान परीक्षण शामिल थे।

बीएसएल प्रबंधन ने सभी टीमों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और नवाचार के साथ लागत-प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण कार्य करते रहने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में बीएसएल की टीमों की भागीदारी सुनिश्चित करने में बिजनेस एक्सीलेंस विभाग का सराहनीय योगदान रहा।

सीमेंट लदे ट्रक में लगी आग

गिरिडीह (ससे): निमियाघाट थाना क्षेत्र के खांखी जंगल के समीप डुमरी-बेरमो पथ पर बीती रात सीमेंट लदे एक ट्रक में आग लग गई. स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. बताया जाता है कि जेएच ०९ एफ ९१६४ नंबर का ट्रक बोकारो से सीमेंट लाद कर डुमरी की ओर आ रहा था. ट्रक जब खांखी जंगल के समीप से पार कर रहा था, तभी चालक को केबिन के नीचे से आग की लपटें निकलती दिखाई दीं. यह देख चालक ने ट्रक खड़ा को सड़क किनारे कर दिया. जब इसकी जानकारी पास के कुछ लाइन होटल के संचालकों और स्टाफ को हुई तो वे ट्रैक्टर में पानी भरा ड्राम लेकर घटनास्थल पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया.

डकैती की घटना को अंजाम देते दो गिरफ्तार, 5 फरार

गिरिडीह (ससे): धनवार थानान्तर्गत राजा मंदिर के पास स्थित चन्द्रिका पंडित पे० जयदेव पंडित के घर से सात अपराधकर्मियों के गिरोह के द्वारा गृह डकैती की घटना को अंजाम दिया गया था, जिसके संबंध में वादी चन्द्रिका पंडित के लिखित आवेदन के आधार पर धनवार थाना काण्ड सं०-०१/२५ दिनांक ०१.०१.२५ धारा-३१०(२)/३११ बी०एन० एस० के अन्तर्गत ७ अपराधकर्मियों के विरूद्ध काण्ड प्रतिवेदित कराया गया था। काण्ड के त्वरित उद्भेदन / बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह द्वारा अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी एवं श्री रोहित कुमार महतो, पुलिस निरीक्षक, जमुआ अंचल के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। काण्ड के अनुसंधान के क्रम में तकनिकी व

मानवीय सहयोग से त्वरित कार्रवाई करते हुए अप्राथमिकी अभियुक्त रोहित शर्मा उर्फ टुटु विश्वकर्मा, पे० कैरेज कॉलोनी फुटबॉल मैदान, बर्मा माईन्स थाना बर्मा माईन्स, २ आकाश मिश्रा, पे० श्याम कुमार मिश्रा, सा० जादूगोड़ा (हरहरघुटु) कंकिरी मंदिर के पास, थाना जादूगोड़ा, दोनों जिला पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के द्वारा घटना में प्रयुक्त किया गया एक लोडेड देशी पिस्टल एवं एक लोडेड देशी कट्टा तथा घटना कारित करने के दौरान लूटी गई मोबाईल एवं ४०००/- रूपया बरामद किया गया। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों ने अपना स्वीकारोक्ति बयान में अपना-अपना दोष स्वीकार किया और बताया कि धनवार थानान्तर्गत दिनांक ०८.१२.२४ को नकटीटांड़ मोदी के घर में लूट की घटना को भी इन्ही लोग के द्वारा ही अंजाम दिया गया था, जिसके संबंध में धनवार थाना काण्ड सं०-२८६/२४,दिनांक ०८.१२.२४ धारा-३०९ (४) (६) बी०एन०एस० दर्ज किया गया था। काण्ड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है। बरामदगी :- एक देशी पिस्टल दो गोली, एक देशी कटटा एक गोली दो मोबाईल ४०००/- नगद गिरफ्तार अभियुक्त रोहित कुमार शर्मा उर्फ टुटु विश्वकर्मा, पे० प्रमोद पाण्डेय, सा० कैरेज कॉलोनी फुटबॉल ग्राण्ड बर्मा माईन्स, थाना बर्मा माईन्स, जिला पूर्वी सिंहभूम जमशेदपु। आकाश मिश्रा, पे० श्याम कुमार मिश्रा, सा० गाँधी नगर बागबेड़ा, थाना बागबेड़ा, जिला पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) छापामारी दल राजेन्द्र प्रसाद, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, खोरीमहुआ, रोहित कुमार महतो, जमुआ अंचल सत्येन्द्र कुमार पाल, थाना प्रभारी, धनवार मणिकान्त कुमार, थाना प्रभारी, जमुआ थाना धर्मेन्द्र अग्रवाल, थाना प्रभारी, हिरोडीह थाना पु०अ० नि० रविन्द्र कुमार, धनवार थाना स०अ०नि० अशोक मण्डल, धनवार थाना आ० १२६८ जोधन महतो, तकनिकी शाखा, गिरिडीह।

घटिया निर्माण की शिकायत करने पर ठेकेदार ने ग्रामीणों पर दर्ज कराया केस

गोड्डा (ससे): सड़क निर्माण में गड़बड़ी के खिलाफ ग्रामीणों ने सामूहिक आवाज उठाई और इसकी शिकायत की, तो ठेकेदार ने पुलिस की मिलीभगत से ग्रामीणों पर ही झूठा केस दर्ज करवा दिया. मामला गोड्डा जिले की बांझी पंचायत का है. ग्रामीणों वर्षों से जर्जर सड़क का निर्माण करवाने की मांग कर रहे थे. सरकार ने सड़क निर्माण को मंजूरी देते हुए टेंडर निकला. टेंडर फाइनल होने के बाद सड़क का निर्माण शुरू हो गया. लेकिन ठेकेदार प्राक्कलन के अनुसार काम नहीं करवा कर घटिया निर्माण करा रहा था. इस पर ग्रामीणों ने विरोध जताया. कई बार स्थल पर पहुंचकर काम करवा रहे मुंशी से शिकायत की और गुणवत्ता पर ध्यान देने को कहा. इसके बावजूद ठेकेदार ने कोई सुधार नहीं किया उल्टे धमकी देते हुए कहा कि जहां शिकायत करना है करो ऐसा ही काम होगा. तब ग्रामीणों ने विरोध करते हुए काम रुकवा दिया.

इसके बाद ठेकेदार ने रंगदारी मांगे जाने का झूठे आरोप लगाते हुए छह से अधिक ग्रामीणों के खिलाफ थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज करवा दिया. ग्रामीणों का कहना है कि थाना प्रभारी ने भी बिना मामले की जांच किए केस दर्ज कर कार्रवाई आरंभ कर दी है. इस मामले की शिकायत करने को लेकर ग्रामीणों का एक दल जिला मुख्यालय पहुंचकर उपयुक्त से मिला और सारी बातों की जानकारी देते हुए जांच की मांग की.

विधायक के सामने ही युवक ने दाग दीं गोलियां

लखीमपुर खीरी(ईएमएस): पत्नी के साथ नाइट वॉक पर निकले बीजेपी विधायक सौरभ सिंह से विवाद के बाद दो युवकों ने हवाई फायरिंग कर दी। फायरिंग की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। युवकों की पहचान के लिए जुट गई है।

मामला बुधवार देर रात शहर के शिव कालोनी की घटना है। लखीमपुर के कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू रात में खाना खाने के बाद घर के बाहर पत्नी के साथ टहल रहे थे। घर के पास ही सौ मीटर दूरी पर संदिग्ध हालत में खड़े युवकों ने विधायक से विवाद किया।

जिला पशुपालन पदाधिकारी को शोकॉज

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव ने गुरुवार को विभाग द्वारा पशुओं के लिए उपलब्ध कराएं गए अल्ट्रासाउंड मशीन को निष्क्रिय रखने के लिए जिला पशुपालन पदाधिकारी डा. मनोज मणि को शोकॉज किया है। मामला प्रकाश में आने के बाद उपायुक्त ने इस पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। कहा कि पशुओं के बेहतर उपचार में सहयोग के लिए विभाग द्वारा अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराया गया था, ताकि पशु पालकों को सहूलियत हो।

लेकिन, स्थानीय विभागीय पदाधिकारी की लापरवाही/उदासीनता के कारण अल्ट्रासाउंड मशीन आज निष्क्रिय पड़ा है। जिला पशुपालन पदाधिकारी ने मशीन के रख - रखाव/संचालन को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई और ना ही वरीय पदाधिकारियों को इससे अवगत कराया। उन्होंने स्पष्टीकरण का जवाब इस बाबत समर्पित करने का निर्देश दिया है।

कराटे चैम्पियनशिप में भाग लेने देहरादून रवाना

डुमरी (ससे): उत्तराखंड के देहरादून में ४ एवं ५ जनवरी को आयोजित इंटरनेशनल रेन्बूकान कराटे डू चैंपियनशिप २०२५ में भाग लेने के लिए एक जनवरी की रात्रि को झारखंड रेन्बूकान कान कराटे टीम देहरादून एक्सप्रेस से पारसनाथ रेलवे स्टेशन से रवाना हुए्। सभी खिलाड़ी टीम कोच रमेश कुमार महतो टीम मैनेजर युगल महतो महासचिव नारायण महतो अध्यक्ष कृष्णदेव प्रसाद महिला प्रशिक्षक पूनम कुमारी के नेतृत्व में रवाना हुए्।

जो खिलाड़ी रवाना हुए उनमें बालक वर्ग के २० किलो वर्ग में शिवम कुमार २५ किलो वर्ग में प्रिंस कुमार ३० किलो वर्ग में करण कुमार ३५ किलो वर्ग में प्रिंस राज ४० किलो वर्ग में प्रिंस कुमार महतो ४५ किलो वर्ग में अमित कुमार ५० किलो वर्ग में रोहित कुमार यादव ५५ किलो वर्ग में राहुल कुमार ६० किलो वर्ग में राजकुमार बालिका वर्ग के २० किलो वर्ग में किरण कुमारी ३० किलो वर्ग में सपना कुमारी ३५ किलो वर्ग में आंचल कुमारी ४० किलो वर्ग में श्वेता कुमारी ४५ किलो वर्ग में अंजली कुमारी शामिल है।

शिविर में चालक व सह चालक की नेत्र जांच

बोकारो (ससे): नया मोड़ स्थित बस स्टैंड परिसर में आज दिनांक ०२ जनवरी, २०२५ दिन गुरुवार को निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह जांच शिविर ३५वे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत आयोजित किया गया है। यह शिविर बढ़ते सड़क दुर्घटना को देखते हुए उपायुक्त श्रीमती विजय यादव के निर्देश पर लगाया गया है। इस जांच शिविर में कुल ५३५ लोगों का नेत्र जांच सहित अन्य स्वास्थ्य जांच किया गया।

साथ ही शिविर में आने वालों को यातायात नियमों का आवश्यक रूप से पालन करने का भी अपील की गई्। जांच के दौरान जिन लोगों का ब्लड प्रेशर बढ़ा मिलने पर दवा खाने के साथ ही आराम करने को कहा गया।

चिकित्सक डॉ अरविंद

कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत यह नेत्र जांच व अन्य स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया है। इस शिविर में कुल ५३५ बस चालकों सहित अन्य चालकों का जांच की गई्। इस कार्य में पहलाद कुमार ने सहयोग किया। जांच शिविर परिवहन विभाग एवं सिविल सर्जन बोकारो के द्वारा सड़क सुरक्षा माह के तहत नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बस, टोटो, ऑटो चालकों के आंखों की जांच की जा रही हैं्।

नये साल में नीतीश सरकार की विदाई तय है : लालू प्रसाद

पटना (एर्जेसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद के विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में वापस आने के प्रस्ताव पर गोलमोल जवाब दिया. उन्होंने संवाददाताओं से कहा, क्या बोल रहे हैं. राजभवन में नये राज्यपाल के तौर पर आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए नीतीश कुमार से जब लालू प्रसाद के नये प्रस्ताव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए बस इतना ही कहा, 'क्या बोल रहे हैं'.

आरिफ मोहम्मद खान और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ खड़े नीतीश कुमार से जब यह पूछा गया कि क्या राज्य सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी, तो नवनियुक्त राज्यपाल ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, इस तरह के सवाल पूछने का यह सही समय नहीं है. आज खुशी का दिन है.

हमें सिर्फ अच्छी चीजों के बारे में बात करनी चाहिए.

पिछले एक दशक के दौरान कुमार दो बार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दल राजद के साथ गठबंधन कर चुके हैं.

वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पिता लालू यादव की टिप्पणियों पर सफाई देते हुए दावा किया कि राजद सुप्रीमो ने केवल मीडिया की जिज्ञासा को संतुष्ट करने का प्रयास किया था. लालू प्रसाद ने एक टीवी चैनल से कहा था, हमारे दरवाजे (नीतीश के लिए) खुले हैं. उन्हें भी अपने दरवाजे खोल देने चाहिए। इससे दोनों तरफ के लोगों की आवाजाही आसान हो जाएगी.

राजभवन में नए राज्यपाल के तौर पर आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए यादव ने कहा, मैंने पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया है. यादव ने बुधवार को कहा था कि नये साल में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक सरकार (राजग) सरकार की 'विदाई तय है'.

तेजस्वी यादव से जब उनके पिता की टिप्पणी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अगर आप एक ही सवाल लेकर आते रहेंगे तो वह (लालू यादव) क्या करेंगे? उन्होंने जो कुछ भी कहा होगा, उसका उद्देश्य आप पत्रकारों की जिज्ञासा को शांत करना रहा होगा.

आतंकी साधु, पुजारी व अघोरी के वेश धारण कर मेले में प्रवेश कर सकते

प्रयागराज (ईएमएस): कुछ आतंकी संगठनों ने प्रयागराज महाकुंभ-२०२५ को टारगेट करने की कोशिश में है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट ने यूपी के गृह मंत्रालय को एक गोपनीय रिपोर्ट भेजी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खालिस्तानी और पाकिस्तानी आतंकी, प्रॉक्सी नाम से महाकुंभ को टारगेट कर सकते हैं्। उन्होंने अपने स्लीपर सेल को सक्रिय करने का काम भी शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में दावा है कि आतंकी साधु, पुजारी, अघोरी और गेरुआ वस्त्र धारण कर मेले में प्रवेश कर सकते हैं। इसकारण महाकुंभ में सीक्रेट पुलिसकर्मियों को साधुओं के वेश में तैनात किया जा रहा है, ताकि वे मेला क्षेत्र में हर गतिविधियों पर नजर रख सकें्। ये कुंभ मेले में भीड़भाड़ वाले स्थानों पर, अखाड़ा के पंडालों में और संगम तट पर तैनात रहने वाले है। एटीएस से लेकर एनआईए तक सक्रिय रिपोर्ट को गंभीरता से लेकर यूपी गृहमंत्रालय ने अपने सभी विंग को सक्रिय कर दिया है। कुंभ मेला में बम डिस्पोजल स्कॉड और एनआईए की टीमें काम कर रही है। इस अलर्ट के बाद मेला क्षेत्र में प्रवेश करने वाले लोगों की जांच शुरू हो गई है। हर एंट्री पॉइंट पर रजिस्टर लेकर पुलिसकर्मी खड़े हैं्। गाड़ी से मेले में आने वालों के नाम, पता व मोबाइल नंबर दर्ज हो रहे हैं। आधार कार्ड से उनका मिलान हो रहा है।

जिन गाड़ियों पर संदेह हो रहा है, उनकी गहन जांच हो रही है। संदिग्ध गाड़ियों और लोगों की तस्वीरें खींचकर उनका मिलान पुलिस के पास मौजूद डेटाबेस से किया जा रहा है।

रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर मिलने से हड़कंप

कानपुर (ईएमएस): कानपुर के शिवराजपुर इलाके में रेलवे ट्रैक पर पांच किलो का सिलेंडर मिलने से हड़कंप मच गया। सिलेंडर एक बैग में रखा हुआ था और गनीमत ये रही कि यह सिलेंडर खाली था, इससे किसी बड़े हादसे की संभावना टल गई्। बात दें कि कानपुर में रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर मिलने की यह पहली घटना नहीं है। बीते कुछ माह में इसतरह की ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं्। चार महीने पहले कालिंदी एक्सप्रेस के रास्ते में एक सिलेंडर रखकर ट्रेन को रोकने की कोशिश की गई थी। इसतरह की घटनाएं सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बन गई हैं्।

वहीं रेलवे ने घटना की जानकारी मिलते ही ट्रैक की जांच कराई्। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि सिलेंडर ट्रैक पर किसने और क्यों रखा। पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू की है। रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर मिलने की घटनाएं यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

संभल के सपा सांसद पर फिर बुलडोजर एक्शन की तैयारी

संभल,(ईएमएस): सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। सांसद पर फिर बुलडोजर एक्शन की तैयारी की जा रही है। संभल प्रशासन ने सांसद के घर के खिलाफ तीसरा और अंतिम नोटिस भेजा है। नोटिस का जवाब

न मिलने पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। नोटिस का जवाब न मिलने पर ४ जनवरी के बाद सीधे कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने साफ कहा है कि अब और कोई नोटिस जारी नहीं किया जाएगा, सीधी कार्रवाई होगी।

एसडीएम ने बताया कि सांसद को २८ दिसंबर को तीसरा और अंतिम नोटिस भेजा है, जिसके मुताबिक एक सप्ताह का समय दिया है, जिसकी मियाद ४ जनवरी को पूरी हो रही है। यदि इस अवधि में नोटिस का जवाब नहीं मिलता है तो सांसद पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ पुलिस ने पहले हिंसा भड़काने का मुकदमा दर्ज किया था और फिर गाड़ी से संबंधित आदेश की जांच शुरू की थी। इसके बाद बिजली चोरी मामले में सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर १.९१ करोड़ का जुर्माना लगाया था। सांसद के घर की बिजली काट दी गई थी।

इसके अलावा उनके पिता पर भी जूनियर इंजीनियर को धमकाने का मामला दर्ज किया गया था। अधिकारियों की मानें तो सांसद को बगैर नक्शा पास कराए मकान बनाए जाने पर पूर्व में प्रशासन दो नोटिस भेज चुका है। पहले भी सांसद ने घर के बाहर नाली की सीढ़ियों पर बुलडोजर चल चुका है।

आरक्षी की सड़क हादसे में मौत

गोरखपुर,(ईएमएस): झंगहा थाना क्षेत्र में गश्त कर रहे मुख्य आरक्षी कन्हैयालाल सोनकर जो वाराणसी जिले के कचनार गांव के रहने वाले थे उनकी सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। कन्हैया लाल गोबड़ागौर चौराहे पर रात की ड्यूटी कर रहे थे।

जिला परिवहन पदाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह।

समाहरणालय परिसर, गिरिडीह, पिनकोड–815311

ई–मेल :– dto-giridih@jharkhandmail.gov.in

प्रेस विज्ञप्ति

एक मुस्त पथकर बकायेदारों छोटी वाहनों की सूची

एतद द्वारा सभी वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि छोटे वाहनों का एक मुस्त पथकर जमा नहीं किया गया है। वाहनों का पथकर भुगतान किये बिना परिचालन किया जाना दण्डनीय अपराध का विषय है एवं इससे राजकोष की क्षति हो रही है। संबंधित वाहनों का विवरण निम्नवत् है :–

Sl No	Regn No	Vehicle Class	Tax paid upto	15 years OTT period	Tax (Rs.)
1	JH11L1099	3WT_Passsenger	29-04-2023	29-06-2029	5136.0
2	JH11M2808	3WT_Passsenger	04-05-2020	29-06-2029	11611.0
3	JH11N0328	3WT_Passsenger	14-08-2020	12-04-2030	11777.0
4	JH11N7824	3WT_Passsenger	01-06-2021	03-09-2029	9424.0
5	JH11Q1832	3WT_Passsenger	07-01-2024	07-04-2031	5336.0
6	JH11Q5244	3WT_Passsenger	22-03-2023	22-03-2031	6839.0
7	JH11R3052	3WT_Passsenger	20-03-2020	20-09-2031	14793.0
8	JH11R6738	3WT_Passsenger	17-12-2020	17-09-2031	12684.0
9	JH11T5668	3WT_Passsenger	16-02-2023	16-05-2032	8001.0
10	JH11T6353	3WT_Passsenger	06-06-2023	06-03-2032	7284.0
11	JH11T9991	3WT_Passsenger	23-12-2022	23-03-2032	8151.0
12	JH11U6143	3WT_Passsenger	30-01-2019	10-01-2032	19309.0
13	JH11U7970	3WT_Passsenger	17-07-2020	17-04-2032	14690.0
14	JH11V0662	3WT_Passsenger	21-11-2020	21-02-2033	14426.0
15	JH11V2514	3WT_Passsenger	01-05-2020	01-02-2033	16151.0
16	JH11V3426	3WT_Passsenger	16-08-2023	16-02-2033	7568.0
17	JH11V4862	3WT_Passsenger	04-03-2021	04-12-2032	13541.0
18	JH11V8859	3WT_Passsenger	29-01-2023	30-10-2032	8482.0
19	JH11V9177	3WT_Passsenger	12-09-2020	12-12-2032	14720.0
20	JH11V9901	3WT_Passsenger	29-04-2022	30-07-2032	10383.0
21	JH11W0434	3WT_Passsenger	29-06-2022	29-03-2033	10218.0
22	JH11W3018	3WT_Passsenger	28-08-2022	28-05-2033	9978.0
23	JH11X2090	3WT_Passsenger	31-12-2020	30-09-2033	14897.0
24	JH11X2456	3WT_Passsenger	19-11-2020	19-08-2033	15049.0
25	JH11X5921	3WT_Passsenger	22-10-2022	22-07-2033	9696.0
26	JH11Y2994	3WT_Passsenger	21-03-2020	21-12-2033	17604.0
27	JH11F8143	Goods Carriage	05-08-2023	05-08-2025	11889.4
28	JH11F8845	Goods Carriage	08-08-2022	08-08-2025	14045.3
29	JH11G4911	Goods Carriage	29-03-2024	29-03-2026	10614.1
30	JH11G6350	Goods Carriage	07-03-2021	07-03-2026	28500.0
31	JH11H6683	Goods Carriage	03-04-2022	03-04-2027	24600.0
32	JH11H9019	Goods Carriage	14-06-2022	14-06-2027	24000.0
33	JH11H9401	Goods Carriage	14-06-2022	14-06-2027	36000.0
34	JH11J0546	Goods Carriage	27-06-2022	27-06-2027	35550.0
35	JH11J0811	Goods Carriage	26-07-2023	26-07-2027	24123.5
36	JH11J2347	Goods Carriage	05-08-2022	05-08-2027	23400.0
37	JH11J2445	Goods Carriage	11-09-2022	11-09-2027	34650.0
38	JH11J2733	Goods Carriage	13-09-2023	13-09-2027	15601.6
39	JH11J3018	Goods Carriage	17-10-2022	17-10-2027	34200.0
40	JH11J3556	Goods Carriage	01-11-2022	01-11-2027	33750.0
41	JH11J3820	Goods Carriage	30-10-2022	30-10-2027	33750.0
42	JH11J4062	Goods Carriage	26-11-2023	26-11-2027	22683.5
43	JH11J4201	Goods Carriage	04-10-2022	04-10-2027	22800.0
44	JH11J5004	Goods Carriage	19-10-2022	19-10-2027	34200.0
45	JH11J5491	Goods Carriage	28-11-2022	28-11-2027	33300.0
46	JH11J6321	Goods Carriage	21-11-2022	21-11-2027	33300.0
47	JH11J6327	Goods Carriage	06-11-2022	06-11-2027	33750.0
48	JH11J7176	Goods Carriage	23-01-2023	23-01-2028	32400.0
49	JH11J7345	Goods Carriage	07-02-2023	07-02-2028	21600.0
50	JH11J7346	Goods Carriage	07-02-2024	07-02-2028	14401.6
51	JH11J8152	Goods Carriage	19-02-2023	19-02-2028	32400.0
52	JH11J8271	Goods Carriage	24-02-2023	24-02-2028	31950.0
53	JH11J8604	Goods Carriage	30-10-2022	30-10-2027	33750.0
54	JH11J8610	Goods Carriage	21-10-2023	21-10-2027	23043.5
55	JH11J9184	Goods Carriage	20-01-2023	20-01-2028	32850.0
56	JH11K0201	Goods Carriage	17-04-2023	17-04-2028	21000.0
57	JH11K0323	Goods Carriage	05-03-2023	05-03-2028	31950.0
58	JH11K0357	Goods Carriage	12-03-2024	12-03-2028	21231.6
59	JH11K0848	Goods Carriage	29-03-2023	29-03-2028	31500.0
60	JH11K2311	Goods Carriage	30-01-2023	30-01-2028	21600.0
61	JH11K3106	Goods Carriage	13-05-2023	13-05-2028	20700.0
62	JH11K3194	Goods Carriage	12-05-2023	12-05-2028	31050.0
63	JH11K3204	Goods Carriage	28-05-2023	28-05-2028	30600.0
64	JH11K3315	Goods Carriage	08-05-2023	08-05-2028	20700.0
65	JH11K3744	Goods Carriage	23-08-2023	23-08-2028	29700.0
66	JH11K3940	Goods Carriage	07-07-2023	07-07-2028	20100.0
67	JH11K4333	Goods Carriage	29-09-2023	29-09-2028	19200.0
68	JH11K4643	Goods Carriage	07-06-2023	07-06-2028	20400.0
69	JH11K4743	Goods Carriage	15-11-2023	15-11-2028	18900.0
70	JH11K5382	Goods Carriage	15-08-2023	15-08-2028	29700.0
71	JH11K5574	Goods Carriage	06-10-2023	06-10-2028	19200.0
72	JH11K5940	Goods Carriage	11-07-2023	11-07-2028	30150.0
73	JH11K5969	Goods Carriage	29-08-2023	29-08-2028	29250.0
74	JH11K6164	Goods Carriage	11-08-2023	11-08-2028	29700.0
75	JH11K6206	Goods Carriage	04-11-2023	04-11-2028	28350.0
76	JH11K6209	Goods Carriage	20-08-2023	20-08-2028	29700.0
77	JH11K6400	Goods Carriage	17-09-2023	17-09-2028	29250.0
78	JH11K6457	Goods Carriage	25-09-2023	25-09-2028	29250.0
79	JH11K7422	Goods Carriage	28-07-2023	28-07-2028	29700.0
80	JH11K7436	Goods Carriage	18-09-2023	18-09-2028	29250.0
81	JH11K7560	Goods Carriage	05-11-2023	05-11-2028	28350.0
82	JH11K7953	Goods Carriage	24-04-2023	24-04-2028	21000.0
83	JH11K7981	Goods Carriage	17-10-2023	17-10-2028	19200.0
84	JH11K8150	Goods Carriage	10-10-2023	10-10-2028	28800.0
85	JH11K8672	Goods Carriage	27-06-2023	27-06-2028	30150.0
86	JH11K8829	Goods Carriage	07-06-2023	07-06-2028	20400.0
87	JH11K9205	Goods Carriage	08-08-2023	08-08-2028	29700.0
88	JH11L0274	Goods Carriage	01-07-2021	14-02-2029	25162.9
89	JH11L0397	Goods Carriage	20-01-2024	20-01-2029	27450.0
90	JH11L0589	Goods Carriage	08-01-2024	08-01-2029	27450.0
91	JH11L0943	Goods Carriage	16-02-2024	16-02-2029	27000.0
92	JH11L1035	Goods Carriage	14-02-2024	14-02-2029	27000.0
93	JH11L1138	Goods Carriage	21-01-2024	21-01-2029	27450.0
94	JH11L1893	Goods Carriage	20-02-2024	20-02-2029	18000.0
95	JH11L2353	Goods Carriage	31-01-2024	31-01-2029	27000.0
96	JH11L2439	Goods Carriage	30-12-2023	30-12-2028	18300.0
97	JH11L2444	Goods Carriage	29-12-2023	29-12-2028	18300.0
98	JH11L2495	Goods Carriage	17-11-2023	17-11-2028	28350.0
99	JH11L2525	Goods Carriage	30-10-2023	30-10-2028	28350.0
100	JH11L2555	Goods Carriage	30-10-2023	30-10-2028	18900.0
101	JH11L3557	Goods Carriage	29-11-2023	29-11-2028	27900.0
102	JH11L4422	Goods Carriage	21-02-2024	21-02-2029	27000.0
103	JH11L4619	Goods Carriage	13-12-2023	13-12-2028	27900.0
104	JH11L6173	Goods Carriage	31-01-2024	31-01-2029	27000.0
105	JH11L6809	Goods Carriage	26-02-2024	26-02-2029	27000.0
106	JH11L7176	Goods Carriage	27-11-2023	27-11-2028	28350.0
107	JH11L7594	Goods Carriage	09-03-2024	09-03-2029	26550.0
108	JH11L9367	Goods Carriage	14-02-2024	14-02-2029	27000.0
109	JH11M0398	Goods Carriage	24-03-2024	24-03-2029	26550.0
110	JH11Q5348	Goods Carriage	08-07-2023	08-07-2028	20100.0
111	JH11Q6551	Goods Carriage	21-12-2023	21-12-2025	3723.5
112	JH11W8381	Goods Carriage	29-03-2024	30-12-2027	9970.1
113	JH11H7274	3Wh Goods	07-05-2022	07-05-2027	14580.0
114	JH11J4846	3Wh Goods	10-12-2022	10-12-2027	13320.0
115	JH11J5775	3Wh Goods	27-12-2022	27-12-2027	13140.0
116	JH11J8246	3Wh Goods	28-12-2022	28-12-2027	13140.0
117	JH11J8991	3Wh Goods	05-02-2023	05-02-2028	12960.0
118	JH11K0949	3Wh Goods	29-04-2023	29-04-2028	12420.0
119	JH11K2060	3Wh Goods	06-06-2023	06-06-2028	12240.0
120	JH11K4678	3Wh Goods	20-10-2023	20-10-2028	11520.0
121	JH11K5099	3Wh Goods	29-08-2023	29-08-2028	11700.0
122	JH11K8864	3Wh Goods	02-08-2023	02-08-2028	11880.0
123	JH11L2503	3Wh Goods	01-01-2024	01-01-2029	18300.0
124	JH11L8166	3Wh Goods	27-11-2023	27-11-2028	11340.0
125	JH11L8224	3Wh Goods	30-01-2024	30-01-2029	10800.0
126	JH11N0643	3Wh Goods	28-02-2023	28-02-2028	21300.0
127	JH11P1718	3Wh Goods	12-01-2023	12-10-2025	3612.3
128	JH11T0938	3Wh Goods	14-05-2021	14-02-2027	9534.6
129	JH11T2781	3Wh Goods	29-06-2022	30-03-2027	6757.9
130	JH11T8402	3Wh Goods	21-11-2023	21-08-2026	3117.9
131	JH11T9832	3Wh Goods	29-06-2023	30-03-2027	4525.2
132	JH11U9878	3Wh Goods	23-01-2023	23-10-2027	6155.4
133	JH11W2164	3Wh Goods	10-01-2024	10-04-2028	4665.8
134	JH11Y6705	3Wh Goods	26-03-2023	26-12-2028	7252.2
135	JH11AC3378	LOADER	12-03-2020	29-12-2029	249005.0
136	JH11V3631	LOADER	26-07-2022	26-09-2029	169691.4
137	JH11Y4313	LOADER	18-02-2024	18-07-2030	108869.4
138	DL1YC1842	LPV	19-11-2022	19-11-2027	24339.0
139	JH11D8794	LPV	22-04-2021	22-04-2025	18126.3
140	JH11E0802	LPV	24-06-2020	24-06-2025	26211.0
141	JH11E2159	LPV	28-10-2020	28-10-2025	34040.0
142	JH11E2469	LPV	16-10-2020	16-10-2025	35925.0
143	JH11E2921	LPV	29-10-2020	29-10-2025	23562.0
144	JH11E3015	LPV	15-09-2020	15-09-2025	29400.0
145	JH11E3499	LPV	11-04-2019	24-11-2025	54579.6
146	JH11E4123	LPV	02-02-2021	02-02-2026	24269.0
147	JH11E5982	LPV	03-05-2021	03-05-2026	34607.0
148	JH11E6022	LPV	29-04-2021	29-04-2026	27394.0
149	JH11E7739	LPV	11-06-2021	11-06-2026	29109.0
150	JH11E8197	LPV	05-06-2021	05-06-2026	32355.0
151	JH11E9386	LPV	18-05-2022	18-05-2026	18473.2
152	JH11F0883	LPV	22-05-2019	01-11-2026	32413.3
153	JH11F3553	LPV	09-02-2024	09-02-2027	9409.3
154	JH11F5179	LPV	29-03-2022	29-03-2027	20694.0
155	JH11F6139	LPV	17-05-2022	17-05-2027	17917.0
156	JH11F8059	LPV	02-03-2022	02-03-2027	30444.0
157	JH11F8329	LPV	19-07-2022	19-07-2027	23668.0
158	JH11G6767	LPV	26-04-2023	26-04-2028	19229.0
159	JH11G8479	LPV	27-05-2023	27-05-2028	12464.0
160	JH11H5671	LPV	18-03-2024	18-03-2029	19659.0
161	JH11H6672	LPV	23-03-2024	23-03-2029	25369.0
162	JH11J6061	LPV	23-04-2019	04-01-2025	31717.4
163	JH11L0956	LPV	31-03-2020	15-07-2025	40560.4
164	JH11Y7247	LPV	28-04-2019	15-01-2031	128071.6

अतः निदेश है कि ई पेमेंट के माध्यम से बकाया पथकर का भुगतान करना सुनिश्चित करेंगें। पथ कर जमा नही होने की स्थिति में वाहन स्वामियों के विरूद्ध मोटरवाहन अधिनियम की धाराओं का उल्लंघन करने के आलोक में झारखण्ड मोटरवाहन करारोपण संशोधन अधिनियम 2011 की सुसंगत धारा–21(क), 22(3) के तहत् दण्डात्मक कार्रवाई की जायगी। उक्त हेतु सघन जॉच टीम का भी गठन किया गया है।

नोटः– परिवहन विभाग, झारखण्ड सरकार के अधिसूचना संख्या परि0आ0 (कर माफी)–120/2020/1067 रॉंची, दिनांक 31.07.2024 द्वारा झारखण्ड राज्य में निबंधित वैसे वाहनों जो अधिसूचना निर्गत तिथि को कर–प्रमादी (Tax Defaulter) हो चुके है उन्हें One Time Settlement के तहत 50 प्रतिशत अर्थदण्ड माफी करने की योजना 27.01.2025 तक लागू है। इस योजन का लाभ वाहन स्वामियों ले सकते है। उक्त से संबंधित विस्तृत सूचना पूर्व में ही दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित की जा चुकी है।

इसे अति आवश्यक समझे।

जिला परिवहन पदाधिकारी, गिरिडीह।

PR 343386 (Transport) 24-25 (D)

नीतीश कुमार एनडीए में थे और आगे भी रहेंगे

पटना (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर से जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के प्रदेश अध्यक्ष जीएम शाहीन ने कहा कि नीतीश कुमार एनडीए में थे और आगे भी रहेंगे. प्रदेश अध्यक्ष ने गुरुवार को बातचीत के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के उस 'खुले ऑफर' को खारिज कर दिया है, जिसमें आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि नीतीश कुमार के लिए आरजेडी के साथ आने का खुला ऑफर है. हालांकि, इस बारे में जब बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मीडिया वाले लालू यादव से लगातार एक ही सवाल पूछते रहते हैं इसलिए उन्होंने पत्रकारों को शांत करने के लिए ऐसा बोल दिया होगा.

हाल ही में तेजस्वी यादव ने कहा था कि नीतीश कुमार के लिए महागठबंधन के दरवाजे बंद हैं. अब लालू के इस बयान पर एनडीए में शामिल अन्य दलों के नेता के भी बयान आने लगे हैं. दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की प्रेस वार्ता पर जम्मू-कश्मीर से जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष जीएम शाहीन ने कहा कि हमें इस बात की अंदाजा था कि आने वाले दिनों में ऐसा ही होगा. सोचने वाली बात यह है कि केंद्र शासित प्रदेश में जब आप कुछ नहीं कर सकते तो आपने मेनिफेस्टो क्यों बनाया. लोगों को धोखा देना ठीक नहीं है.

दरअसल, सीएम उमर अब्दुल्ला ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा, हम दो महीने से ज्यादा समय से सत्ता में हैं. केंद्र शासित प्रदेश में सरकार के कामकाज को समझने में हमें कुछ समय लगा. यह सिलसिला नया है कि एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनी हुई सरकार कैसे चलती है. पहले वाली हुकुमत और आज की हुकुमत में जमीन आसमान का अंतर है. आमतौर पर हम देखे तो मुझे लगता है कि हमें सरकार चलाने में ज्यादा तकलीफ हुई. मुझे लग रहा था कि जो यहां पर हालात हैं तो दिक्कत होगी. लेकिन, शुरुआत ठीक रही है.

हम चुनाव से पहले किए गए वादों पर कायम हैं. इसकी वजह से लोगों ने हमें सरकार बनाने का जनादेश दिया. उनसे हम नहीं मुकरेंगे. जम्मू-कश्मीर को रियासत का दर्जा दिलवाना हमारे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण होगा. केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा जम्मू-कश्मीर के लिए एक अस्थायी चरण है.

जम्मू-कश्मीर के लोगों ने विधानसभा चुनावों में अच्छी संख्या में भाग लिया. केंद्र सरकार ने जल्द से जल्द राज्य का दर्जा देने का वादा किया था, और हमें उम्मीद है कि इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा.

आरिफ मोहम्मद खान ने नए राज्यपाल के रूप में ली शपथ

पटना (एजेंसी): आरिफ मोहम्मद खान ने गुरुवार को राजभवन में आयोजित एक समारोह में बिहार के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली. पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन ने खान को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई. इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा राज्य के अन्य मंत्री और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे. आरिफ मोहम्मद खान ने राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर का स्थान लिया, जिन्हें केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है.

बिहार के राज्यपाल के रूप में शपथ लेने के बाद आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि बिहार का बहुत शानदार और गौरवशाली इतिहास है. राज्य के लोगों में जबरदस्त क्षमता है. इसके अलावा उन्होंने कहा कि बिहार के लोग पूरे देश की व्यवस्था चला रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में क्षमता की वजह से बिहार भी आगे जाएगा और देश में आगे जाएगा.

बता दें कि आरिफ मोहम्मद खान ने बिहार के राज्यपाल के रूप में शपथ लेने से पहले बांस घाट पर देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धांजलि दी थी. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बीते सोमवार को पटना पहुंचे थे. उन्होंने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहा था कि वह राज्य की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रयास करेंगे.

उन्होंने कहा थ कि मैं बिहार के गौरवशाली इतिहास को जानता हूं. इसका मुझ पर प्रभाव है. मैं राज्य की विरासत और गौरवशाली परंपरा के अनुरूप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रयास करूंगा.

बीपीएससी परीक्षाओं में मिले गड़बड़ी के ठोस सबूत

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना के गर्दनीबाग में बीपीएसपी अभ्यर्थी धरने पर बैठे हैं. इस बीच भाकपा (माले) लिबरेशन ने बड़ा दावा किया है. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन ने १ जनवरी, २०२५ दिन बुधवार को दावा किया कि उसे हाल ही में आयोजित बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षाओं में अनियमितताओं के ठोस सबूत मिले हैं.

भाकपा (माले) लिबरेशन के राज्य सचिव कुणाल ने कहा कि छात्रों ने १३ दिसंबर को राज्यभर में आयोजित बीपीएससी की ७०वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में अनियमितताओं के ठोस सबूत सौंपे हैं. प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें आश्वासन दिया कि पार्टी सबूतों का अध्ययन करेगी और आवश्यक कदम उठाएगी.

बिहार लोक सेवा आयोग की ७०वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का धरना १ जनवरी, २०२५ दिन बुधवार को १५वें दिन भी जारी रहा. छात्र पर पुलिस की तरफ से लिए गए एक्शन पर बिहार की सियासत पूरी तरह से गर्म हो गई है.

इस बीच बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बयान दिया हैं. सम्राट चौधरी कहा कि बीपीएससी एक स्वतंत्र संस्था है. सरकार ने उसको फ्री हैंड दिया है. वो निर्णय ले, छात्रों के संबंध में छात्रों के हित के लिए कोई भी निर्णय लेने के लिए वह स्वतंत्र है.

मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि परीक्षा में पेपर लीक के बारे में सरकार ने खुला न्योता दे रखा है कि अगर कोई शिकायत होगी तो संज्ञान लेकर कार्रवाई करेगी. मुख्य सचिव ने सरकार की ओर से खुला न्योता दे रखा है. सरकार को जो करना होगा करेगी, छात्र के हित में सरकार काम करेगी. छात्रों की जो वाजिब मांगे होंगी,

Government of Jharkhand
Urban Development And Housing Department
Dhanwar Nagar Panchayat, Giridih

E-Procurement Tender Notice No. DNP/02//2024-25

Reference No. DNP/02/2024-25 Date: 30-12-2024

क्र0सं0	ग्रुप नं0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति का अवधि
01	DNP/02/2024-25/01	वार्ड सं0–10, मोईन अंसारी के घर से लेकर सी0ओ0 आवास तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	22,56,100.00	45500.00	5,000.00	120 दिन
02	DNP/02/2024-25/02	वार्ड सं0– 10 चॉंदनी चौक से वन विभाग कार्यालय, धनवार तक नाली निर्माण।	1400650.00	28100.00	5,000.00	120 दिन
03	DNP/02/2024-25/03	वार्ड सं0– 10 रेफरल हॉस्पीटल से गैस ऐजेंसी वाया बिजय साव के घर तक नाली निर्माण।	1172650.00	23500.00	5,000.00	120 दिन
04	DNP/02/2024-25/04	वार्ड सं0 – 02 नकुल स्वर्णकार से सुरेन्द्र शर्मा के घर तक नाली निर्माण।	521200.00	10500.00	5,000.00	120 दिन

Date of Publication of Tender on website :- 03.01.2025 at 03:00 PM
Online Last Date / Time for receiving of bids :- 18.01.2025 (Online) Till 03:00 PM
Date of Bid Opening :- From 20.01.2025 at 03:00 PM (Online)
NOTE :- (i) Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://www.jharkhandtenders.gov.in
(ii) Contractor should be registered in appropriate class as per NIT
(iii) Estimated Cost/Quantity May Vary.
(iv) Dhanwar Nagar Panchayat reserves the right to reject any or all tender(s) received without assigning any reason thereof.

sd/-
Executive Officer,
Dhanwar Nagar Panchayat

PR 343432 (Urban Development and Housing)24-25*D

संभल जामा मस्जिद सर्वे रिपोर्ट कोर्ट में पेश

संभल,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के संभल जिले में जामा मस्जिद सर्वे रिपोर्ट गुरुवार को कोर्ट में पेश कर दी गई है। एडवोकेट कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने इस मामले की ४० पन्नों की सर्वे रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चंदौसी जिला कोर्ट में सील बंद लिफाफे में दाखिल कर दिया।

संभल की शाही जामा मस्जिद परिसर में यह सर्वे १९ और २४ नवंबर को किया गया था। चंदौसी जिला कोर्ट के निर्देश पर सर्वे को अंजाम दिया गया। रिपोर्ट को सील बंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत जमा किया गया है। इस रिपोर्ट की सामग्री को तब तक सार्वजनिक नहीं किया जा सकेगा जब तक कि सुप्रीम कोर्ट से कोई निर्देश नहीं दिया जाता है। रिपोर्ट को दाखिल करने में देरी हुई जिसे लेकर एडवोकेट कमिश्नर ने स्वास्थ्य कारणों से रिपोर्ट दाखिल करने में देरी होने की बात कही।

6ह आईएएस अफसर को मिला प्रमोशन

पटना,(ईएमएस): बिहार सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के ६ अधिकारियों के प्रमोशन की अधिसूचना जारी की है, जिसमें आईएएस जितेंद्र श्रीवास्तव, अमित कुमार, राजेश मीणा, साकेत कुमार, रमण कुमार और रामचंद्रुडु को पदोन्नत किया गया है। २००० बैच के आईएएस अधिकारी जितेंद्र श्रीवास्तव प्रमोशन के बाद प्रधान सचिव बनाया गया है। जितेंद्र श्रीवास्तव फिलहाल केंद्र सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में संयुक्त सचिव हैं।

२०१२ बैच के आईएएस अमित कुमार और राजेश मीणा को विशेष सचिव बनाया गया है। अमित कुमार अभी केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के निजी सचिव हैं और राजेश मीणा लालबहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी में उप निदेशक हैं। २००९ बैच के आईएएस अधिकारी साकेत कुमार, रमण कुमार और एम रामचंद्र दुडु की पदोन्नति कर सचिव बनाया गया है।

सीएम को नववर्ष की शुभकामनाएं देने के लिए पहुंचे लोग

पटना (एजेंसी) : नए साल के मौके पर जदयू के प्रदेश महासचिव छोटू सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें बुके दिया और उनके बेहतर स्वास्थ्य और बिहार के बेहतर भविष्य की कामना की. मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के बाद छोटू सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आज बहुत खुशी का दिन है नव वर्ष २०२५. भगवान के दर्शन के बाद सबसे पहले बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नव वर्ष २०२५ की शुभकामनाएं देते हुए उनका आशीर्वाद लिया.

जदयू के प्रदेश महासचिव छोटू सिंह ने आगे कहा कि मैंने कहा कि २०२५ फिर से नीतीश. साथ में बिहार के लोकप्रिय मंत्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य बड़े भाई प्रो. रणवीर नंदन भी मौजूद रहे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुलदस्ता लेकर हम लोगों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नववर्ष की शुभकामनाएं एवं बधाई देने के लिए बिहार सरकार के कई मंत्री, सांसद, विधायक, विधान पार्षद राज्य सरकार के वरीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि और विशिष्ट व्यक्तिगण तथा आमजन पहुंचे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक अणे मार्ग स्थित अपने आवास पर लोगों को बधाई और शुभकामनाएं स्वीकार की और उन्हें नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी. लोगों के द्वारा दिए गए भेंट शरीफ भेंट स्वरूप पुष्प कुछ अंग वस्त्र एवं माला को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वीकार किया.

खाना बनाने के वक्त सिलेंडर फटा, 11 झुलसे

गोपालगंज(ईएमएस): बरौली थाना क्षेत्र के सुरवल गांव स्थित चिमनी पर मजदूरों द्वारा खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गयी। मजदूर आग बुझाने का प्रयास करने लगे, लेकिन वह नहीं बुझी और सिलेंडर ब्लास्ट कर गया। सिलेंडर फटते ही गैस तेजी से हवा में फैल गयी और आग की लपटे में ११ लोग आ गये। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने फौरन दो बच्चों समेत ११ लोगों को इलाज के लिए बरौली अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉ. आफताब आलम ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। ईंट भट्ठा के मालिक ने सदर अस्पताल के बदले सीवान के किसी प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए लेकर चले गये। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ईंट भट्ठे पर खाना बन रहा था। उसी के करीब कुछ मजदूर अलाव जलाकर बैठे थे। इस विस्फोट में आग ताप रहे मजदूर भी लपटे में आ गये और झुलस गए। आग लगने से चिमनी पर चीख-पुकार मच गयी। झुलसने वालों में नितिन कुमार, अंकित कुमार, अजय राम, सुशील कुमार, सुशील सिंह तथा प्रमिला देवी आदि शामिल हैं। इनका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। बाकी करीब आधा दर्जन घायलों का इलाज अलग अलग-जगह पर कराया गया। इस मामले में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी विनोद यादव ने बताया की सभी को गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

सीएम नीतीश गांधी के सिद्धांतों पर चलते है : शकील अहमद

पटना,(ईएमएस): बिहार में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव का बयान देशभर में चर्चा बना हुआ है। बता दें नए साल पर लालू यादव ने नीतीश कुमार को महागठबंधन में शामिल करने के सवाल पर कहा था कि अगर वह आना चाहें तो उन्हें साथ ले लेंगे। लालू के इस ऑफर पर अब जेडीयू नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने पलटवार किया है। ललन सिंह ने कहा कि लालू जी क्या बोलते हैं और क्या नहीं, वो ही जानें।

ललन सिंह ने लालू यादव के नीतीश को दिए गए ऑफर पर कहा कि लालू जी क्या बोलते हैं, नहीं बोलते हैं। वह लालू जी जानें। हम लोग एनडीए में हैं और एनडीए में ही रहेंगे। हालांकि पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने पहले कहा था कि नीतीश कुमार के लिए दरवाजे बंद हैं। जब लालू यादव का बयान आया तो इस पर भी तेजस्वी ने कहा कि लालू जी ने ऐसी बात मीडिया को शांत करने के लिए कही थी। आप लोग रोज पूछते रहते हैं तो क्या बोलेंगे। इस बीच कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने नीतीश कुमार को गांधीवादी बताया है। उन्होंने कहा कि जो भी गांधीवादी हैं, वह हमारे साथ आएंगे। नीतीश कुमार गांधीवादी हैं, वे गांधी के सिद्धांतों पर चलते हैं। बता दें लालू यादव ने कहा था कि नीतीश के लिए हमारा दरवाजा तो खुला है,

मदरसा मैनेजर समेत 5 नकली नोटों के साथ पकड़ाए

श्रावस्ती,(ईएमएस) : यूपी के श्रावस्ती में एसओजी और पुलिस टीम ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से नकली नोट और छपाई के उपकरण मिले हैं। वहीं इस मामले का मुख्य आरोपी मदरसा मैनेजर है, जिसकी पांच बीवियां भी बताई जा रही हैं। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि यूटयूब पर वीडियो देखकर नकली नोट छापने का तरीका सीखा। इसके बाद असली नोट को मशीन से प्रिंट कर स्कैनर से अन्य रूप रेखा तैयार करते थे। नकली नोटों को अन्य जिलों के साथ ही ग्रामीण इलाके में खपा रहे थे। आरोपियों ने कहा कि नोट छापने के बाद लालच देकर लोगों को असली नोट की जगह दो गुने नकली नोट दे देते थे। ये काम करीब सालभर से चल रहा था। लाखों के नकली नोट श्रावस्ती के साथ ही अन्य जिलों में खपा चुके हैं। आरोपियों के कब्जे से ३४ हजार से ज्यादा के नकली नोट और १४५०० के असली नोट बरामद किए हैं। इसके साथ प्रिंटर, लैपटाप, इंक की बोतल, एक तमंचा, कारतूस, मोबाइल फोन और बाइक बरामद की है।

नकली नोट छापने के मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों में मुबारक अली उर्फ नूरी भी है। वह मदरसा प्रबंधक है, जो ग्राम लक्ष्मनपुर गंगापुर थाना मल्हीपुर श्रावस्ती का रहने वाला है। उस पर बहराइच, श्रावस्ती और गोंडा में पहले से चार मामले दर्ज हैं। आरोपी की पांच बीवियां होने का दावा किया जा रहा है। ग्रामीणों ने नाम छापने की शर्त पर बताया कि एक बीवी मदरसे में पढ़ाती है, दूसरी घर में रहती है, जबकि तीन अन्य बीवियां हैं, उनके बारे में जानकारी नहीं है।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि एक आरोपी को नानपारा बहराइच से पकड़ा गया तो उसके पास नकली नोट मिले थे। उसी की निशानदेही पर चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है इन चार आरोपियों के पास से कुछ असली और नकली नोट बरामद हुए हैं। मल्हीपुर क्षेत्र के मदरसा के मैनेजर को पकड़ा है, उसके पास से कलर प्रिंटिंग मशीन, मोबाइल बरामद हुए हैं, जिससे वह नकली छापकर मार्केट में चला देता था।

लोस में राहुल गांधी ने अपना न्यूजलेटर रिलीज किया

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना न्यूजलेटर रिलीज किया है, इसमें ११ से ३१ दिसंबर तक की घटनाओं का जिक्र किया है। इसके अलावा संसद में संविधान और मनुस्मृति पर राहुल गांधी के भाषण, उससे जुड़े घटनाक्रम के बारे में भी लिखा गया है।

पत्र में राहुल गांधी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को अपना गुरु और सलाहकार बातकर कहा, डॉ. सिंह ने भारत का नेतृत्व अत्यंत बुद्धिमत्ता और सत्यनिष्ठा के साथ किया। उनके नेतृत्व में अर्थव्यवस्था आगे बढ़ी और करोड़ों भारतीयों को गरीबी से बाहर निकालते हुए एक समृद्ध मध्यम वर्ग का निर्माण किया। वह हमेशा हमारे दिलों में रहने वाले है। देश ने अपने बड़े नेता के साथ, मैंने भी अपना गुरु और सलाहकार खो दिया है।

राहुल गांधी ने पत्र में संविधान और मनुस्मृति के बीच चल रही लड़ाई पर बात की। पत्र में राहुल के बयान का जिक्र किया गया, जिसमें द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा लिया, वैसे ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश के युवाओं का भविष्य छीन रही है। पत्र केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राज्यसभा में बाबासाहेब अंबेडकर के कथित अपमान करने को लेकर उनके इस्तीफे की मांग का भी जिक्र है। इसके अलावा राहुल गांधी के महाराष्ट्र के परभणी दौरे का भी जिक्र कर लिखा है, राहुल ने संविधान की रक्षा करते हुए मारे गए सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार को श्रद्धांजलि और बहादुर बेटे को खोने वाले परिवार से अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। पत्र में महंगाई की चर्चा करते हुए इस पर खास फोकस किया है। बात दें कि राहुल गांधी ने दिल्ली में एक सब्जी मंडी के दौरे के दौरान महंगाई पर चर्चा की और लोगों से घर चलाने में आने वाली चुनौतियों पर बातचीत की।

नववर्ष की शुभकामनाओं के साथ बीते वर्ष २०२४ पर भी एक नजर डाली गई है। इसमें मणिपुर से मुंबई तक न्याय के लिए लड़ी गई लड़ाई के तौर पर भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बारे में बताया गया है। लोकसभा २०२४ को संविधान बचाने वाला चुनाव बताया गया है। बताया गया कि इस चुनाव में देश की गरीब और वंचित आबादी संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए इंडिया गुट के साथ खड़ी हो गई। भारत के लोगों के साथ राहुल गांधी की यादगार मुलाकातों की झलकियां भी शेयर की गई और बताया कि लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने देश भर के अलग-अलग समुदाय से मिलना जारी रखा ताकि उनके सुख-दुख को समझा जा सके।

पत्र में इस बात का जिक्र किया गया कैसे राहुल गांधी ने साल २०२४ में संसद में भारत को लोगों की आवाज को उठाया। राहुल गांधी ने बेरोजगारी, एमएसपी, पेपर लीक, मणिपुर, जाति जनगणना और धार्मिक असहिष्णुता जैसे मुद्दों को उठाया। राहुल गांधी द्वारा बीते साल संसद में दिए गए प्रमुख भाषणों की झलकियां भी दिखाई गई। आंकड़ों के जरिए बताया गया कि राहुल गांधी ने साल २०२४ में २५ राज्यों का दौरा किया। १५ भाषण संसद में दिए। १७ प्रेसवार्ता की। ४० आधिकारिक एवं पार्टी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। २०० से ज्यादा रैलियां और २६० से ज्यादा जनता से मुलाकातें की। इस बीच उन्होंने ६,६०० किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा की।

गुजरात में अनोखा विवाह समारोह

वडोद्रा (ईएमएस): गुजरात में ऐसा विवाह होने जा रहा है, जिसमें अंगदान का संकल्प लिया जाएगा। इतना ही नहीं विवाह के निमंत्रण के साथ ही कहा गया है कि अंगदान का पंजीकरण कराना अनिवार्य है। मध्य गुजरात के वडोदरा में इस अनोखे विवाह समारोह का आयोजन किया गया है। वडोदरा के निवासी और भाजपा के कोषाध्यक्ष गोपाल रबारी ने अपने बेटे और बेटी की शादी में शामिल होने वाले सभी मेहमानों के लिए अंगदान का संकल्प अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए अंग दान के पंजीकरण के लिए क्यूआर कोड के साथ २ प्रकार के निमंत्रण कार्ड भी बनाए गए हैं। गोपाल रबारी के मुताबिक शुरुआत में हमने परिवार के बुजुर्गों से इस बारे में चर्चा की और उसके बाद ही ४५ सदस्यों ने इस कोड को स्कैन किया और अंगदान का फॉर्म भरा। हमारे पास ७ गांवों के १२० लोगों का कुल परिवार है। सभी की मौजूदगी में इस फैसले पर मंजूरी ली गई। विवाह स्थल पर पारिवारिक तस्वीरों के साथ अंगदान के संबंध में एक क्यूआर कोड भी पोस्ट किया जाएगा। शादी समारोह में अंगदान के विचार को लेकर गोपाल रबारी ने बताया कि परिवार का एक सदस्य कुछ महीने पहले समाज के एक सदस्य के बारे में पूछताछ करने गए थे। जहां देखा कि उसके शरीर का एक अंग गायब है। उन्होंने सोचा कि यदि हमारा जन्म हुआ है तो हमें कुछ दान करना चाहिए। इसके बाद घर आकर परिवार से चर्चा और सभी सदस्यों से मुलाकात के बाद १२० बुजुर्गों की सहमति के बाद यह फैसला लिया गया। जिसमें सरकार के चिकित्सा विभाग द्वारा जारी क्यूआर कोड को स्कैन कर रजिस्ट्रेशन किया जाता है। १८ जनवरी को होनेवाले शादी समारोह में जो भी यह फॉर्म उस क्षेत्र में जमा किया जाएगा जहां का व्यक्ति निवासी है। इस फॉर्म का विवरण भरने में लगभग ३० मिनट का समय लगता है। साथ ही आपको कौन से अंग दान करने हैं इसकी जानकारी भी क्यूआर कोड स्कैन करने पर मिल जाएगी। शादी समारोह के लिए लगभग २३०० कार्ड छपवाए गए हैं, जिनमें से ५०० लोगों ने शादी तय करने के बाद अब तक अंगदान के लिए पंजीकरण कराया है। रबारी परिवार को उम्मीद है कि इस आयोजन तक २ हजार से ज्यादा लोग अंगदान के लिए रजिस्ट्रेशन कराएंगे। रबारी समाज के नोधाह परिवार द्वारा विवाह समारोह के बाद ऑनलाइन अंगदान फॉर्म भरने वाले सभी लोगों का सम्मान भी किया जाएगा।

आप पार्टी देश की सबसे बड़ी ड्रामा पार्टी : बृजभूषण

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दिल्ली में स्मारक बनाने से जुड़े कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार किया। वहीं पूर्व सांसद सिंह ने आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना पर धार्मिक स्थल से जुड़े फैसले लेने के आरोप पर भी तंज कसा।

पूर्व सांसद सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री सिंह की दिल्ली में समाधि बनाने में अड़ंगा डालने के कांग्रेस के आरोपों पर कहा कि ये बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है। भगवान करें कि कांग्रेस और राहुल गांधी २०२५ में गंभीर हो जाएं। देश को उनकी जरूरत है। प्रधानमंत्री का वचन ही मंजूरी है, इतना ही नहीं गृह मंत्री ने भी कह दिया और मंजूरी भी प्रदान कर दी। इसके बाद इन लोगों को राजनीति नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस और राहुल गांधी पर जुबानी हमला कर पूर्व सांसद ने कहा कि लगातार, राहुल गांधी और कांग्रेस इसतरह के मुद्दे उठा रही है, जिससे जनता का कोई सरोकार नहीं है। उन्हें जनता से जुड़े मुद्दे उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपमान का आरोप लगा रही है। मेरा सवाल है कि क्या अपमान कर रही है? आपने पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव का अपमान नहीं किया। शरण सिंह ने कांग्रेस पर आरोप लगाकर कहा कि आप चाहते थे कि आपके परिवार के अलावा किसी की समाधि दिल्ली में नहीं बने। आपको ये बचकानी हरकत छोड़नी चाहिए।

मैं चाहूंगा कि अयोध्या आएं, भगवान राम, भगवान हनुमान का दर्शन करें, सद्बुद्धि प्राप्त करें और देश के लिए जो जरूरी मुद्दे हों, उन मामलों को उठाएं। ऐसा इसीलिए, क्योंकि, विपक्ष और राहुल गांधी का राजनीति में सक्रिय रहना जरूरी है। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आप के एलजी विनय कुमार सक्सेना पर धार्मिक स्थलों को तोड़ने के आरोपों से जुड़े सवाल पर सिंह ने कहा कि उन्हें उस (आप) पार्टी के बारे में कुछ नहीं बोलना है। आम आदमी पार्टी (आप) ड्रामा पार्टी है।

कामकाज सही नहीं होने पर बिहार का धार्मिक न्यास भंग

पटना,(ईएमएस) : बिहार सरकार ने राज्य धार्मिक न्यास को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है, जिसके लिए सरकार के विधि विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। धार्मिक न्यास को भंग करने के बाद, न्यास के कामकाज के लिए सरकार ने प्रशासक को बहाल कर दिया है।

धार्मिक न्यास का कामकाज सही ढंग से नहीं होने से नीतीश सरकार ने उसे भंग कर दिया है। विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि न्यास में कार्य का संपादन ठीक से नहीं हो रहा था। इसके बाद सरकार ने विधि विभाग के सचिव सह विधि परामर्शी अंजनी कुमार सिंह को प्रशासक नियुक्त किया है जो इस कार्य देखेंगे।

बता दें कि धार्मिक न्यास में कार्यरत हालिया बोर्ड का गठन जनवरी २०२१ में किया गया था। उस समय अखिलेश कुमार जैन को न्यास का अध्यक्ष बनाया था और इस बोर्ड में अध्यक्ष के अलावा ११ सदस्य होते थे। दरअसल न्यास पर राज्य के मंदिरों के बेहतर तरीके से संचालन की जिम्मेवारी होती है।

राजस्थान व पंजाब में यूरेनियम भी उच्च मात्रा में मिला

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के ४४० जिलों के भूजल में 'नाइट्रेट' की मात्रा उच्च स्तर पर मिली है। केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी देकर बताया कि इन जिलों से जमा किए गए सैंपल में २० प्रतिशत में 'नाइट्रेट' की मात्रा अधिक मिली है। पानी में अधिक 'नाइट्रेट' पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। साथ ही उन क्षेत्रों को लेकर चिंता इसकारण बढ़ जाती है जहां 'नाइट्रोजन' आधारित खाद और पशु अपशिष्ट का उपयोग खेती के लिए होता है।

'वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट -२०२४' से पता चला कि ९.०४ प्रतिशत सैंपल में 'फ्लोराइड' का स्तर भी अधिक था, जबकि ३.५५ प्रतिशत सैंपल में 'आर्सेनिक' की मात्रा मिली है। मई २०२३ में भूजल की गुणवत्ता की जांच के लिए देश भर में कुल १५,२५९ निगरानी स्थानों को चुना गया था। इनमें से २५ प्रतिशत कुओं का विस्तार से अध्ययन किया गया। मानसून से पहले और बाद में ४,९८२ स्थानों से भूजल का नमूना एकत्रित किया गया। रिपोर्ट में पाया गया कि इसमें से २० प्रतिशत सैंपल में नाइट्रेट की सांद्रता ४५ मिलीग्राम प्रति लीटर (एमजी/एल) की सीमा को पार कर गई, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा पेयजल के लिए निर्धारित सीमा है।

राजस्थान, कर्नाटक और तमिलनाडु में ४० प्रतिशत से अधिक सैंपल में नाइट्रेट सीमा से ऊपर था, जबकि महाराष्ट्र के सैंपल में ३५.७४ प्रतिशत, तेलंगाना में २७.४८ प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में २३.५ प्रतिशत और मध्य प्रदेश में २२.५८ प्रतिशत नाइट्रेट था। उत्तर प्रदेश, केरल, झारखंड और बिहार के भूजल में नाइट्रेट है, लेकिन इन प्रदेशों के मुकाबले कम है। अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड में सभी नमूने सुरक्षित सीमा के भीतर थे। सीजीडब्ल्यूबी ने कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में 'नाइट्रेट' का स्तर २०१५ से स्थिर बना हुआ है। हालांकि, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और हरियाणा में २०१७ से २०२३ के बीच इसमें वृद्धि देखी गई है।

पानी में 'नाइट्रेट' की अधिक मात्रा बच्चों में 'ब्लू बेबी सिंड्रोम' जैसी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। साथ ही यह पानी पीने के लिए भी असुरक्षित है। भारत में १५ इसतरह के जिले चिन्हित किए गए जहां भूजल में नाइट्रेट का सबसे ज्यादा स्तर में मिला है। इसमें राजस्थान में बाड़मेर, जोधपुर, महाराष्ट्र में वर्धा, बुलढाणा, अमरावती, नांदेड़, बीड, जलगांव और यवतमाल, तेलंगाना में रंगारेड्डी, आदिलाबाद और सिद्दीपेट, तमिलनाडु में विल्लुपुरम, आंध्र प्रदेश में पलनाडु और पंजाब में बठिंडा शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भूजल में नाइट्रेट का बढ़ता स्तर अत्यधिक खेतों के सिंचाई के चलते हो सकता है, जो संभवत: उर्वरकों में मौजूद नाइट्रेट को मिट्टी में गहराई तक पहुंचा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 'फ्लोराइड' की अधिक मात्रा मिलाना चिंता का कारण है। गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के मैदानी इलाकों वाले राज्यों में आर्सेनिक का स्तर अधिक पाया गया है। ये राज्य पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, असम और मणिपुर हैं। पंजाब के कुछ हिस्सों में और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के पानी में भी आर्सेनिक का स्तर अधिक पाया गया है। लंबे समय तक फ्लोराइड और आर्सेनिक के संपर्क में रहने से गंभीर स्वास्थ्य परिणाम हो सकते हैं। फ्लोराइड से फ्लोरोसिस और आर्सेनिक से कैंसर या त्वचा के घाव हो सकता है। भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट में एक बड़ी चिंता कई क्षेत्रों में यूरेनियम का ऊंचा स्तर भी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्थान के ४२ प्रतिशत नमूनों में और पंजाब के ३० प्रतिशत नमूनों में यूरेनियम मिला है। यूरेनियम के लगातार संपर्क में रहने से इंसान की किडनी को नुकसान हो सकता है। राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भी यूरेनियम भूजल में अधिक पाया गया है।

कामकाज सही नहीं होने पर बिहार का धार्मिक न्यास भंग

पटना,(ईएमएस) : बिहार सरकार ने राज्य धार्मिक न्यास को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है, जिसके लिए सरकार के विधि विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। धार्मिक न्यास को भंग करने के बाद, न्यास के कामकाज के लिए सरकार ने प्रशासक को बहाल कर दिया है।

धार्मिक न्यास का कामकाज सही ढंग से नहीं होने से नीतीश सरकार ने उसे भंग कर दिया है। विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि न्यास में कार्य का संपादन ठीक से नहीं हो रहा था। इसके बाद सरकार ने विधि विभाग के सचिव सह विधि परामर्शी अंजनी कुमार सिंह को प्रशासक नियुक्त किया है जो इस कार्य देखेंगे।

बता दें कि धार्मिक न्यास में कार्यरत हालिया बोर्ड का गठन जनवरी २०२१ में किया गया

बिहार में ज्वाइनिंग लेटर मिलने के एक दिन बाद सेवानिवृत्त हुई शिक्षिका

जमुई (ईएमएस): ज्वाइनिंग लेटर मिलने के एक दिन बाद बिहार के जमुई में शिक्षिका सेवानिवृत्त हो गईं है। यह मामला खैरा प्रखंड में कार्यरत नियोजित शिक्षिका अनीता कुमारी का है। जिन्हें ज्वाइन लेटर ३० दिसंबर २०२४ को मिला और अगले दिन ३१ दिसंबर २०२४ को सेवानिवृत्त हो गई।

जमुई जिले के खैरा प्रखंड अंतर्गत प्लस २ उच्च विद्यालय शोभाखान में कार्यरत अनीता कुमारी ने ६ मार्च २०१४ को हाई स्कूल की शिक्षिका के रूप में उन्होंने अपना योगदान दिया था। इसके बाद साक्षमता वन की परीक्षा में वह शामिल हुई। जिसके पश्चात उन्हें ३० दिसंबर २०२४ को विशिष्ट शिक्षक में योगदान करने के लिए नियुक्ति पत्र दिया गया। नई नियुक्ति पत्र के आधार पर उन्हें एक जनवरी से सात जनवरी २०२५ तक उन्हें उक्त विद्यालय में ही योगदान करना था। परंतु वह ३१ दिसंबर को ही रिटायर हो गई। यूं कहें कि ज्वाइनिंग लेटर मिलने के एक दिन बाद ही सेवानिवृत्त हो गई। उन्हें विशिष्ट शिक्षक के रूप में योगदान करने का भी मौका नहीं मिला। जबकि वह विशिष्ट शिक्षक बनने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण कर चुकी हैं। नियुक्ति पत्र लेने और देने की इस प्रक्रिया में अनीता कुमारी असमंजस में थी कि आखिर विशिष्ट शिक्षक नियमावली के तहत अपनी नियुक्ति पत्र ले या नहीं।

क्योंकि ३१ दिसम्बर २०२४ को ६० वर्ष की आयु पूरी होने के कारण सेवानिवृत्त हो जाएगी और विशिष्ट शिक्षक बनने का कोई लाभ नहीं मिल पाएगा। शिक्षिका ने बताया कि ६० साल की आयु पूर्ण करने के बाद उन्हें सेवानिवृत्ति मिली है। बस मलाल इस बात का है कि २०२४ में विशिष्ट शिक्षक की परीक्षा साक्षमता वन उत्तीर्ण करने के बावजूद एक दिन भी विशिष्ट शिक्षक के रूप में कार्य नहीं कर पाई। जबकि परीक्षा फल कई महीने पूर्व ही प्रकाशित हो चुका था।

अधिकारी ने किया जेल का निरीक्षण

मुंबई,(ईएमएस): महाराष्ट्र की ठाणे सेंट्रल जेल में एक कैदी के पास से मोबाइल बरामद हुआ है, जिसे उसने अपने जूते में छिपा कर रखा था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह मामला पिछले सप्ताह ३० दिसंबर का है यह तब सामने आया जब जेल का एक सिपाही नए जेल खंड के बैरक नंबर तीन का जायजा ले रहा था।

इस बैरक में करीब २०० कैदी हैं। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी ने बताया कि सिपाही को कैदी हेमंत पारसमल सेतिया (३८) का एक जूता फर्श पर मिला जबकि दूसरा जूता गायब था। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के बाद बैरक में कुछ दूरी पर दूसरा जूता मिला लेकिन जब उसे उठाया तो वह भारी था, जांच करने पर पता चला कि जूते में मोबाइल फोन रखा था जिसकी स्क्रीन टूटी थी।

अधिकारी ने बताया कि कैदी के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है और यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि उसे बैरक में मोबाइल फोन कैसे मिला। उन्होंने बताया कि यहां कश्मीरा पुलिस थाने में दर्ज एक आपराधिक मामले में गिरफ्तार होने के बाद आरोपी ३० सितंबर २०२३ से जेल में है। यह सोचने वाली बात है जेल में सख्ती के बावजूद कैदियों को सुख सुविधा कैस मिल जाती हैं।

ट्रिब्यूनल कोर्ट ने 1.5 करोड़ मुआवजा देने का दिया आदेश

पालघर,(ईएमएस): मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने २०२१ में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के मामले की सुनवाई करते हुए अहम फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल ने मृतक के परिजनों को १.५ करोड़ रुपए का मुआवजे देने का आदेश दिया है। ट्रिब्यूनल के इस फैसले की चर्चा चारों और हो रही है।

बता दें कि ये घटना १३ फरवरी, २०२१ को हुई थी जब ३१ साल के लक्ष्मीनारायण तरनीराव पुलकला की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। यह हादसा तब हुआ जब लक्ष्मीनारायण अपनी बाइक से पालघर जिले की ओर जा रहे थे। इस दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी। टक्कर लगने के बाद लक्ष्मीनारायण नीचे गिर गए और ट्रक उनके सिर के ऊपर से निकल गया और उनकी मौत हो गई थी। याचिकाकर्ताओं के वकील ने ट्रिब्यूनल को बताया कि पीड़िता की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक एक लेबर सप्लायर फर्म का मालिक था और सालाना १२.९५ लाख रुपए कमाता था।

मृतक की पत्नी, मां और नाबालिग बच्चे ने याचिका में २.१७ करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की थी। बता दें कि ट्रक मालिक ट्रिब्यूनल के सामने पेश नहीं हुआ इसलिए ट्रिब्यूनल ने उसके खिलाफ एकपक्षीय आदेश पारित किया है। ट्रिब्यूनल के सदस्य एसएन शाह ने ट्रक के मालिक और उसके बीमाकर्ता को दावा दायर करने की तारीख से राशि की वसूली तक ८ फीसदी प्रतिवर्ष ब्याज के साथ संयुक्त रूप से और अलग-अलग भुगतान करने का निर्देश दिए हैं। अगर ये लोग मुआवजे की रकम तय अवधि के भीतर नहीं देते हैं तो राशि पर ८.५० फीसदी प्रतिवर्ष की दर से ब्याज लगेगा।

ट्रिब्यूनल ने आदेश में कहा है कि मुआवजे की राशि में भविष्य में निर्भरता के नुकसान के लिए १.०६ करोड़ रुपए, भविष्य की संभावनाओं के लिए आय के लिए ४२.६८ लाख रुपए, संपत्ति के नुकसान और अंतिम संस्कार के खर्च के लिए १५ हजार रुपए और फ़िलियल कंसोर्टियम के लिए ४० हजार रुपए शामिल है। इसके साथ ही ट्रिब्यूनल ने राशि का बंटवारा भी किया है। मृतक की पत्नी को ७० लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। ३०-३० लाख रुपए उसके और उसके बच्चे के नाम पर एफडी की जाएगी। वहीं, २०.१ लाख रुपए मृतक की मां को दिए जाएंगे।

नए साल में निवेशकों को हुई 6 लाख करोड़ की कमाई

मुंबई (ईएमएस): एशियाई बाजारों में गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर मार्केट में गजब की तेजी दिख रही है। पिछले दो दिनों से बाजार में लगातार तेजी बनी हुई है, इससे निवेशकों की संपत्ति में बंपर इजाफा हुआ है। २ जनवरी को शेयर बाजार ने एक नया रिकॉर्ड तोड़कर बड़ी छलांग लगाई, और निवेशकों को ६ लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई। अगले सप्ताह शुरू होने वाले तिमाही इनकम सेशन से पहले फाइनेंस, ऑटो और आईटी शेयरों में बढ़त रही।

इस तेजी से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप करीब ५.५८ लाख करोड़ रुपये बढ़कर ४५०.०१ लाख करोड़ रुपये हो गया। दोपहर बाद २.२० बजे सेंसेक्स १३८३.८८ अंक की तेजी के साथ ७९,८९१.२९ अंक पर ट्रेड कर रहा था। वहीं निफ्टी ४२८.७५ अंक की तेजी के साथ २४,१७१.६५ अंक पर था।

दरअसल दिसंबर में मजबूत बिक्री आंकड़ों की बदौलत ऑटो शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि महीने के दौरान आमतौर पर मांग कम रहती है। आयशर मोटर्स के शेयरों में ७ प्रतिशत की तेजी आई।

कंपनी का कहना है कि रॉयल एनफील्ड की बिक्री में दिसंबर में पिछले साल के मुकाबले २५ प्रतिशत तेजी रही। दिसंबर में कंपनी ने ७९,४६६ यूनिट्स की बिक्री की जबकि पिछले साल इसी महीने में ६३,८८७ यूनिट्स की बिक्री हुई थी। देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी के शेयरों में भी ४.५ प्रतिशत तेजी आई। कंपनी ने दिसंबर में बिक्री में ३० प्रतिशत की तेजी दर्ज की। एक साल पहले १,३७,५५१ यूनिट्स की तुलना में इस बार उसने १,७८,२४८ यूनिट्स की डिलीवरी की।

इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) और अशोक लीलैंड के शेयरों में ४ प्रतिशत से अधिक तेजी आई। इन कंपनियों की बिक्री दिसंबर में उम्मीद से बेहतर रही। वित्तीय क्षेत्र के बाद दूसरा सबसे बड़े सेक्टर आईटी के इंडेक्स में भी करीब दो फीसदी की तेजी आई। इंफोसिस टीसीएस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा सहित प्रमुख आईटी कंपनियों ने सामूहिक रूप से सेंसेक्स की रैली में ३०० से अधिक अंक जोड़े।

वहीं २०२५ के लिए भारत की आर्थिक रणनीति से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था का बुरा दौर गुजर चुका है और १-२ तिमाहियों के भीतर विकास में तेजी आने की उम्मीद है। बाजार जानकार का कहना है कि सितंबर में ५ प्रतिशत की वृद्धि और कम औद्योगिक विकास के साथ बुरा दौर अब गुजर रहा है। नीतिगत कार्रवाई की अनिश्चितताओं के आगे दूर होने और आधार रीसेट होने के साथ १-२ तिमाहियों में विकास में तेजी आ सकती है। वहीं बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में भी जोरदार उछाल दिखाई दिया। इसकी अगुआई बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस ने की, जो क्रमशः लगभग ६ प्रतिशत और ८ प्रतिशत चढ़े।

एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और इंडसइंड बैंक सहित अन्य निजी बैंकों ने भी तेजी में योगदान दिया। पिछले दो हफ्तों में निफ्टी ने ऊपर की ओर २३९०० और नीचे की ओर २३५०० की रेंज के भीतर कारोबार किया है। गुरुवार की वीकली एक्सपायरी पर खरीदारी के बीच इस रेंज के ऊपरी बैंड के ऊपर एक निर्णायक ब्रेकआउट देखा गया।

रिलायंस ने नवी मुंबई में कौड़ियों के भाव में खरीदी जमीन

मुंबई (ईएमएस): रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने महाराष्ट्र के नवी मुंबई में स्थित ५,२८६ एकड़ भूमि के एक बड़े औद्योगिक पैमाने को २,२०० करोड़ रुपये में खरीदा है। यह जमीन नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक प्रोजेक्ट और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) जैसी प्रमुख परियोजनाओं के पास मौजूद है। इस भूमि की बिक्री जय कॉर्प लिमिटेड द्वारा की गई, इसमें अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड की सहायक कंपनी द्रोणागिरी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड (पहले नवी मुंबई एसईजेड) में अपनी ७४ प्रतिशत हिस्सेदारी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को बेची है।

रिलायंस ने १३ दिसंबर २०२४ को बताया था कि उसने नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड के ५७.१२ करोड़ इक्विटी शेयरों को २८.५० रुपये प्रति शेयर की कीमत पर खरीदा है, इससे इस परियोजना की कुल मूल्यांकन २,२०० करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यह जमीन नवी मुंबई के द्रोणागिरी और कलंबोल क्षेत्रों के स्पेशल प्लानिंग अथॉरिटी के तहत आती है। इस परियोजना के माध्यम से रिलायंस ने न केवल अपनी औद्योगिक निवेश योजनाओं को और मजबूती दी है, बल्कि इस रणनीतिक स्थान पर भूमि अधिग्रहण करके खुद को भविष्य में कई प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर विकास परियोजनाओं से जोड़ लिया है।

नवी मुंबई आईआईए प्राइवेट लिमिटेड के पास करीब २,१४० हेक्टेयर (करीब ५,२८६ एकड़) भूमि है, और यह परियोजना महाराष्ट्र सरकार द्वारा एकीकृत औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित की जा रही है। इसके विकास के बाद इस क्षेत्र में अत्यधिक आर्थिक गतिविधियों की संभावना है, खासकर जब नवी मुंबई एयरपोर्ट और ट्रांस हार्बर लिंक जैसी परियोजनाएं पूरी होंगी। इन प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के पास स्थित इस भूमि का उपयोग औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए होगा, जिससे इस क्षेत्र की समृद्धि में वृद्धि होगी।

इस निवेश से रिलायंस ने अपनी औद्योगिक गतिविधियों में और मजबूती लाई है और यह परियोजना न केवल कंपनी के लिए बल्कि पूरे महाराष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण विकास का कदम साबित होगी। अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड और इसके साझेदारों के लिए यह सौदा एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुआ है, जिससे रिलायंस ने एक मजबूत और रणनीतिक निवेश किया है। इस निवेश के द्वारा रिलायंस इंडस्ट्रीज भविष्य में इस क्षेत्र में प्रमुख औद्योगिक विकास की दिशा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

मंईयां सम्मान योजना का राज्यस्तरीय कार्यक्रम 6 को, डीसी ने लिया तैयारियों का जायजा

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का राज्यस्तरीय कार्यक्रम ६ जनवरी को रांची के नामकुम स्थित आर्मी ग्राउंड में होगा. रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने गुरुवार को नामकुम के खोजाटोली स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए.

उन्होंने हर बिंदु पर बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों को समय पर सारे कार्य पूरा करने का निर्देश दिया. कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्व को अच्छे से निभाएं.

पार्किंग स्थल सुनिश्चित करें

डीसी ने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम में राज्यभर से बड़ी संख्या में लाभुक महिलाएं पहुंचेंगी. वे जिन बसों से कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगी, उनके लिए पार्किंग स्थल पूर्ण रूप से सुनिश्चित रखें. ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुगम बनी रहे.

वाहनों का रूट-चार्ट निर्धारित

कार्यक्रम में पूरे राज्य से लाखों की संख्या में लाभुक महिलाएं शामिल होंगी. विभिन्न जिलों से लाभुकों को लेकर आनेवाले वाहनों के लिए रूट-चार्ट निर्धारित किया गया है.

बसें रिंग रोड से वाया खरसीदाग कुटीयातू मोड़ होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगी. वीआईपी व वीवीआईपी वाहन सदाबहार चौक नामकुम से होकर कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे.

निरीक्षण के दौरान ये अधिकारी रहे मौजूद

डीसी के निरीक्षण के दौरान रांची के ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल, डीडीसी दिनेश कुमार यादव, सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था राजेश्वर नाथ आलोक, डीटीओ अखिलेश कुमार, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा रविशंकर मिश्रा, जिला नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पाण्डेय समेत अधिक अधिकारी उपस्थित थे.

घूस लेते सदर सीओ को एसीबी ने किया गिरफ्तार डीजीपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किया पूरा खुलासा

रांची (एजेंसी): भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की कार्रवाई लगातार जारी है. इसी दौरान रांची एसीबी की टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए रांची सदर सीओ मुंशी राम को घूस लेते गिरफ्तार किया है. गुरुवार को एसीबी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए डीजीपी अनुराग गुप्ता ने जानकारी दी. बताया कि खाता संख्या-१५० खेसरा संख्या -४१५ बी मौजा सिरम टोली चुटिया थाना नंबर-२१० शहर अंचल कुल रकबा ३ कट्ठा ०८ छटाक जमीन अपर चुटिया, सरदार गली भट्ठी टोली में है. सीओ द्वारा उस जमीन का सीमांकन कराने के लिए सीओ मुंशी राम के द्वारा दो बार फीस लिया गया. लेकिन सीमांकन नहीं कराया गया.

इसी दौरान बीते २७ दिसंबर को मुंशी राम द्वारा अपने मोबाइल से परिवादी के मोबाइल पर फोन कर सिरम टोली चौक बुलाया गया और उस जमीन का सीमांकन कराने के एवज में राशि ३७ हजार रूपया रिश्वत की मांग की गई. परिवादी रिश्वत देकर काम नहीं कराना चाहते थे. जिसके बाद इसकी शिकायत एसीबी की गई.

एसीबी की टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए सीओ ३७ हजार रूपया घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद एसीबी की टीम ने सीओ के घर पर भी छापेमारी की, जहां से ११.४२ लाख रुपया बरामद किया गया.

सीएम ने डीजीपी को दिया है आदेश

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बीते २३ दिसंबर २०२४ में कहा था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है. उन्होंने डीजीपी को निर्देश देते हुए कहा कि अंचल कार्यालयों में भ्रष्टाचार की मिली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई करें, ताकि आम लोगों को कोई असुविधा नहीं हो और कोई भी भ्रष्टाचारी बचे नहीं. सीएम ने डीजीपी समेत अन्य वरीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि एसीबी उड़नदस्ते का गठन कर लगातार अंचल व प्रखंड कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर छापामारी करें.

खत्म हुआ भक्तों का इंतजार, राज्य के सबसे बड़े राधा-कृष्ण मंदिर का उद्घाटन 5 को

रांची (एजेंसी): राजधानी रांची के पुंदाग में राज्य के सबसे बड़े राधा-कृष्ण मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो गया है. इसका उद्घाटन पांच जनवरी को होगा. इस मंदिर के निर्माण कार्य में सात साल का समय लगा. लगभग दो करोड़ रुपए खर्च किए गए. श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर के उद्घाटन में देश-विदेश से प्रणामी समाज के लोग शामिल होंगे. उद्घाटन के अवसर पर चार दिनी श्रीमदभागवत कथा का आयोजन किया जाएगा. मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ गरीब असहाय लोगों की सहायता भी की जाएगी.

क्या है मंदिर की खासियत- मंदिर के अंदर पूरे कांच से बेहद खूबसूरत कलाकारी का नजारा दिखेगा

दूसरे तल्ले पर घर आश्रम बनाया गया है. जिसमें दिव्यांगों को रखा जाएगा.

दिव्यांग और बेसहारा को खाना पीना, कपड़ा व चिकित्सा सुविधाएं हर चीज दी जाएगी.

मंदिर के किचन में तीन वक्त का खाना बनेगा

मंदिर में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे दिव्यांगजन या वृद्ध को दूसरे या तीसरे तल्ले जाने में परेशानी ना हो. मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर महाभारत काल तक की झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी. बाउंड्री में २० से २५ रथ के चक्के देखने को मिलेंगे. इसको गोल्डन रंग से रंगा गया है,

मंदिर में पीने के लिए शुद्ध जल और आरओ पानी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है.

मंदिर का निर्माण ३५०० वर्ग फीट में किया गया है. मंदिर का मुख्य द्वार में गोवर्धन पर्वत उठाएं भगवान श्री कृष्ण के दर्शन होंगे.

एडीजी सुमन गुप्ता ने ई-साक्ष्य ऐप को लेकर की समीक्षा बैठक, दिए कई निर्देश

रांची (एजेंसी): एडीजी प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण सुमन गुप्ता ने गुरुवार को ई-साक्ष्य ऐप को लेकर समीक्षा बैठक की. बैठक में सभी जिलों के एसएसपी, एसपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए. इस बैठक में अपराधिक कानून में प्रावधानित अपराध दृश्य, घटनास्थल, तलाशी और जब्ति प्रक्रिया और वादी एवं साक्षियों के बयान को इलेक्ट्रानिक माध्यम से रिकॉर्ड किये जाने और ई-साक्ष्य ऐप पर अपलोड करने पर समीक्षा हुई.

समीक्षा में एडीजी ने अनुसंधान के मद्देनजर सभी जिलों के एसपी को इस तथ्य से अवगत कराया कि जिस कांड में सात साल से अधिक का सजा का प्रावधान है, उस कांड की विशेष रूप से वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के लिए शत प्रतिशत अनुसंधानकर्ताओं को ई-साक्ष्य ऐप का उपयोग अनिवार्य रुप से कराया जाए. साथ ही हिदायत दी गयी कि अनुसंधान में वांछित वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी नहीं होने से भविष्य में कोर्ट द्वारा कोई प्रतिकूल टिप्पणी की जाता है या अनुसंधान को खारिज किया जाता है, या फिर झूठा होने का निर्णय दिया जाता है. तो ऐसे में इसकी पूरी जिम्मेदारी कांड के अनुसंधानकर्ता पर होगी.

मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से कैमरून से सभी 47 श्रमिकों की हुई सुरक्षित झारखंड वापसी

रांची (ससे): मुख्यमंत्री के निर्देश पर कैमरून में फंसे झारखंड के श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो रही है. इस क्रम में एक बार फिर गुरुवार को २७ श्रमिकों की सुरक्षित वापसी हुई. शेष ०८ श्रमिक ३ जनवरी की सुबह बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे. मालूम हो कि कैमरून में फँसे ४७ श्रमिकों में से ११ श्रमिकों की वापसी २९ दिसंबर २०२४ को हुई थी, इसके बाद आज गुरुवार को २७ श्रमिकों को सुरक्षित लाया गया था. शेष श्रमिक भी भारत पहुंच चुके हैं, लेकिन ये सभी शुक्रवार की सुबह झारखंड पहुंचेंगे.

झारखंड के हजारीबाग, बोकारो तथा गिरिडीह के ४७ श्रमिक सेंट्रल वेस्ट अफ्रीका के कैमरून में ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड के माध्यम से अगस्त २०२४ से कार्यरत थे, जिन्हें वेतन भुगतान नहीं होने और कंपनी द्वारा अच्छा व्यवहार नहीं किये जाने की जानकारी मुख्यमंत्री को मिलीथी. इसके बाद मुख्यमंत्री ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया था. राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने कार्रवाई करते हुए श्रमिकों और संबंधित कंपनी से संपर्क कर मामले का सत्यापन किया. शिकायत के आधार पर सचिव एवं श्रमायुक्त के निर्देश पर संबंधित जिलों के श्रम अधीक्षकों ने नियोजकों/नियोक्ताओं और बिचौलियों (मिडिलमैन) के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज किया है. कंट्रोल रूम की टीम लगातार ई-मेल और फोन के माध्यम से अधिकारियों, कंपनी एवं श्रमिकों से संपर्क करते हुए श्रमिकों का कुल ३९,७७,७४३ बकाया रुपये का भुगतान कराया.

श्रमिक भाईयों को योजना से जोड़ें, सीएम का आदेश

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों की वापसी के बाद विभागीय सचिव को इन श्रमिकों का पारिवारिक विवरण संग्रह कर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से संबद्ध करने का निर्देश दिया है. इस निर्देश के बाद सभी संबंधित श्रम अधीक्षकों ने श्रमिकों का विवरण प्राप्त कर उन्हें योजनाओं का लाभ देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.

7 को होगी झारखंड कैबिनेट की बैठक

रांची (एजेंसी): नए साल में हेमंत सरकार का पहला कैबिनेट सात जनवरी को होगा. बैठक शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में शुरू होगी. यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय ने दी. बैठक में कई जनकल्याणकारी योजनाओं सहित कृषि, सड़क, सहित अन्य विभागों के प्रस्तावों को हरी झंडी मिल सकती है.

पृष्ठ एक का शेषांश

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में---

नए क्षेत्रों, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी (एआई), मशीन लर्निंग, हाइपरसोनिक और रोबोटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित होगा। मंत्रालय ने कहा कि सुधारात्मक उपायों को सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार इसतरह के बल में बदलने के लिए लागू किया जाएगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा, सुधार का वर्ष सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा, यह देश की रक्षा तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव रखेगा और इस प्रकार २१वीं सदी की चुनौतियों के बीच राष्ट्र की सुरक्षा एवं संप्रभुता सुनिश्चित करने की तैयारी करेगा।

गढ़चिरौली में 11 नक्सलियों ने---

वह भी आत्मसमर्पण कर मुख्याधारा से खुद को जोड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने अजमेर दरगाह---

अकीदत के साथ निभाया है। वे हर साल चादर भेजते हैं और इस परंपरा को पूरी गरिमा के साथ निभाते हैं। आज भी हमारे पास जानकारी है कि प्रधानमंत्री मोदी अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू को गुरुवार की शाम चादर सौंपेंगे। यह एक सकारात्मक संदेश है और उन लोगों के लिए जवाब है, जो कुछ महीनों से मंदिर-मस्जिद के विवाद को हवा दे रहे हैं। हमारा देश की सभ्यता और संस्कृति यही है कि सभी धर्मों और मज़हबों का सम्मान किया जाए। प्रधानमंत्री मोदी का सबका साथ, सबका विकास, सबका सम्मान का सिद्धांत इस परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह एक सकारात्मक संदेश है और मैं हमेशा इसका समर्थन करता रहूंगा। जब चादर आएगी, तो हम उसकी मेजबानी के लिए तैयार रहेंगे। यह उन लोगों को जवाब है, जो देश को तोड़ने की बात कर रहे हैं और मजहब के नाम पर विवाद खड़ा कर रहे हैं।

ऋषि कश्यप के नाम---

में बैठकर नहीं लिखा जाता। उसे समझने के लिए संबंधित स्थान पर जाना पड़ता है। भारत को समझने का प्रयास तभी सच्चा हो सकता है, जब इसकी सांस्कृतिक परंपरा को गहराई से समझा जाए। गृहमंत्री ने भारत की सांस्कृतिक एकता और विविधता की महत्ता पर जोर दिया और कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत की अखंडता हमारी सांस्कृतिक विरासत से परिभाषित होती है।

सिंगर दिलजीत ने की पीएम---

साथ एंट्री करते नजर आ रहे हैं। वह पीएम मोदी को देखते ही सिर झुकाकर उन्हें प्रणाम करते हैं। इस बैठक के बाद दोसांझ ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि २०२५ की जबरदस्त शुरुआत। पीएम मोदी जी से एक बेहद यादगार मुलाकात। हमने म्यूजिक सहित कई चीजों पर बातचीत की।

हमें दोष न दें और घुसपैठ---

जानकारी भी मिली है। मैं इस संबंध में एक पत्र लिखूंगी। मैं देश और बांग्लादेश में भी शांति चाहती हूं। हमारे बीच कोई दुश्मनी नहीं है। अगर मुझे नजर आएगा कि कोई मेरे राज्य में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है तो मैं विरोध करूंगी।

ठिठुरा झारखंड, न्यूनतम तापमान में गिरावट 15 जिलों का पारा 10 डिग्री से नीचे

रांची (एजेंसी): पूरे झारखंड में शीतलहर चल रही है. न्यूनतम पारा गिर कर ५.२ डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गया है. मौसम विभाग के अनुसार, तीन जनवरी को सुबह में हल्के दर्जे का कोहरा छाया रहेगा. लेकिन बाद में आसमान साफ हो जाएगा. गुमला में सबसे कम न्यूनतम तापमान ५.२ डिग्री सेंटीग्रेड दर्ज किया गया है.

पिछले तीन दिन में 8.3 डिग्री सेंटीग्रेड गिरा पारा

राज्य में पिछले तीन दिनों में तापमान में ८.३ डिग्री सेंटीग्रेट गिरावट आई है. राजधानी रांची में ३१ दिसंबर २०२४ को पारा में ४.९ डिग्री गिरावट दर्ज की गई थी. एक जनवरी को १.४ डिग्री सेंटीग्रेड और दो जनवरी को दो डिग्री सेंटीग्रेड न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई. वहीं राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान १० डिग्री सेंटीग्रेड से नीचे आ गया है. न्यूनतम तापमान रांची के कांके में दर्ज किया गया है.

15 जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेंटीग्रेड से नीचे

झारखंड के १५ जिलों का न्यूनतम तापमान १० डिग्री सेंटीग्रेड से नीचे पहुंच गया है. मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक तापमान में बदलाव की कोई संभावना नहीं है. इसके बाद दो से चार डिग्री सेंटीग्रेड तापमान में वृद्धि की संभावना है.

वहीं रांची में शुक्रवार को अधिकतम तापमान २३ डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना जताई गई है.

33 खेल प्रतिभाओं को मिलेगा जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न पुरस्कार, समारोह 5 को

रांची (एजेंसी): उम्मीद फाउंडेशन के तत्वावधान में ५ जनवरी २०२५ को जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार २०२४ का आयोजन रांची के आड्रे हाउस में किया जायेगा. कार्यक्रम में राज्य के ३३ उत्कृष्ट खिलाड़ियों और उनके कोच को सम्मानित किया जायेगा. आज गुरुवार को मोहराबादी मैदान स्थित निजी रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेस वार्ता में उम्मीद फाउंडेशन की कोर कमेटी ने पुरस्कृत होने वाले खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की. इस बार कुल पांच श्रेणी में पुरस्कार दिये जायेंगे. इनमें जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न पुरस्कार, जयपाल सिंह खेल पुरस्कार, गुरु सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार, गुरु द्रोणाचार्य अवॉर्ड, झारखंड खेल रत्न पुरस्कार आदि शामिल है.

राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को हाईकोर्ट राहत, कांके थाना में दर्ज प्राथमिकी निरस्त

रांची (एजेंसी): भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को गुरुवार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. अदालत ने उनके खिलाफ रांची एमपी-एमएलए कोर्ट की कार्रवाई को खत्म कर दिया है. इसके साथ ही अदालत ने सांसद दीपक प्रकाश के खिलाफ कांके थाना में दर्ज ऋखठ को निरस्त कर दिया है. जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई. बता दें कि कांके के सुकुरहुट्टू इलाके में किसान आंदोलन से जुड़े मामले को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश और कांके विधायक समरी लाल समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी थी. उक्त लोगों के खिलाफ कांके थाना में कांड संख्या १४१/२०२१ दर्ज की गयी थी. सांसद दीपक प्रकाश और विधायक समरी लाल के खिलाफ आईपीसी की धारा १८८, २६९, २७० और एपेडेमिक एक्ट के तहत आरोप गठित किया गया था.

रेलवे और एचईसी की जमीन से उजाड़े गये बेघर परिवारों का ठंड में हाल बेहाल, बच्चे होने लगे हैं बीमार

रांची (एजेंसी): रेलवे और एचईसी की जमीन पर बसे अवैध कब्जाधारियों को प्रशासन पिछले पंद्रह दिन से हटा रहा है. बिरसा चौक, बाईपास रोड, पत्थर कोचा और सुंदरगढ़ में अवैध कब्जाधारियों को हटाया गया है. इस कारण बेघर हुए लोग ठंड से ठिठुर रहे हैं. बेघर लोग अपने और परिवार को बचाने के लिए खुले आसमान के नीचे प्लास्टिक के छप्पर लगाकर जीवन काट रहे हैं. राजधानी में इन दिनों ८.५ से १२-१३ डिग्री सेल्सियस तापमान रह रहा है.

ठंड के कारण लोग बीमार हो रहे हैं. इनके बच्चे भी ठंड लगने से बीमार पड़ रहे हैं. इन बेघर लोगों ने बताया कि पुनर्वास किये बिना उन्हें उजाड़ दिया गया है. उनके पास रहने के लिए घर नहीं है. कमाने-खाने के इंतजाम नहीं हैं. पहले फटे तिरपाल और तंबुओं में रह रहे थे. प्रशासन ने उजाड़ा तो तिरपाल और तंबू भी नष्ट हो गये. लोगों का कहना है कि जब जेसीबी का आवाज सुनाई पड़ती हैं, तो सभी डर जा रहे है. सभी एक जगह इकठ्ठा हो जाते हैं. रात के समय में ठंड काफी बढ़ जाती है. हमारे पास न छत है और न ही ठंड से बचने क लिए गर्म कपड़े.

नया साल डर के साये में बीता

सुंदरगढ़ के रहने वाले अजय नायक ने कहा कि उनके इलाके में एक हजार लोग होंगे. सभी लोग डरे और सहमे हुए हैं. क्योंकि एचईसी के अधिकारी कब उनके घरों पर बुलडोजर चलवा दे. यह बात सभी परिवारों को सता रही है. जेसीबी की आवाज सुनते ही बच्चे घर की ओर दौड़ लगाते हैं. मां बाप को आवाज देना शुरू कर देते हैं. उनसे लिपट जाते हैं.

हंसते खेलते बच्चों की मुस्कान खत्म हो गयी : नीला देवी

नीला देवी साड़ी के आंचल से अपने आंसू पोछते हुए कहती है कि सरकार बेहरम हो गयी है. उनका बनाया हुआ घर जेसीबी लगाकर तोड़वा दिया. कहा कि यहां की महिलाएं आसपास के मुहल्लों में लोगों के घरों में चौका बर्तन करती है. इससे जो पैसा आता है, उससे हमलोगों का घर किसी तरह चलता है.

चावल, तेल और बच्चो के लिए कपड़े खरीदते है. इसी से परिवार चल रहा था. लेकिन रेलवे ने हंसते खेलते बच्चों से उनका बचपन छीन लिया. आंसू पोछते हुए कहती है कि हम तो इसी जगह बूढ़े हो गये.

बेटा पतोहू के पास घर बनाने के लिए पैसा नहीं है. उनके बेटे बेटी सभी गंदे कपड़े पहन रहे हैं. इनके पास खाना पकाने के लिए चूल् तक नहीं है. तीन ईट का चूल्हा बना कर खाना पका रहे हैं.

आंख से आंसू बहते देख बच्चे रोने लगते हैं : गायत्री देवी

दोनो पैर से विकलांग गायत्री देवी ने कहा कि घर बसने से पहले उजाड़ दिया होता तो आज परिवार बिखरने का नौबत नहीं आती. दो छोटे छोटे बच्चे हैं. दिन रात आंख से आंसू ही निकलते हैं. जब मां के आंसू गिरने शुरू होते हैं यह देखकर बच्चे भी रोने लगते हैं. दो पीढ़ियां गुजर गये. माता पिता, सास ससुर सभी इसी जगह गुजर गये. आज यहां पर बड़े बड़े घर बन गये हैं. कहा कि पांच महीना से विकलांगता पेंशन नहीं मिल रही है.

बेघर हुए परिवारों के बच्चे बीमार होने लगे हैं : बसंती देवी

बसंती देवी के दो छोटे बच्चे हैं. उजड़ने के बाद छोटी सी प्लास्टिक की झोपड़ी बनाकर रह रहे है. आसमान से पाला गिर रहा है. जमीन पर साड़ी और गमछा बिछा कर सोते हैं. झोपड़ी के अंदर ठंडी हवा घुसतीरहा है. पूरा परिवार बीमार हो गया है. दवा खरीदने के लिए पैसे नहीं है. गरम पानी करने के लिए चूल्हा नही है. जलाने के लिए लकड़ी नही है. बर्तन धोने के लिए पानी नही है

झोपडी के बगल के खेत में छोटा सा तालाब है. यहां गंदा पानी रहता है. घर के बर्तन धोने और खाना बनाने के लिए यही गंदा पानी का उपयोग कर रहे है. पांच साल का छोटा बच्चा और मां दोनों ठंड से बीमार हो गए है. बच्चे सत्यम को ठंड लग गयी है. इसी हालात में जमीन पर दिन भर सो रहा है. मां को भी बुखार है. उसकी आवाज भी बदल गयी है.

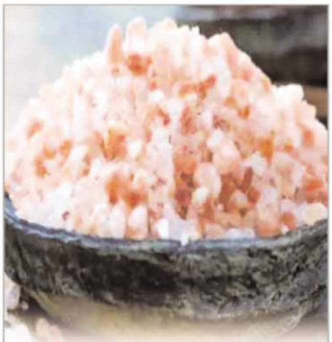

सेहत के मामले में बहुत गुणकारी है सेंधा नमक

भारतीय घरों में सेंधा नमक का इस्तेमाल खूब किया जाता है। आमतौर पर व्रत के खाने में इसे इस्तेमाल किया जाता है। सेहत के मामले में भी यह नमक बहुत गुणकारी है। सेंधा नमक का प्रयोग आयुर्वेद में सालों से उपचार के लिए किया जाता रहा है। एक हालिया अध्ययन की मानें तो यह नमक पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मददगार है। अगर आपको पाचन की समस्या है या सर्दी लगी है तो सेंधा नमक की मदद से आप आराम पा सकते हैं।

सामान्य नमक में दो तत्व खासतौर पर पाए जाते हैं- सोडियम और क्लोराइड. जबकि सेंधा नमक आयरन, जिंक, निकेल, कोबाल्ट, मैग्नीज, कॉपर रिच होता है जो हमारी सेहत के लिए जरूरी तत्व हैं। इसके अलावा अनिद्रा की शिकायत को दूर करने में भी यह नमक मददगार है। सेंधा नमक में पाए जाने वाले मिनरल्स व्यक्ति को कई रोगों से दूर रखने में मदद करते हैं। यह नमक पाचक रसों का निर्माण करता है, इसलिए यह पाचन को दुरुस्त रखने का काम भी करता है। सेंधा नमक का उपयोग करने से ब्लड प्रेशर के उपचार, कब्ज, अपच, गैस व सीने में जलन जैसी कई बीमारियों के लक्षणों को भी कम करने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही सेंधा नमक के कुछ गजब के फायदे।

ब्लडप्रेशर करे कंट्रोल

सेंधा नमक हाई ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करके कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है जिससे हार्ट अटैक का खतरा भी कम रहता है।

स्ट्रेस करता है कम

सेंधा नमक स्ट्रेस कम करने में भी मदद करता है। इतना ही नहीं यह सेरोटोनिन और मेलाटोनिन हार्मोन्स का बैलेंस बनाएं रखता है जो तनाव से लड़ने में मदद करते हैं।

बॉडी पेन करता है कम

सेंधा नमक मांसपेशियों के दर्द और ऐंठन के साथ ही ज्वाइंट्स पेन को भी कम करने का काम करता है।

साइनस में दे राहत

साइनस के दर्द से छुटकारा पाने के लिए सेंधा का सेवन फायदेमंद रहता है। अगर आपको स्टोन की प्राब्लम है तो सेंधा नमक और नींबू को पानी में मिलाकर पीने से कुछ ही दिनों में पथरी गलने लगती है।

अस्थमा को करे दूर

अस्थमा, डायबिटीज और आर्थराइटिस के मरीजों के लिए सेंधा नमक का सेवन काफी फायदेमंद होता है। नींद न आने की समस्या में भी सेंधा नमक काफी फायदेमंद होता है।

गले की खराश के लिए सेंधा नमक

सेंधा नमक में डिकंजेस्टेंट गुण हो सकते हैं, जो गले में फंसे बैक्टीरिया युक्त बलगम को पतला कर उसे शरीर से बाहर निकालने में मदद कर सकते हैं। साथ ही यह खांसी की समस्या से भी राहत दिला सकता है। गले में खराश की समस्या दूर करने के लिए सेंधा नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे किए जा सकते हैं।

लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

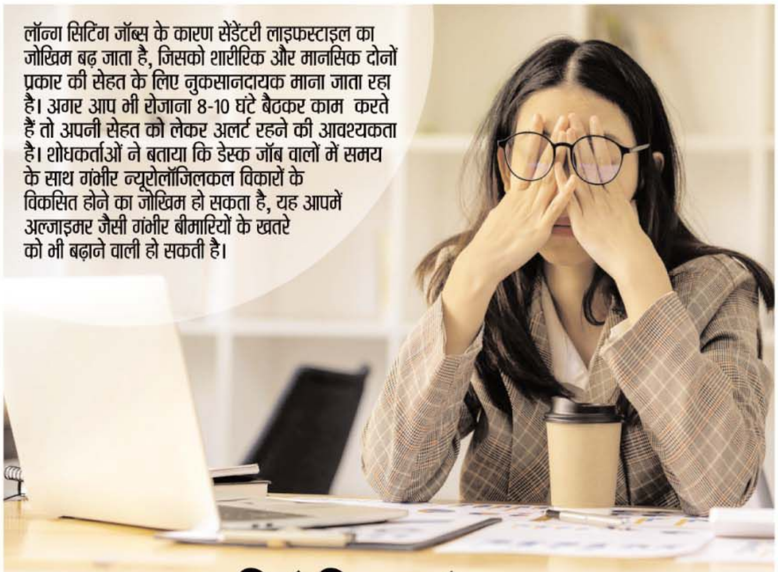

अल्जाइमर-डिमेंशिया रोग का खतरा बढ़ा रही है 8-10 घंटे की डेस्क जॉब

डेस्क जॉब या लंबे समय तक एक स्थान पर बैठकर काम करते रहने की आदत को पहले के अध्ययनों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं वाला बताया गया है। लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। अल्जाइमर रोग, डिमेंशिया के प्रमुख कारणों में से एक है, आमतौर पर इसका जोखिम 60 की उम्र के बाद वाले लोगों में देखा जाता रहा है। हालांकि इस शोध में बताया गया है कि जॉब करने वाले लोगों में भी इस रोग का जोखिम बढ़ता जा रहा है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल और डिमेंशिया का खतरा

कुछ दशकों पहले तक वयस्कों में डिमेंशिया या अल्जाइमर रोग के खतरे को न के बराबर माना जा रहा था, हालांकि समय के साथ इस आयु वर्ग में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ते हुए देखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वर्तमान में 55 मिलियन लोग अल्जाइमर-डिमेंशिया से पीड़ित हैं। लाइफस्टाइल की समस्याओं के चलते इस तरह की समस्याओं को जोखिम और भी बढ़ गया है। इससे संबंधित प्रकाशित अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया अगर आप रोजाना 10 घंटे से अधिक की सिटिंग जॉब करते हैं तो ये स्थिति आपमें डिमेंशिया के विकसित होने का कारण हो सकता है।

गतिहीन व्यवहार संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक लेखकों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आधे से ज्यादा अमेरिकी लोगों के दिन का करीब साढ़े नौ घंटे से अधिक का समय बैठे हुए बीतता है और ये आदत संज्ञानात्मक और संरचनात्मक मस्तिष्क की उम्र बढ़ने से जुड़ी हुई है। गतिहीन व्यवहार में सिर्फ ऑफिस में लंबे समय तक बैठना ही नहीं, लंबे समय तक बैठकर टेलीविजन देखना, कंप्यूटर पर काम करना और गाड़ी चलाना भी इसमें शामिल है।

अध्ययन में क्या पता चला?

गतिहीन व्यवहार किस प्रकार से मस्तिष्क के लिए समस्याकारक है, इसको जानने के लिए शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक से डेटा एकत्र किया। प्रतिभागियों को एक सप्ताह के लिए अपनी कलाई पर एक्सेलेरोमीटर पहनने के लिए कहा गया। फिर एकत्र किए गए डेटा पर एक मशीन लर्निंग-आधारित विश्लेषण किया गया ताकि यह आकलन किया जा सके कि वे कितने गतिहीन थे।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

डिमेंशिया के जोखिमों के बारे में अध्ययनकर्ता डॉ. कोहेन कहती हैं, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को पहले से ही कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता था, जिसमें मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी समस्याएं थीं, इसके कारण अब डिमेंशिया का जोखिम भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। शारीरिक निष्क्रियता, वैस्कुलर हेल्थ के लिए भी हानिकारक है, ये मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को कम करके सेरेब्रोवास्कुलर रोग होने की आशंका को बढ़ा सकती है।

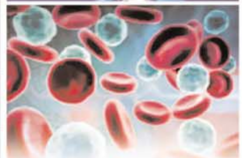

बॉडी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं वाइट ब्लड सेल्स

सफेद रक्त कोशिकाएं यानी वाइट ब्लड सेल्स खून में पाई जाने वाली ब्लड सेल्स हैं, जो बॉडी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं। इनका काम शरीर में ब्लड प्रेशर मेंटेन रखना, खून को साफ रखना और इन्फेक्शन से लड़ना है। इतना ही नहीं, यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती हैं, खून में मौजूद गंदगी को हटाती हैं, संक्रमण को मारकर उन्हें बाहर निकालती हैं। शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं की कमी से आपको संक्रमण बढ़ने, बुखार, त्वचा की समस्याएं, बैक्टीरियल ब्लड इन्फेक्शन, दर्द और सूजन, खून की रुकावट, अस्थमा, कमजोरी, थकान आदि जैसे लक्षण और समस्याएं हो सकती हैं। यदि आपको इन लक्षणों में से कुछ दिखाई देते हैं या यदि आपको लगता है कि आपकी सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो सकती है, तो आपको अपने चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। खाने-पीने की कुछ चीजों के सेवन से आपको शरीर में वाइट ब्लड सेल्स बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

संतरा - संतरा विटामिन सी का अच्छा स्रोत होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या बढ़ा सकता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत कर सकता है। संतरा एंटीऑक्सीडेंट का भी खजाना है और इसके सेवन से WBC बढ़ती हैं।

आम - आम में भरपूर मात्रा में विटामिन ए होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की वृद्धि को बढ़ा सकता है। 1 कप (165 ग्राम) आम आपकी दैनिक विटामिन सी की जरूरत पूरी करता है। इससे सफेद रक्त कोशिकाएं बढ़ती हैं।

अमरूद - अमरूद भी विटामिन सी का बढ़िया स्रोत होता है और सफेद रक्त कोशिकाओं की मात्रा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा अमरूद ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करता है।

अदरक - अदरक में अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की सुरक्षा कर सकते हैं और उन्हें बढ़ाने का काम करते हैं। अदरक के सेवन से ऑटोइम्यून बीमारियों वाले लोगों में सूजन को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

ब्रोकली - ब्रोकली में विटामिन सी, बी6, और ए विटामिन की अच्छी मात्रा होती है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। ब्रोकोली के सेवन से इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इनके अलावा पालक, लहसुन, किशमिश, दही और खजूर जैसी चीजों के सेवन से भी वाइट ब्लड सेल्स को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

दिमाग को रखना हैं शांत तो खाएं सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के फूल के बारे में तो आप सबने सुना होगा लेकिन इसके बीज भी सेहत के लिए बड़े ही फायदेमंद होते हैं। सूरजमुखी को एक औषधीय पौधा भी माना जाता है। इसके बीजों का इस्तेमाल ड्राईफूड के तौर पर भी किया जाता है। वहीं इसके तेल का इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा किया जाता है। इसमें लिनोलिक एसिड, ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, विटामिन ई, डी और ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

दिमाग बनाए शांत

इसके बीजों में ट्रीप्टोफैन उच्च मात्रा में होने के कारण यह आपके दिमाग को शांत रखने में काफी मदद करता हैं। यह आपको माइग्रेन और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाता हैं।

ह्रदय रोगों से बचाएं

सूरजमुखी के बीज में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होने के कारण यह मनुष्य शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट अटैक आने से रोकते हैं। इसके बीजों में उच्च मात्रा में बीजाइन पाया जाता है, जो हाई ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल पाता हैं।

पाचन क्रिया में मदद

इन बीजों में बड़ी मात्रा में फाइबर पाया जाता हैं। जो पेट की समस्याएं कब्ज, कैंसर और बवासीर जैसी बिमारियों से राहत देते हैं। इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से कब्ज जैसी बीमारी से राहत मिल सकती हैं।

हड्डियों को रखे मजबूत

सूरजमुखी के बीजों में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होने के कारण यह हमारी हड्डियों को मजबूत और लचीलापन लाते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों की सरंचना करने में मदद करता हैं।

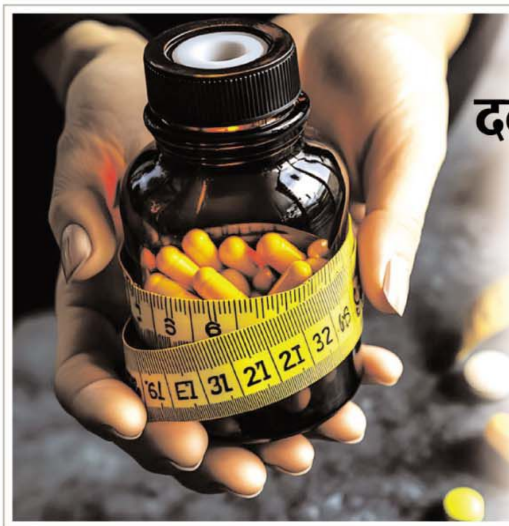

अगर आप भी वजन कम करने वाली दवाएं लेते हैं तो हो जाएं सावधान

लोग फिट रहने और वजन कम करने के लिए दवाएं तक लेने से नहीं चूकते और वे यह भूल जाते हैं कि ये दवाएं घातक साइड इफेक्ट दे सकती हैं। यानी मोटापा कम करने वाली दवाओं के सेवन से अतिरिक्त प्रभाव भी होते हैं, जिनसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वजन कम करने के लिए दवाओं के सेवन से बेहतर होगा कि आप अन्य फंडे अपनायें, जैसे आप कम वसा वाली खुराक ले सकते हैं, बिना रिफाइन किया हुआ आटा इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानें, मोटापा कम करने वाली दवाइयां लेने से क्या नुकसान हो सकते हैं।

- मोटापा कम करने वाली दवाओं के प्रयोग से आंतों में वसा नहीं जमती और वसा मल के साथ निकल जाती है, यानी आपको उतनी ऊर्जा नहीं मिलती जो कि आमतौर पर किसी चीज को खाने से मिलती है और फलस्वरूप आप दुबले होने लगते हैं।
- इन दवाओं के सेवन से लीवर को नुकसान होता है। दरअसल, गुर्दो को नुकसान पहुंचने का कारण आंतों में ऑक्सेलिक अम्ल का अधिक जमाव होना है, जिससे गुर्दे खराब हो सकते हैं।
- शोधों में भी साबित हो चुका है कि मोटापा कम करने वाली दवाएं पैंक्रियाज (अग्न्याशय) को भी नुकसान पहुंचाती है।
- इन दवाओं से सिर्फ गुर्दों को नुकसान ही नही पहुंचता बल्कि गुर्दों में पथरी की शिकायत होने की आशंका भी बढ़ जाती है।
- यह दवाएं आपका मोटापा तो शायद कम न कर पाए, लेकिन आपको उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों के साथ ही याददाश्त में कमी यानी आपकी स्मरण शक्ति को कमजोर करने जैसी गंभीर बीमारियों को अवश्य बढ़ा देती है।
- आमतौर पर लोग मोटापा कम करने वाली दवाओं के विज्ञापन देखकर प्रभावित होते हैं, लेकिन दवा कंपनियों द्वारा दिए जा रहे प्रलोभन भविष्य में आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं।
- यदि आप वजन घटाने के लिए किसी दवा का सेवन करना भी चाहते हैं तो किसी विशेषज्ञ या डॉक्टर के परामर्श बिना मोटापा घटाने वाली दवाओं का सेवन न करें।
- वजन कम करने वाली दवाओं से निद्रा, अवसाद, तनाव रहना, शारीरिक कमजोरी जैसी बीमारियों से ग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता है।
- डॉक्टर्स की मानें तो मोटापा कम करने का सरल व सस्ता उपाय है नियमित सैर करना। यानी आप नियमित रूप से सैर करके अपने वजन को आसानी से कम कर सकते हैं। या फिर आप बैलेंस डाइट लेकर भी वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।
- इतना ही नहीं युवा वजन घटाने के लिए वेट लूज इंजेक्शंस और कैप्सूल्स तक का इस्तेमाल करते हैं। वेट लूज करने वाली ड्रग्स में क्रोमियम का इस्तेमाल किया जाता है, जो मधुमेह रोगियों को दिया जाता है।
- आमतौर पर 20 मिनट तक वर्कआउट करने के बाद शरीर की वसा जलनी शुरू होती है, क्योंकि इससे पहले कार्बोहाइड्रेट बर्न होता है।

क्या आप जानते हैं?

भारत का सबसे बड़ा हीरा ग्रेट मुगल जब 1650 में गोलकुंडा की खान से निकला तो इसका वजन 787 कैरेट था।

पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार 1965 में मलयालम कवि गोविन्द शंकर कुरुप को दिया गया था।

घर घर में गाई जाने वाली आरती ओम जय जगदीश हरे के रचयिता पं. श्रद्धाराम शर्मा थे।

राजस्थान में सुंधा माता नामक एक ऐसा पर्वत है, जहां खंडित मूर्तियों को रखना पवित्र माना जाता है।

बाबर अपने समय की सामान्य रूप से बोली जाने वाली भाषा फारसी में प्रवीण था, पर उसकी मातृभाषा चागताई थी और उसने अपनी आत्मकथा बाबरनामा चागताई में ही लिखी।

याहू डॉट कॉम का नाम पहले जेरीज गॉइड टू वर्ल्ड वाइड वेब था अप्रैल 1994 में इसे बदल कर याहू डॉट कॉम कर दिया गया।

आलू की खेती में विश्व में तीसरा स्थान रखने वाला भारत 16वीं शती से पहले इसके विषय में जानता तक नहीं था।

नीदरलैंड के लोग दुनिया में सबसे ऊंचे होते हैं। यहां पुरुषों की औसत ऊंचाई पांच फुट साढ़े ग्यारह इंच है, लेकिन दक्षिणी नीदरलैंड में यह औसत एक इंच कम है।

यदि आप ध्वनि की गति से तेज चलने वाले विमान कांकॉर्ड में लंदन से न्यूयॉर्क के लिए चलें तो वहां उस समय से भी दो घंटे पहले पहुंच जाएंगे, जब आप चले थे।

विश्व में पक्षियों की 8650 प्रजातियां हैं, जिसमें से 1230 भारत में पाई जाती हैं।

सदाबहार पौधा बारूद जैसे विस्फोटक को पचाकर उन्हें निर्मल कर देता है।

कुम्हड़े की प्रजाति मैक्सिमा का वजन 34 किलोग्राम से भी अधिक होता है।

मुग़ल उद्यान, दिल्ली में अकेले गुलाब की ही 250 से अधिक प्रजातियां हैं।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में प्रतिदिन इतना प्रसाद बंटता है कि 500 रसोइए और 300 सहयोगी रोज काम करते हैं।

मध्यप्रदेश के सांवेर गांव में स्थित हनुमान जी का मंदिर उलटे हनुमान के नाम से प्रसिद्ध है। इसमें स्थापित मूर्ति का सिर नीचे और पैर ऊपर हैं।

कालिदास के गीतिकाव्य ऋतुसंहार के छह सर्गों में उत्तर भारत की छह ऋतुओं का विस्तृत वर्णन किया गया है।

बिच्छू की लगभग 2000 जातियां होती हैं, जो न्यूजीलैंड व अंटार्कटिक छोड़कर विश्व के सभी भागों में पाई जाती हैं।

कहानी

घर का हैप्पी बर्थडे

'हां घर को भी।' कहती हुई मम्मी जल्दी से किचन में चली गईं। थोड़ी देर में ही वहां से सूजी भूनने की खुशबू आने लगी। पापा ने फटाफट काजू काटे। इलायची पीसी। नारियल कद्दूकस किया। हलवा बनाने के बाद मम्मी ने उसे प्लेट में पलटकर कलछी से गोल केक जैसा बना दिया। फिर एक छोटी मोमबत्ती भी उस पर लगा दी।

रात हो गई थी। मम्मी ने कहा, 'अंतरिक्ष, चलो दूध पिओ।' फिर कुछ याद करते पापा से बोलीं, 'अरे, मैं तो भूल ही गई। आज हमें इस घर में आए पूरे तीन साल हो गए।'

छोटे से अंतरिक्ष ने पूछा, 'तीन साल, क्या?'

'तीन साल माने क्या?' मम्मी ने दोहराया। वह कुछ बोलतीं, उससे पहले ही पापा ने कहा, 'तीन साल मतलब, आज हमारा घर तीन साल का हो गया। जैसे तुम पिछले महीने पांच साल के हुए थे न।'

'तो आपने तो मेरा हैप्पी बर्थ डे मनाया था।'

'हां, हां बिल्कुल सही कहा। आज घर का हैप्पी बर्थडे है।' मम्मी खुश होते हुए बोलीं।

'तो उसका बर्थ डे केक कहां है। और उसके दोस्त क्यों नहीं आए।'

'अरे हां, घर का बर्थडे तो उसके दोस्त, आसपास के दूसरे घर ही मना सकते हैं। बुलाओ भाई, दूसरे घरों को बुलाओ। फिर जब उनका बर्थडे होगा तो हमारा घर भी चलकर वहां जाएगा।' पापा बोले और खूब हंसे।

'लेकिन अंतरिक्ष, हम और तुम भी तो घर के दोस्त हैं। हैं कि नहीं?' मम्मी ने उसका खाली किया कप सिंक में रखते पूछा।

'यस, घर इज माई फ्रेंड।' अंतरिक्ष बोला तो पापा बोले, 'चलो घर को हैप्पी बर्थडे विश करते हैं।'

'नहीं, पहले केक लाओ। उस पर कैंडल लगाओ और गुब्बारे भी।'

'हां भई, अगर घर का बर्थडे ठीक से नहीं मनाया तो घर बुरा मान जाएगा। नाराज हो जाएगा। मगर इस वक्त केक लाएं कहां से। दुकानें तो बंद हो गई होंगी और ऑन लाइन अगर ऑर्डर करें तो आएगा कब।' पापा ने कहा।

उनकी बात सुनकर मम्मी ने अंतरिक्ष से पूछा, 'अंतरिक्ष क्या हलवा केक से घर का हैप्पी बर्थ-डे मनाएं!'

'हलवा केक।'

'हां, खाकर देखना बहुत मजा आएगा।'

'घर को भी।' अंतरिक्ष ने अपनी फुटबॉल में एक किक मारते हुए कहा।

'हां घर को भी।' कहती हुई मम्मी जल्दी से किचन में चली गईं। थोड़ी देर में ही वहां से सूजी भूनने की खुशबू आने लगी। पापा ने फटाफट काजू काटे। इलायची पीसी। नारियल कद्दूकस किया।

हलवा बनाने के बाद मम्मी ने उसे प्लेट में पलटकर कलछी से गोल केक जैसा बना दिया। फिर एक छोटी मोमबत्ती भी उस पर लगा दी।

यह देख अंतरिक्ष बोला, 'आप तो कह रही थीं, घर का थर्ड बर्थडे है।'

'तो कोई बात नहीं। दो कैंडल घर के अगले बर्थ डे पर लगा देंगे।' पापा की बात सुनकर अंतरिक्ष खुश हो गया। वह गाने लगा, 'हैप्पी बर्थ डे माई डियर होम। हैप्पी बर्थ डे टू यू।' पापा, मम्मी ने भी साथ दिया उसका। फिर अंतरिक्ष ने हलवा केक काटा और घर को खिलाने आगे बढ़ा। तो मम्मी ने उसे रोका, 'नो अंतरिक्ष, दीवार पर कुछ मत लगाओ। गंदी हो जाएगी।'

'तो फिर घर केक कैसे खाएगा।' अंतरिक्ष ने पूछा।

'कैसे खाएगा घर?' पापा ने मम्मी से पूछा।

'ऐसा करते हैं अंतरिक्ष, घर का एक सुंदर इलस्ट्रेशन बनाओ। उसी को खिला देंगे तो घर खा लेगा।' मम्मी ने उसे फुसलाया।

'नो, वह भूखा रहेगा। इलस्ट्रेशन कुछ नहीं खा सकता, पानी भी नहीं पी सकता, यह आपने ही तो बताया था उस दिन।'

मम्मी को याद आया कि एक दिन जब अंतरिक्ष ने चिड़िया बनाई थी और उसे पानी पिलाने की कोशिश कर रहा था तो उन्होंने ही कहा था कि चित्र कुछ नहीं खा-पी सकते।

'कोई बात नहीं, करने दो न उसे। दीवार को कल साफ कर देंगे।' पापा ने पास जाकर मम्मी को धीरे से समझाया तो मम्मी ने भी हां कर दी। अंतरिक्ष ने दीवार पर हलवा चिपकाया फिर पूछा, 'टेस्टी है न।' 'घर तो बताएगा ही पहले तुम खाकर बताओ।' मम्मी की बात सुनकर अंतरिक्ष ने खाया और हां में सिर हिलाया। फिर चम्मच से खाने लगा। वह बार-बार हलवा लगी दीवार को देखता जाता कि घर ने अभी हलवा खाया है कि नहीं।

मम्मी और पापा आज बहुत खुश भी हो रहे थे। घर के हैप्पी बर्थडे के बहाने उन्होंने अंतरिक्ष को हलवा खिला दिया था। उसे हलवा बिल्कुल पसंद नहीं था। हो सकता है कि हलवे को हलवा केक कहने से वह आगे भी खाने लगे।

उस रात सोते हुए भी अंतरिक्ष मुस्करा रहा था, जैसे सपने में भी वह अपने घर से बातचीत कर रहा हो। उसका जन्मदिन मना रहा हो। दूर बैठे दादा-दादी ने जब घर के जन्मदिन मनाने के वीडियो को देखा तो वे बहुत खुश हुए। अगले दिन जब अंतरिक्ष सोकर उठा तो दौड़ते हुए मम्मी के पास गया, 'मम्मा देखो, घर ने हलवा केक खा लिया।' उसने दीवार की तरफ इशारा किया। वहां हलवे का नामोनिशान नहीं था। अंतरिक्ष को नहीं पता था कि उसके सो जाने के बाद पापा ने दीवार साफ जो कर दी थी।

गुब्बारों के बारे में मजेदार बातें

गुब्बारे का अविष्कार साल 1824 में महान वैज्ञानिक प्रोफेसर माइकल फैराडे ने किया था।

ज्यादातर पार्टी में इस्तेमाल होने वाले गुब्बारे रबड़ के पेड़ों से मिलने वाले लेक्स से बनते हैं। इनमें सामान्य हवा या हीलियम जैसी कोई गैस भरी जाती है।

लेटेक्स से बने गुब्बारे पूरी तरह से ईको फ्रेंडली होते हैं। इन्हें बनाने के लिए पेड़ों को काटा नहीं जाता। लेटेक्स को पेड़ के तने से इकट्ठा किया जाता है। इससे पेड़ को कोई नुकसान नहीं होता। रबड़ के पेड़ आम तौर पर वर्षा वनों में उगते हैं। रबड़ का एक पेड़ तकरीबन 40 साल तक लेटेक्स का उत्पादन कर सकता है।

एक बार हवा भरकर फुलाए जाने के बाद गुब्बारे अपना वास्तविक आकार एक हफ्ते तक बनाए रख सकते हैं।

गुब्बारा अचानक फटने पर उसकी तेज आवाज से डरने वाले तुम अकेले नहीं हो। इससे ज्यादातर लोग डरते हैं। जैसे ही गुब्बारे में कोई छेद होता है, वैसे ही उसके अंदर भरी हवा

एक झटके के साथ बाहर यानी कम दबाव वाले क्षेत्र की तरफ निकलती है, जिससे यह आवाज आती है। हीलियम से बने गुब्बारे हवा में तैरते हैं, क्योंकि हीलियम हवा से कहीं ज्यादा हल्की होती है।

कुत्ते की तरह भौंकती है यह गिलहरी

प्रैरी डॉग

तुम सोच रहे होगे कि दिखने में तो यह गिलहरी जैसी है, फिर इसका नाम प्रैरी डॉग क्यों है? वो इसलिए, क्योंकि प्रैरी डॉग कुत्ते की तरह भौंक सकते हैं। किसी खतरे का अंदेशा होने पर ये भौंकना शुरू कर देते हैं, जिससे उनके दूसरे साथी सतर्क हो जाते हैं। उत्तरी अमेरिका के घास के मौदानों के नीचे सुरंग बनाकर रहने वाले इन जीवों को पारिवारिक जीव कहना गलत नहीं होगा। जानते हो क्यों.क्योंकि प्रैरी डॉग समूह में रहते हैं, एक दूसरे के साथ खाना बांटकर खाते हैं, एक दूसरे की साफ-सफाई करते हैं और जब एक-दूसरे से मिलते हैं तो नाक से नाक मिलाकर एक दूसरे का अभिवादन करते हैं, जैसे तुम अपने दोस्तों से मिलने पर हैंडशेक करते हो, बिल्कुल वैसे ही।

हमिंग बर्ड

यह दुनिया का सबसे छोटा पक्षी है। 25 से 3 इंच की लम्बाई वाले इस पक्षी की दुनिया में लगभग 328 प्रजातियां हैं। हमिंग बर्ड दुनिया में इकलौता ऐसा पक्षी है, जो सीधी-उल्टी, दाएं-बाएं किसी भी दिशा में उड़ सकता है। एक सेकंड में 100 बार अपने पंख फड़फड़ाने वाली यह पक्षी 25-30 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। ये अपनी जिंदगी का 15 फीसदी समय खाना खाने में बिताते हैं और एक दिन में करीब 1000-1500 फूलों का रस पीते हैं।

नेकेड मोल रैट

यह पूर्वी अफ्रीका के मरुस्थल में जमीन के नीचे रहने वाला एक जीव है, जिसे मरुस्थलीय पपी भी कहते हैं, जो देखने में चूहे या छछूंदर की तरह होता है। नेकेड मोल रैट की खास बात यह है कि इसकी आंखों की रोशनी बहुत कम होती है, फिर भी यह रात के अंधेरे में जितनी तेजी से सीधी दिशा में दौड़ सकता है, उतनी ही तेजी से उलटी दिशा में भी दौड़ सकता है।

लायरबर्ड

तुम्हें भी किसी चीज की आवाज की नकल उतारना पसंद होगा, पर कोई और भी है, जिसे ऐसा करना पसंद है। वह है ऑस्ट्रेलिया की लायरबर्ड। यह पक्षी की एक ऐसी प्रजाति है, जो आवाजों की मिमिक्री करती है। यह अन्य पक्षियों के गाने की आवाजों के साथ-साथ कैमरे के शटर, वाद्य यंत्र, कार का अलार्म, खिलौने वाली बंदूक की आवाजों के अलावा निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले औजारों की आवाज की भी हूबहू नकल उतार सकती है।

बैसलिस्क लिजर्ड

बैसलिस्क अमेरिका में पायी जाने वाली छिपकली/गिरगिट की एक प्रजाति है। लम्बी पूंछ व पीठ पर उभरी हुई जिगजैग किनारी वाली इस लिजर्ड की खासियत है कि यह पानी पर चलती है। खतरे से बचने के लिए यह लिजर्ड अपने पिछले पैरों व पूंछ की सहायता से पानी के ऊपर लगभग 5 फुट प्रति सेकंड की रफ्तार से दौड़ सकती है। और शायद इसीलिए ही इसे 'जीसस क्राइस्ट लिजर्ड' भी कहते हैं। लगभग 15 से 20 फुट तक पानी के ऊपर चलने की क्षमता रखने वाली यह बैसलिस्क लिजर्ड करीब 30 मिनट तक लगातार पानी के अंदर भी रह सकती है। है न यह एक कमाल की छिपकली!

हिसिंग कॉक्रोच

तुमने सांप के अलावा किसी कीड़े को हिस्स की आवाज निकालते हुए सुना है? मेडागास्कर में कॉक्रोच की एक ऐसी प्रजाति रहती है, जो डंक नहीं मारती, बल्कि हिस्स करती है, इसलिए इन्हें हिसिंग कॉक्रोच कहते हैं। यह कॉक्रोच की सबसे लम्बी प्रजाति है। लगभग 2 से 4 इंच तक लम्बे इन कॉक्रोच के पंख नहीं होते। वर्षा वनों में पोषक तत्वों की पुनरावृत्ति के लिए ये उपयोगी माने जाते हैं।

क्या आप भी सर्दी में ठंडे पानी से नहाते हैं?

सर्दी का मौसम आते ही लोग अपने दिनचर्या में बदलाव करते हैं। रजाई में लिपटकर सोना, गर्म कपड़े पहनना और गर्म पानी से नहाना आदत बन जाती है। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो सर्दी में भी ठंडे पानी से नहाना पसंद करते हैं, यह सोचकर कि इससे शरीर में ताजगी और ऊर्जा बनी रहती है। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि सर्दियों में ठंडे पानी से नहाना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है, और यह हार्ट अटैक जैसे गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

ठंडे पानी से नहाने से दिल पर असर

ठंड के मौसम में जब तापमान गिरता है, तो शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ठंड के प्रभाव में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह कम हो जाता है और दिल को ऑक्सीजन की आपूर्ति भी कम हो जाती है। अगर किसी व्यक्ति की धमनियां पहले से संकरी हैं, तो ठंड के कारण वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे रक्त प्रवाह और भी धीमा हो जाता है। इस स्थिति में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

क्यों बढ़ जाता है सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा?

एक अध्ययन के मुताबिक, सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक का खतरा 31न बढ़ जाता है। इसका कारण यह है कि ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। यह समस्या खासतौर पर उन लोगों के लिए ज्यादा जोखिम भरी हो सकती है, जो पहले से ही किसी दिल की बीमारी से पीड़ित हैं। ठंड में जब शरीर पर ठंडा पानी अचानक पड़ता है, तो रक्त वाहिकाएं और धमनियां सिकुड़ने लगती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

ठंडे पानी से नहाने का प्रभाव

ठंडे पानी से नहाने से शरीर पर कई तरह के प्रभाव हो सकते हैं

ब्लड प्रेशर में वृद्धि- ठंडे पानी से नहाने से रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

दिल पर अतिरिक्त दबाव- जब रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती हैं, तो दिल को रक्त पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

हार्ट अटैक का खतरा- अगर धमनियों में पहले से ही कोई रुकावट या संकुचन है, तो ठंडे पानी से नहाने पर वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है।

ब्रेन स्ट्रोक- अगर रक्त प्रवाह मस्तिष्क तक सही से नहीं पहुंचता, तो ब्रेन स्ट्रोक की समस्या भी हो सकती है।

किसे बचना चाहिए ठंडे पानी से नहाने से?

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि ठंडे पानी से नहाना उन लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है, जो पहले से किसी दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या ब्रेन स्ट्रोक जैसी समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे लोगों को ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। इसके अलावा, बुजुर्गों और बच्चों को भी ठंडे पानी से नहाने से दूर रहना चाहिए, क्योंकि उनकी शरीर की सुरक्षा प्रणाली उतनी मजबूत नहीं होती।

क्या करें, ताकि सेहत बनी रहे?

गर्म पानी से नहाना- सर्दी में हमेशा गर्म पानी से ही नहाएं, इससे शरीर को आराम मिलेगा और दिल पर दबाव नहीं पड़ेगा।

मध्यम तापमान बनाए रखें- अगर ठंडे पानी से नहाना पसंद है, तो पानी का तापमान थोड़ा सा ठंडा न रखें, बल्कि गर्मी और ठंडे पानी का संतुलन बनाकर नहाएं। स्वस्थ आहार और व्यायाम- ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए स्वस्थ आहार लें और नियमित व्यायाम करें। यह दिल को स्वस्थ रखने में मदद करेगा।

सर्दी में ठंडे पानी से नहाना ताजगी का अहसास जरूर कराता है, लेकिन यह शरीर पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर दिल पर। ठंडे पानी से नहाने से रक्त वाहिकाओं के सिकुड़ने और ब्लड प्रेशर के बढ़ने का खतरा होता है, जो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, सर्दी में अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए, खासकर अगर आपको दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हैं।

युद्ध के बीच गाजा की आबादी में भारी गिरावट

इजरायल की जनसंख्या में इजाफा

गाजा एजेंसी। अक्टूबर 2023 से हमास-इजरायल के बीच युद्ध चल रहा है। इसका खामियाजा आम लोगों को उठाना पड़ा है। वहीं, एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में गाजा की आबादी में छह फीसदी की गिरावट आई और लगभग 160,000 लोग कम हुए। हमास के खिलाफ इजरायल के युद्ध ने फिलिस्तीनी एन्क्लेव की जनसांख्यिकी पर भारी असर डाला है।

गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में 45,553 लोग मारे गए

फलस्तीनी केंद्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (पीसीबीएस) ने मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि सात अक्टूबर, 2023 को युद्ध की शुरुआत के बाद से लगभग 100,000 फिलिस्तीनियों ने गाजा छोड़ दिया, इसके अलावा गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में कम से कम 45,553 लोग मारे गए थे।

गाजा में 60,000 गर्भवती महिलाएं खतरे में

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल की कमी के कारण गाजा में 60,000 गर्भवती महिलाएं खतरे में रहीं और 96 फीसदी आबादी उच्च स्तर की खाद्य असुरक्षा का सामना कर रही है। पीसीबीएस की रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा की आबादी अब 2.1 मिलियन है, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के दस लाख से अधिक बच्चे शामिल हैं, जो आबादी का 47 फीसदी है।

बड़ी संख्या में इजरायलियों ने देश छोड़ दिया

इस बीच, इजरायल के केंद्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (सीबीएस) की एक अलग रिपोर्ट में पाया गया कि इजरायल की जनसंख्या अभी भी बढ़ रही है लेकिन पहले की तुलना में अधिक धीरे-धीरे, यह इसलिए हो रहा है क्योंकि बड़ी संख्या में इजरायलियों ने देश छोड़ दिया। मंगलवार को प्रकाशित रिपोर्ट में, जनगणना कार्यालय ने कहा कि 2024 में इजरायल की जनसंख्या 1.1 फीसदी बढ़ी, जबकि 2023 में 1.6 फीसदी बढ़ी।

साल के पहले दिन गाजा पर हमला

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी गाजा के जबालिया इलाके में एक घर पर हवाई हमले में एक महिला और चार बच्चों समेत सात लोग मारे गए। एक दर्जन के करीब घायल हुए हैं। मध्य गाजा में रात के दौरान बुरेइज शरणार्थी शिविर में किए गए हमले में एक महिला और एक बच्चे की जान गई। जबकि बुधवार तड़के दक्षिणी शहर खान यूनुस में किए गए हवाई हमले में तीन लोग मारे गए। बता दें कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास ने इजरायल में बड़े पैमाने पर हमला किया था, जिसमें करीब 1200 लोग मारे गए थे। इसके बाद से ही इजरायल ने हमास के सफाए के लिए सैन्य अभियान चला रखा है। इसमें अब तक 45 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने न्यू ऑर्लियंस आतंकी हमले को लेकर डेमोक्रेट्स को घेरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यू ऑर्लियंस की आतंकी घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इसे शैतान का काम करार दिया। ट्रंप ने इस दुखद घटना के बाद अपने बयान के जरिए आप्रवासन और अपराध पर बहस को फिर से हवा दे दी। हमले में नए साल की पूर्व संध्या के जश्न के दौरान कम से कम 15 लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए। इसे लेकर ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर अमेरिका में आपराधिक घटनाओं और प्रवास के बारे में उनकी चेतावनियों को खारिज करने का आरोप लगाया।

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि जब मैंने कहा कि हमारे देश में आने वाले अपराधी हमारे देश में मौजूद अपराधियों से कहीं ज्यादा बुरे हैं, तो उसका डेमोक्रेट्स और फेक न्यूज मीडिया की ओर से लगातार खंडन किया गया, लेकिन यह सच निकला। हमारे देश में अपराध दर उस स्तर पर है, जिसे पहले कभी किसी ने नहीं देखा। हम सभी निर्दोष पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ हैं, जिनमें न्यू ऑर्लियंस पुलिस विभाग के बहादुर अधिकारी भी शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन न्यू ऑर्लियंस शहर का पूरा समर्थन करेगा, क्योंकि वे इस पूरी तरह से दुष्टता के कृत्य की जांच और उससे उबरने में लगे हैं!

पाकिस्तान में मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि, पैतृक गांव के ग्रामीणों ने परिजनों को आमंत्रित किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद से लगातार आतंकी गतिविधियों के कारण भारत-पाकिस्तान के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन पाकिस्तान के एक छोटे से गांव गाह ने भारत के पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। यह मनमोहन सिंह का पैतृक स्थान भी है। यहां के लोगों ने पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि देने के लिए विशेष कार्यक्रम किया था। उन्होंने बुधवार को मनमोहन सिंह के परिवार को गांव में आमंत्रित किया है और कहा, गांव की मिट्टी से जुड़ाव पर हमें गर्व है।

ग्रामीणों ने एक साधारण परवरिश से लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रमुख बनने तक के उनके सफर का जश्न मनाया। एक ग्रामीण ने कहा, मुझे गर्व है कि मनमोहन सिंह मेरे पिता के सहपाठी थे। स्कूल में मनमोहन सिंह का नाम देखने से सम्मानित होता हूं। एक अन्य ग्रामीण ने मनमोहन सिंह के परिवार को उनके पैतृक गांव आने का निमंत्रण दिया। कहा, हम उनकी पत्नी और बेटियों को निमंत्रण देते हैं, यहां उनका वही घर और वैसा ही माहौल दिखाई देगा।

यूएन में पाकिस्तानी कार्यकाल शुरू हुआ कराची में 29 घायल

कराची , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के अस्थायी सदस्य के तौर पर पाकिस्तान का दो वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी को नए साल से शुरू हो गया। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के दूत मुनीर अकरम ने खुशी जताई। इस बीच, कराची में नए साल पर की गई हवाई फायरिंग में 29 लोग घायल हो गए। नए साल का जश्न मनाते वक्त हुई घटनाओं में कई महिला और बच्चे भी प्रभावित हुए।

नेपाल में भारतीय संगठन के साथ बाल विवाह विरोधी मुहिम

ढाका, एजेंसी। नेपाल में बाल-विवाह अपराध समाप्ति के पीएम केपी शर्मा ओली के संकल्प के बीच इस हिमालयी देश से भारत के बाल अधिकार कार्यकर्ताओं, बच्चों व नागरिक संस्था के सदस्यों सहित 100 से अधिक लोगों ने 'बाल विवाह मुक्त नेपाल' मुहिम शुरू करने के लिए हाथ मिलाया है। भारतीय संगठन 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन' और नेपाल के 'बैकवर्ड सोसाइटी एजुकेशन' के सहयोग से इसे शुरू किया गया है।

यूरोपीय देश मोंटेनेग्रो के बार में फायरिंग, 10 की मौत

हमलावर ने अपने परिवार वालों को मारा, मरने वालों में बार मालिक और 2 बच्चे शामिल

पॉडगोरिका, एजेंसी। यूरोपीय देश मोंटेनेग्रो में नए साल के मौके पर एक शख्स ने बार में फायरिंग कर अपने ही परिवार के सदस्यों समेत 10 लोगों की हत्या कर दी। मरने वालों में परिवार के अलावा बार के मालिक और उसके 2 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं 4 लोग घायल भी हुए हैं। आरोपी हमलावर की पहचान 45 साल के आको मार्टिनोविक के रूप में हुई है, जो हमले के बाद मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए इलाके की सभी सड़कों को बंद कर दिया और उसकी तलाश में जुट गई। हालांकि बाद में पता चला कि आरोपी हमलावर ने आत्महत्या कर ली है।

पारिवारिक झड़प में हुई गोलीबारी: मार्टिनोविक बार में अपने मेहमानों के साथ मौजूद था। स्थानीय पुलिस के मुताबिक घटना की शुरुआत बार में झड़प से हुई। झड़प के बाद वह घर गया और वहां से हथियार लेकर आया।

इसके बाद उसने शाम 5:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) गोलीबारी शुरू कर दी। बार में हुई फायरिंग में उसने 4 लोगों को मार दिया था। इनमें बार मालिक और उसके 2 बच्चे मारे गए। इसके बाद उसने अन्य 3 जगहों पर जाकर फायरिंग की, जिसमें अन्य लोग मारे गए। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक पुलिस ने झड़प के पीछे पारिवारिक संबंधों को वजह माना है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शोक घोषित किया: हमले के बाद सरकार ने गुरुवार से तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। मोंटेनेग्रो के प्रधानमंत्री मिलोज्को स्पाजिक ने गोलीबारी को भयानक त्रासदी बताया है। हमले में घायल हुए लोगों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक हमलावर मार्टिनोविक का क्रिमिनल रिकॉर्ड रहा है। उसने अवैध हथियार हथियार रखने के आरोप में सजा भी मिली थी, जिसके खिलाफ उसने कोर्ट में अपील भी की थी।

इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने संसद से दिया इस्तीफा

येरूसलम, एजेंसी। इजराइल के बर्खास्त रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने मंगलवार को देश की संसद, नेसेट, से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह निर्णय उनके लिए 45 वर्षों के मिशन और सेवा के बाद आया है। गैलेंट ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मैंने हाल ही में नेसेट के स्पीकर को अपना इस्तीफा सौंपा है। मैं 45 साल तक इज़राइल राज्य के लिए सेवा और मिशन करने के बाद यह कदम उठा रहा हूं। जैसे युद्ध के मैदान में होता है, वैसे ही सार्वजनिक सेवा में भी ऐसे क्षण आते हैं जब आपको रुककर स्थिति का आकलन करना और कार्रवाई का रास्ता चुनना होता है। यह एक लंबी यात्रा का एक पड़ाव है, जो अभी खत्म नहीं हुई है। गैलेंट ने लिकुड पार्टी के सिद्धांतों और इसके सदस्यों और मतदाताओं के प्रति अपने विश्वास को दोहराते हुए कहा, लिकुड का रास्ता मेरा रास्ता है। मैं इसके राष्ट्रीय, वैचारिक और ज़ायोनी सिद्धांतों के लिए लड़ता रहूंगा। गैलेंट ने इज़राइली सरकार के भीतर हाल के घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से सेना में भर्ती कानून के बारे में। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री के पद से हटाए जाने के बाद, सरकार एक ऐसे भर्ती कानून को आगे बढ़ा रही है, जो उनके अनुसार इज़राइल की सुरक्षा और आइडीएफ (इज़राइल रक्षा बल) की जरूरतों के विपरीत है।

बांग्लादेश की चटगाँव अदालत का हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को जमानत देने से इनकार

चटगाँव, एजेंसी। चटगाँव की एक अदालत ने आज कड़ी सुरक्षा के बीच हुई सुनवाई के दौरान पूर्व इस्कॉन नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को जमानत देने से इनकार कर दिया।हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था, तब से वह जेल में हैं।

कोलकाता इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधा रमन दास ने कहा, यह बहुत दुखद समाचार है। हम जानते हैं कि पूरी दुनिया इस पर नज़र रखे हुए थी। सभी को उम्मीद थी कि चिन्मय प्रभु को नए साल में आज़ादी मिलेगी - लेकिन 42 दिनों के बाद भी, आज सुनवाई में उनकी ज़मानत खारिज कर दी गई... बांग्लादेश सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें न्याय मिले। इससे पहले 11 दिसंबर को एक बांग्लादेश की एक अदालत ने दास की प्रारंभिक जमानत याचिका को प्रक्रिया में खामी के कारण खारिज कर दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वैध पावर ऑफ अटॉर्नी और वकील की अनुपस्थिति के कारण याचिका खारिज की गई थी।

सिर्फ तौलिया लपेटे मेट्रो में घुसी 4 लड़कियां, यात्रियों का रिएक्शन देख लोग बोले-गजब !

लंदन , एजेंसी। एक अनोखा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें चार लड़कियां मेट्रो ट्रेन में केवल तौलिए लपेटकर सफर करती नजर आ रही हैं। यह वीडियो इंस्टाग्राम पर केट शुम्सकाया ने पोस्ट किया, जो अपने दोस्तों के साथ मेट्रो में यात्रियों की प्रतिक्रियाएं रिकॉर्ड कर रही थीं। वीडियो में लड़कियां मुस्कुराते हुए मेट्रो में घूम रही हैं और यात्रियों के साथ सेल्फी लेती भी दिख रही हैं।

इस अनोखी घटना को देखकर यात्रियों की प्रतिक्रियाएं मिली-जुली रहीं। कुछ लोग इसे मजाकिया नजरिए से देख रहे थे और हंस रहे थे, जबकि अन्य ने इसे असहज और अनुचित बताया। महिलाओं के समूह ने इस हरकत पर नाराजगी जताई, वहीं कुछ युवा यात्रियों ने इसे मौके का फायदा मानते हुए लड़कियों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। केट और उनकी सहेलियों ने बताया कि यह वीडियो केवल मनोरंजन के लिए बनाया गया था और इसका कोई गहरा मकसद या सोशल एक्सपेरिमेंट नहीं था। उन्होंने यह दिखाने की कोशिश की कि ऐसी अनोखी स्थिति में लोग कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

वीडियो ने सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं और बहस छेड़ दी हैं। कई यूजर्स इसे मजाकिया और मनोरंजक बता रहे हैं, जबकि कुछ ने इसे फेम पाने की कोशिश और अनुचित बताया। कुछ लोगों का कहना है कि इस तरह की हरकत बुजुर्ग और अन्य यात्रियों के लिए असहजता का कारण बन सकती है। यह वीडियो लाखों बार देखा जा चुका है और हजारों कमेंट्स के साथ चर्चा का विषय बना हुआ है। चाहे इसे हल्के-फुल्के मजाक के रूप में देखा जाए या आलोचना का पात्र बनाया जाए, यह घटना मेट्रो यात्रियों और ऑनलाइन दर्शकों के बीच खूब सुर्खियां बटोर रही है।

नेतन्याहू पर उनके करीबी सहयोगियों का अप्रत्यक्ष हमला, खतरे में इजराइली पीएम की जान !

येरूसलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर उनके ही मंत्रिमंडल के वरिष्ठ नेताओं ने अप्रत्यक्ष रूप से हमला कर उनकी जान को खतरे में डाल दिया। उनके ही सरकार के दो वरिष्ठ सहयोगियों, इतमार बेन गविर और यित्ज़ाक गोल्डकनफ ने ऐसा दबाव बनाया जिसने उनकी जान और राजनीतिक स्थिति दोनों को खतरे में डाल दिया। यह घटना इजरायली राजनीति में अस्थिरता और सत्ता संघर्ष की एक बड़ी मिसाल बनकर सामने आई है।

75 वर्षीय प्रधानमंत्री नेतन्याहू, जो पहले से ही दिल की बीमारी जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, ने हाल ही में अपनी प्रोस्टेट सर्जरी करवाई थी। डॉक्टरों की सलाह के अनुसार, उन्हें कई दिनों तक आराम की आवश्यकता थी। लेकिन मंगलवार को, अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद नेतन्याहू को कनेसट (इजरायली संसद) में एक महत्वपूर्ण वोट डालने के लिए मजबूर होना पड़ा। इतमार बेन गविर (राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री) और *यित्ज़ाक गोल्डकनफ (हाउसिंग मंत्री) ने ट्रैप्ड प्रॉफिट्स कानून को लेकर नेतन्याहू की सरकार के खिलाफ कदम उठाए।

समय से इस बात पर जोर दे रहे हैं कि अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय के पुरुषों को सेना और राष्ट्रीय सेवा से छूट दी जाए। सुप्रीम कोर्ट इस छूट को पहले ही अवैध घोषित कर चुका है, लेकिन गोल्डकनफ ने इसे कानूनी मान्यता दिलाने के लिए सरकार पर दबाव बनाया। दूसरी तरफ, बेन गविर ने पुलिस बजट में कटौती का बहाना बनाकर इस कानून के खिलाफ वोट देने की धमकी दी। हालांकि उनका असली उद्देश्य सरकार पर अपनी ताकत का प्रदर्शन करना और अपनी राजनीतिक मांगों को पूरा करवाना है।

नेतन्याहू, जिन्हें जुलाई 2023 में दिल की धड़कनों की अनियमितता के कारण पेसमेकर लगाया गया था, पहले से ही स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। रविवार को उन्होंने यरुशलम के हदासा मेडिकल सेंटर में प्रोस्टेट सर्जरी करवाई थी और डॉक्टरों ने उन्हें कम से कम तीन दिनों तक अस्पताल में आराम करने की सलाह दी थी।

इसके बावजूद, मंगलवार को वे अपनी जान जोखिम में डालकर अस्पताल के विशेष सुरक्षित कमरे (जहां उन्हें हौथी मिसाइल या हिज़बुल्लाह के ड्रोन हमले से बचाने के लिए रखा गया था) से संसद पहुंचे।

क्या है ट्रैप्ड प्रॉफिट्स कानून? : यह कानून इजरायली बजट के तहत विदेशी टैक्स छूट और अन्य द्यश्नश्चद्धश्चद्गद्ध को बंद करने का प्रयास है। अगर इस कानून पर समय रहते वोट नहीं पड़ता, तो इसे 2024 के बजट में शामिल नहीं किया जा सकता था। गोल्डकनफ ने अपनी पार्टी के सांसदों को इस कानून के खिलाफ वोट देने का निर्देश दिया। बेन गविर ने भी इसका विरोध करने की धमकी दी, जिससे नेतन्याहू पर दबाव और बढ़ गया।

नेतन्याहू के लिए राजनीतिक संकट : नेतन्याहू ने अपने सहयोगियों को सत्ता में बनाए रखने के लिए लंबे समय तक उनकी मांगों को पूरा किया, लेकिन यह घटनाक्रम उनके लिए राजनीतिक रूप से आत्मघाती साबित हुआ। गोल्डकनफ और बेन गविर जैसे नेता केवल अपनी स्वार्थी मांगों को पूरा करने के लिए सरकार को बंधक बना रहे हैं। बेन गविर, जो अपने आपराधिक मामलों और चरमपंथी विचारों के लिए जाने जाते हैं, पुलिस और अन्य प्रशासनिक संसाधनों को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। गोल्डकनफ का अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय का समर्थन नेतन्याहू के लिए जरूरी है, लेकिन उनकी मांगों को पूरा करना नेतन्याहू के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता को दांव पर लगाने जैसा है।

मनु भाकर, गुकेश सहित 4 खिलाड़ियों को खेल रत्न, 32 खिलाड़ी बनेंगे अर्जुन

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलम्पिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास बनाने वाली युवा निशानेबाज मनु भाकर और सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश सहित चार खिलाड़ियों को देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न से सम्मानित किया जाएगा जबकि 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने गुरूवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 की घोषणा की। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 17 जनवरी, 2025 को सुबह 11 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में विजेताओं को सम्मानित करेंगी। मनु और गुकेश के अलावा ओलम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को खेल रत्न प्रदान किया जाएगा।

मनु ने न सिर्फ ओलंपिक 2024 के व्यक्तिगत मुकाबले में भारत का परचम लहराया बल्कि 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता। पेरिस ओलंपिक में मिली इस दोहरी कामयाबी ने उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया।

शतरंज की सनसनी डी गुकेश को भी खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। गुकेश ने पिछले महीने 12 दिसंबर को शतरंज की दुनिया का युवा वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। सिंगापुर में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर खिताब जीता था वो महज 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चैंपियन बने, जो कि एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

खेल मंत्रालय ने यह घोषणा करते हुए एक बयान में कहा कि समिति की सिफारिशों और सरकार की जांच के आधार पर खिलाड़ियों, कोच, विश्वविद्यालयों को पुरस्कार देने का फैसला किया गया है।

मनु-हरमनप्रीत ने ओलंपिक, गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप में किया प्रभावित

22 वर्ष की मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी थीं जिन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक में ही हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारत ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। 18 वर्ष के गुकेश सबसे युवा विश्व चैंपियन बने जो पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक में भी सूत्रधार रहे थे। पैरा हाई जंपर प्रवीण ने पेरिस पैरालंपिक में टी64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। यह उन खिलाड़ियों की श्रेणी है जिनका घुटने से नीचे एक या दोनों पैर नहीं होता है और वे दौड़ने के लिए कृत्रिम पैर पर निर्भर होते हैं।

32 खिलाड़ियों को मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

खेल रत्न के अलावा 32 खिलाड़ियों को 2024 में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। इनके साथ एथलीट सुचा सिंह और पैरा तैराक मुरलीकांत राजाराम पेटकर को अर्जुन अवॉर्ड लाइफटाइम पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बेहतर कोचिंग देने के लिए पांच लोगों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिलेगा, जिसमें बैडमिंटन कोच एस मुरलीधरन और फुटबॉल कोच अरमांडो एगनेलो कोलासो को लाइफटाइम वर्ग में शामिल किया गया है। फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार मिलेगा। वहीं, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय को ओवरऑल यूनिवर्सिटी विजेता के तौर पर मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी मिलेगी। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फर्स्ट रनरअप और अमृतसर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी सेकेंड रनरअप रही।

अर्जुन पुरस्कार

ज्योति याराजी - एथलेटिक्स
अन्नु रानी - एथलेटिक्स
नीतू - बॉक्सिंग
स्वीटी - बॉक्सिंग
वंतिका अग्रवाल - शतरंज
सलीमा टेटे - हॉकी
अभिषेक - हॉकी
संजय - हॉकी
जर्मनप्रीत सिंह - हॉकी
सुखजीत सिंह - हॉकी
राकेश कुमार - पैरा-आर्चरी
प्रीति पाल - पैरा-एथलेटिक्स
सचिन सरजेराव खिलारी - पैरा एथलेटिक्स
धर्मबीर - पैरा एथलेटिक्स
प्रणव सूर्मा - पैरा एथलेटिक्स
एच होकातो सेमा - पैरा एथलेटिक्स
सिमरन - पैरा एथलेटिक्स
नवदीप - पैरा एथलेटिक्स
थुलासिमाती मुरुगेसन - पैरा बैडमिंटन
नित्या श्री सुमाथी सिवान - पैरा बैडमिंटन
मनीषा रामदास - पैरा बैडमिंटन
कपिल परमार - पैरा जूडो
मोना अग्रवाल - पैरा निशानेबाजी
रुबीना फ्रांसिस - पैरा निशानेबाजी
स्वप्निल सुरेश कुसाले - निशानेबाजी
सरबजोत सिंह - निशानेबाजी
अभय सिंह - स्क्वैश
साजन प्रकाश - तैराकी
अमन सहरावत - कुश्ती
अर्जुन अवॉर्ड (लाइफटाइम)
सुचा सिंह - एथलेटिक्स
मुरलीकांत राजाराम पेटकर - पैरा तैराक

द्रोणाचार्य अवॉर्ड

(नियमित वर्ग)
सुभाष राणा - पैरा निशानेबाजी
दीपाली देशपांडे - निशानेबाजी
संदीप सांगवान - हॉकी
द्रोणाचार्य अवॉर्ड
(लाइफटाइम वर्ग)
एस मुरलीधरन - बैडमिंटन
अरमांडो एगनेलो कोलासो - फुटबॉल
राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार
फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी)
मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी
चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी - ओवरऑल विनर
लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी - प्रथम उपविजेता
अमृतसर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी - द्वितीय उपविजेता

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का आखरी दांव खेलने उतरेगी टीम इंडिया

सिडनी, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सिडनी में शुक्रवार से होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट से यह तय होगा कि भारत इस साल जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल की दौड़ में बना रहेगा या नहीं। भारत यह टेस्ट जीतकर फ़ाइनल की दौड़ में बना रहेगा, लेकिन अगर वह यह टेस्ट हारता है तो भारत इस दौड़ से बाहर हो जाएगा।

भारत के अंदर मतभेद की खबरें थीं। कप्तान रोहित शर्मा रन बनाने में इतने पीछे हैं कि टीम में उनकी जगह अच्छी नहीं लग रही है। कोच गौतम गंभीर ने यह पुष्टि नहीं की कि रोहित को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाएगा या नहीं, जिससे भारत की तैयारी में बहुत अलग तरह का माहौल बना।

जिस खिलाड़ी को ऊपर आने के लिए बाहर किया गया था, वह शुभमन गिल नेट्स पर ज़ल्दी ही आ गए थे, और ध्रुव जुरेल जो पहले प्लेइंग इलेवन के साथ ट्रेनिंग नहीं कर रहे थे, वह आखिरी खिलाड़ी थे। अगर यह संकेत है कि वे प्लेइंग इलेवन में शामिल हो सकते हैं, तो जो खिलाड़ी अभी प्लेइंग इलेवन में है, उसे बाहर होना पड़ सकता है। तो क्या रोहित बाहर जा रहे हैं

भारत पहली पारी में रन बनाने के लिए संघर्ष करता दिखा है। उनकी 22.40 की औसत एक सीज़न में उनका सातवां सबसे कम है। हालांकि सिडनी एक ऐसी जगह है जहां उन्हें मज़ा आ सकता है। सिडनी का मैदान अब बल्लेबाज़ी के मुफ़ीद नहीं रह गया है, जैसा पहले हुआ करता था जब भारत ने 2003 में 705 रन बनाकर पारी घोषित की थी।

कुसल परेरा ने ठोका सबसे तेज टी-20 शतक

14 साल पुराना श्रीलंकाई रिकॉर्ड तोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। कुसल परेरा ने नए साल के पहले ही इंटरनेशनल मैच में धमाका किया है. उन्होंनेन्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 में तूफानी शतक जड़ा है. परेरा का ये शतक टी-20 इंटरनेशनल में किसी श्रीलंकाई बल्लेबाज के बल्ले से निकला सबसे तेज शतक है. रफ्तार से सनी अपने टी-20 इंटरनेशनल शतक की स्क्रिप्ट उन्होंने सिर्फ 44 गेंदों पर लिखी. 219.56 की स्ट्राइक रेट से खेली कुसल परेरा की शतकीय पारी में 13 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. खास बात ये भी है ये कुसल परेरा के टी-20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक है.

कुसल परेरा ने अपने तेज, तीखे और ताबड़तोड़ शतक की बदौलत 14 साल पुराना श्रीलंकाई रिकॉर्ड भी तोड़ा डाला है. दरअसल, 44 गेंदों पर टी-20 शतक जमाकर वो इस मामले में दुनिया में नंबर वन भले ना बने हों. लेकिन, श्रीलंकाई क्रिकेट में सबसे आगे जरूर निकल गए हैं. उन्होंने सबसे तेज टी-20 इंटरनेशनल शतक जड़ने के मामले में तिलकरत्ने दिलशान का रिकॉर्ड तोड़ा है. दिलशान ने साल 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 55 गेंदों पर शतक ठोका था.

साल 2025 के पहले शतकवीर - श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच का तीसरा टी-20 साल 2025 का पहला इंटरनेशनल मैच है. और, नए साल में क्रिकेट का जैसा आगाज होना चाहिए, बिल्कुल वैसा ही देखने को भी मिला है. इस मैच में तूफानी शतक देखने को मिला तो रनों की बारिश का नजारा भी दिखा. कुसल परेरा साल 2025 में इंटरनेशनल शतक जमाने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं. न्यूजीलैंड के खिलाफ शतकीय पारी खेलने के बाद कुसल परेरा श्रीलंका के लिए टी-20 में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए. कुसल परेरा के शतक की बदौलत श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 218 रन बनाए. जवाब में 219 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 211 रन ही बना सकी और मुकाबला 7 रन के अंतर से हार गई. न्यूजीलैंड तीसरा ञ20 हारकर भी 2-1 से सीरीज अपने नाम करने में कामयाब रही ।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट

यशस्वी के निशाने पर मुरली विजय, सहवाग और गौतम गंभीर का यह रिकॉर्ड, 124 रन बनाते ही बन जाएंगे नंबर 1

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया 1-2 से पीछे है और इस सीरीज का आखिरी मैच सिडनी में शुक्रवार से खेला जाना है। अब भारत के पास इस टेस्ट सीरीज को ड्रॉ कराने का बेहतरीन मौका है, लेकिन इसके लिए रोहित शर्मा की टीम को सिडनी जीतना होगा। इस टेस्ट सीरीज में अब तक भारतीय ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अच्छी बल्लेबाजी की है। हालांकि कुछ पारियों में वो भी रन बनाने में सफल नहीं रहे थे, लेकिन चौथे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी और उम्मीद रहेगी कि वो सिडनी में भी अच्छी बल्लेबाजी करें। यशस्वी जायसवाल अब तक इस टेस्ट सीरीज में अब तक 359 रन बना चुके हैं और वो एक बड़े रिकॉर्ड के बेहद करीब हैं जिसके लिए उन्हें 124 रन की जरूरत है।

एक बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में भारतीय ओपनर द्वारा सर्वाधिक रन

482 रन - मुरली विजय (2014/15 ऑस्ट्रेलिया में)
464 रन - वीरेंद्र सहवाग (2003/04 ऑस्ट्रेलिया में)
463 रन - गौतम गंभीर (भारत में 2008/09)
430 रन - मुरली विजय (भारत में 2012/13)
393 रन - केएल राहुल (भारत में 2016/17)
359 रन - यशस्वी जयसवाल (ऑस्ट्रेलिया में 2024/25)

सिडनी टेस्ट मैच में अगर यशस्वी जायसवाल ने 124 रन बना लिए तो वो इतिहास रच देंगे और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बतौर भारतीय ओपनर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले स्थान पर आ जाएंगे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बतौर भारतीय ओपनर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज मुरली विजय हैं जिन्होंने साल 2014-15 में कुल 482 रन बनाए थे और उन्होंने ये कमाल ऑस्ट्रेलिया में किया था। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बतौर भारतीय ओपनर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर वीरेंद्र सहवाग हैं जिन्होंने 2003-04 में कुल 464 रन बनाए थे ।

यदि रोहित संन्यास लेते हैं तो मुझे हैरानी नहीं होगी: रवि शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि अगर कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेते हैं तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अगर रोहित का आखिरी मैच अच्छा रहता है तो उन्हें इस प्रारूप से खुशी-खुशी विदायी ले लेनी चाहिए।

सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के अंतिम टेस्ट की पूर्व संध्या पर रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गईं, जहां मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पहले दिन के खेल से पहले पिच को देखने के बाद प्लेइंग इलेवन का फैसला किया जाएगा, हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि शुक्रवार से शुरू होने वाले मैच में भारतीय कप्तान का खेलना तय है या नहीं। मौजूदा सीरीज में रोहित ने तीन मैचों में 6.2 की औसत से सिर्फ 31 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, वह अपने करियर को लेकर फैसला करेंगे लेकिन मुझे बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं होगा (अगर शर्मा संन्यास लेते हैं) क्योंकि उनकी उम्र कम नहीं हो रही है। विंग्स में अन्य युवा खिलाड़ी भी हैं, शुभमन गिल, जो वर्ष 2024 में 40 से अधिक औसत वाले अपने स्तर के खिलाड़ी हैं और खेल नहीं रहे हैं। यह आपके दिमाग को चकरा देता है कि वह बेंच पर बैठकर क्या कर रहा है। इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं होगा, लेकिन यह उसका फैसला है। दिन के अंत में, यदि भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (फाइनल) के लिए क्वालीफाई कर लेता है या यदि वे अभी भी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते, तो यह पूरी तरह से एक और बात है।

अन्यथा, मुझे लगता है कि यह सिर्फ सही समय हो सकता है - लेकिन (यदि शर्मा खेलते हैं) तो उन्हें शानदार प्रदर्शन करना चाहिए। यदि मैं रोहित शर्मा के आसपास होता, तो मैं उनसे कहता, 'बस जाओ और धमाका करो। बस मैदान पर जाओ और धमाका करो'। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, ठीक वैसे ही जैसे जब आप इस समय जिस तरह से खेलने की कोशिश कर रहे होते हैं, वह अच्छा नहीं लगता। मैदान पर जाओ और विपक्ष पर हमला करो और फिर देखते हैं क्या होता है। उन्हें यह भी लगता है कि रोहित का रेड-बॉल फॉर्म पिछले कुछ महीनों में अपने स्वाभाविक खेल को नहीं खेलने के कारण गिर गया है, और उन्होंने उनकी स्थिति की तुलना ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के संघर्ष से की।

मुझे लगता है कि जब मैं बाहर से देखता हूं, तो मुझे लगता है कि वह गेंद पर थोड़ा देर से आता है। उसके पैर सामान्य रूप से उतने अच्छे से नहीं चलते हैं। अपने चरम पर भी, उसका फुटवर्क न्यूनतम था, लेकिन और भी बहुत कुछ था। वह गेंद की ओर अधिक था। इस समय, मुझे लगता है कि वह क्रीज पर पकड़ा हुआ है। यह ऑस्ट्रेलियाई टीम में (उस्मान) ख्वाजा की तरह है, जहां आप न तो आगे होते हैं और न ही पीछे। और मुझे लगता है कि जब रोहित गेंद की ओर अधिक आगे बढ़ता है और विरोधी टीम से भिड़ने का इरादा रखता है, तो उस समय दिमाग से पैरों तक सही संकेत जाते हैं कि उन्हें क्या करना है। उन्होंने विस्तार से बताया, मैं चाहता हूं कि वह बस वहां जाएं, धमाका करें, कोशिश करें और यह टेस्ट मैच जीत जाएं। आप एक टेस्ट हार सकते हैं। आपने अभी तक श्रृंखला नहीं हारी है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को बरकरार रखने के लिए इस टेस्ट मैच को जीतने की कोशिश करें। यह वहां जाकर अपना स्वाभाविक खेल नहीं खेल पाना है (जो उसे प्रभावित कर रहा है)। पांचवां और अंतिम टेस्ट शुक्रवार से शुरू होगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया 2-1 की बढ़त बनाए हुए है। भारत को अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश करने की अपनी कम संभावनाओं को बनाए रखने के लिए सिडनी में होने वाला टेस्ट जीतना होगा।

वे यह भी उम्मीद करेंगे कि ऑस्ट्रेलिया इस महीने के अंत में श्रीलंका में होने वाले अपने दो टेस्ट में से कोई भी न जीते, ताकि जून में लॉर्ड्स में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में खेलने के लिए अपनी जगह पक्की कर सके।

शुभमन गिल 450 करोड़ के घोटाले में फंसे

नईदिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल चर्चा में है. उधर ऑस्ट्रेलिया में वो सुर्खियों में सिडनी टेस्ट में खेलने को लेकर हैं. तो इधर एक रिपोर्ट के मुताबिक उनके 450 करोड़ के घोटाले में फंसने की खबर है. रिपोर्ट्स की मानें तो शुभमन गिल समेत गुजरात टाइटंस के कई और खिलाड़ी, जिनमें साई सुदर्शन, राहुल तेवतिया और मोहित शर्मा का नाम है, वो भी स्कैम में शामिल हैं. 450 करोड़ रुपये का ये स्कैम गुजरात बेस्ड कंपनी से जुड़ा है. इस मामले में गुजरात क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट तरफ से सभी क्रिकेटरों को समन भेजा गया है.

करोड़ों के स्कैम में शुभमन गिल का नाम, इतने पैसे लगाए - इन्वेस्टर्स को बैंक से ज्यादा इंटरेस्ट रेट देने का वादा किया था. लेकिन, जब ऐसा नहीं हुआ तो इन्वेस्टर्स ने मामले की शिकायत पुलिस में की है. अहमदाबाद मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात टाइटंस के खिलाड़ियों ने भी पॉन्जी स्कीम में पैसा लगा रखा है. इसी को लेकर सीआईडी अब उनसे पूछताछ करेगी. रिपोर्ट के मुताबिक गिल ने 1.95 करोड़ रुपये इन्वेस्ट किए हैं जबकि बाकी खिलाड़ियों ने छोटी रकम लगाई है. चूंकि गिल अभी ऑस्ट्रेलिया में हैं लिहाजा सीआईडी उनसे वापस लौटने पर सवाल कर सकती है.

स्कैम में एक गिरफ्तारी की खबर - रिपोर्ट्स के मुताबिक गुजरात की सीआईडी ने इस मामले में एक गिरफ्तारी की है. उसने पिछले महीने बीजेड ग्रुपस्कैम से जुड़े भूपेंदर सिंह झाला को महसाना जिले से गिरफ्तार किया है. भूपेंदर सिंह ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अब तक गुजरात टाइटंस के खिलाड़ियों के भी इंटरेस्ट नहीं दिए हैं.

शुभमन गिल का ऑस्ट्रेलिया दौरा - शुभमन गिल के ऑस्ट्रेलिया दौरे की बात करें तो उनकी शुरुआत ही इंजरी के साथ हुई थी. इसी वजह से वो पर्थ में पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे. उसके बाद एडिलेड में उन्होंने पिंक बॉल टेस्ट खेला, जहां उन्होंने पहली पारी में 31 रन जबकि दूसरे में 28 रन बनाए. ब्रिसबेन में खेले तीसरे टेस्ट में भी वो बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे, जिसके बाद मेलबर्न में खेले चौथे टेस्ट से उन्हें ड्रॉप कर दिया गया. हालांकि, टीम मैनेजमेंट ने कहा कि ये फैसला कॉम्बिनेशन को देखते हुए लिया गया है. अब एक बार फिर से उनके 5वें टेस्ट में लौटने की खबर है ।

नया साल शुरू होते ही इस खिलाड़ी ने छोड़ी कप्तानी, अचानक लिया बड़ा फैसला

नईदिल्ली, एजेंसी। नजमुल हुसैन शांतो ने बांग्लादेश क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है. फिलहाल शांतो ने टी20 फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ी है. ऐसी खबरें थी कि वो तीनों फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ने वाले लेकिन फिलहाल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें सिर्फ टी20 कप्तानी छोड़ने के लिए मना लिया है. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि नजमुल अब टी20 टीम की कप्तानी नहीं करेंगे. नजमुल टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से ही कप्तानी छोड़ना चाहते थे. रिपोर्ट्स हैं कि उनकी जगह अब लिट्टन दास टी20 इंटरनेशनल में बांग्लादेश की टीम के नए कप्तान बन सकते हैं. बांग्लादेश बोर्ड ने बताया कि शांतो फिलहाल टी20 की कप्तानी छोड़ रहे हैं. आने वाले कुछ समय में टी20 सीरीज नहीं है तो ऐसे में नए टी20 कप्तान का ऐलान नहीं हो रहा है. अगर नजमुल हुसैन शआंतो के साथ किसी चोट की दिक्कत नहीं हुई तो वो ही टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान होंगे. बीसीबी के अधिकारियों ने लिट्टन दास का नाम तो नहीं लिया लेकिन ये बात साफ है कि शांतो की जगह ये खिलाड़ी ही नया टी20 कप्तान होगा. हाल ही में लिट्टन की कप्तानी में बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को टी20 सीरीज में 3-0 से हराया था ।

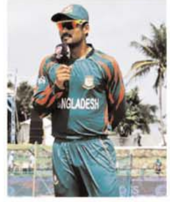

दूसरे बच्चे के जन्म के कारण श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं कमिंस

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने संकेत दिया है कि वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण इस महीने के अंत में श्रीलंका के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं। सिडनी में भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के समापन के बाद, ऑस्ट्रेलिया 29 जनवरी से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए श्रीलंका का दौरा करेगा। यह कार्यक्रम कमिंस के अपनी पत्नी बेकी के साथ दूसरे बच्चे के जन्म की अपेक्षित तिथियों से मेल खाता है।

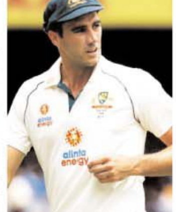

शुक्रवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होने वाले पिंक टेस्ट से पहले कमिंस ने कहा सटीक योजना बनाना काफी कठिन है, लेकिन निश्चित रूप से (मैं श्रीलंका दौरे से बाहर रह सकता हूं)। कमिंस की अनुपस्थिति में, ऑस्ट्रेलिया की कमान स्टीव स्मिथ या ट्रैविस हेड संभालेंगे। कमिंस ने बताया कि पिछले साल उनकी मां के निधन ने उनकी प्राथमिकताओं को गहराई से बदल दिया। पेसर ने भारत दौरे को बीच में ही उनके अंतिम दिनों में उनके साथ रहने के लिए छोड़ दिया था। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, कुछ मायनों में, यह वास्तव में आपको उस चीज़ पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है जो मुझे लगता है कि महत्वपूर्ण है। यह परिवार है, यह आनंद है, यह जीवन में खुशी खोजने की कोशिश है और मुझे लगता है कि जिस तरह से मैंने खेलने और दौरे करने का तरीका अपनाया है, उसमें यह थोड़ा बदलाव है और इसने मुझे वास्तव में अव्यवस्था को दूर करने की मानसिकता दी है।

कमिंस ने कहा,जब आप बाहर जाते हैं, तो आप बस अच्छा खेलना चाहते हैं, और निश्चित रूप से, दबाव होगा, लेकिन आप यह नहीं भूलना चाहते कि माँ और पिताजी हर बार जब हम बच्चे के रूप में खेलने जाते थे, तो हमसे क्या कहते थे- जाओ और इसका आनंद लो। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करो, लेकिन सुनिश्चित करो कि तुम इसका आनंद लो। मैं हर बार जब मैं किसी दौरे या खेल पर जाता हूं, तो खुद को यह याद दिलाने की कोशिश करता हूं। आप जो भी करने का फैसला करते हैं, हमेशा एक अवसर लागत होती है।